आनंद का सच्चा भाव*
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹95715/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹116900/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹127607/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 30 नवंबर 2025

साय ने कहा- मेडिसिटी मध्य भारत में स्वास्थ्य क्रांति की नई शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर में विकसित की जा रही मेडिसिटी मध्य भारत में स्वास्थ्य क्रांति की नई शुरुआत है। 200 एकड़ में विकसित हो रहा यह विशाल हेल्थकेयर सिटी आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ ही नहीं, ओडिशा, मध्यप्रदेश, झारखंड, आंध्रप्रदेश, ▶▶| शेष पेज 5 पर

5,000 से अधिक बेड की क्षमता

सेक्टर 36–37 में 200 एकड़ में विकसित की जा रही मेडिसिटी में 5,000 से अधिक बेड की क्षमता और देश के अग्रणी हेल्थकेयर समूहों की भागीदारी इस परियोजना को देश के सबसे बड़े स्वास्थ्य शहर के रूप में स्थापित करेगी। मेडिसिटी में मेडिकल ▶▶| शेष पेज 5 पर

गंडई निवासी कुंजाम दंपति का दर्द: एक ही आधार नंबर ने छीना राशन, रोका विकास

पति-पत्नी का आधार नंबर एक, 20 साल से सजा भुगत रहे गरीब, छीना राशन, बैंक खाता भी शून्य, जाएं तो जाएं कहां

विनोद नामदेव ▶▶| गंडई पंडरिया

अलग खबर

शासकीय व्यवस्था में हुई एक गंभीर चूक का खामियाजा गंडई के टिकरीपारा निवासी एक गरीब आदिवासी दंपति सुकलु कुंजाम और कमला कुंजाम, पिछले दो सालों से भुगत रहे हैं। बांस के झऊहा (टोकरी) बनाकर जीवन यापन करने वाले इस मेहनतकश परिवार का राशन इसलिए बंद है क्योंकि पति और पत्नी, दोनों का आधार नंबर एक ही जारी कर दिया गया है। यह एक ही गलती इस परिवार के लिए पिछले दो दशकों से आर्थिक अभिशाप बन चुकी है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

आधार नंबर की जुड़वाँ गलती बनी मुसीबत की जड़

मामला 20 साल पहले गंडई नगर में लगे पहले आधार कार्ड शिविर से जुड़ा है। कमला कुंजाम को उनका आधार कार्ड मिल गया, लेकिन सुकलु कुंजाम का कार्ड नहीं आया। कई प्रयासों के बाद भी कार्ड न मिलने पर, दो ▶▶| शेष पेज 5 पर

गरीब की थाली पर ताला और बैंक पर प्रतिबंध

इस एक गलती के कारण परिवार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है, सुकलु कुंजाम को राशन नहीं मिल रहा है क्योंकि उनके और उनकी पत्नी के आधार कार्ड की बायोमेट्रिक पहचान और नंबर ▶▶| शेष पेज 5 पर

आज शाम का समय निर्धारित किया गया, अनौपचारिक मुलाकात साथ में स्वल्पाहार

देश के भविष्य से मुलाकात करेंगे पीएम मोदी दो दर्जन छात्रों के साथ आज परीक्षा पर चर्चा

डॉ. हिमांशु द्विवेदी ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ में हैं। जाहिर है उनसे मुलाकात के लिए दिग्गज कतार में हैं। सभी लालायित हैं पीएम से एक मुलाकात के लिए। लेकिन पीएम ने लंबी मुलाकात के लिए चुना है भविष्य को। वे रविवार शाम ऐसे छात्रों से मुलाकात करेंगे जो इस वर्ष परीक्षाओं में शामिल होने वाले हैं। श्री मोदी छात्रों से मिलेंगे, परीक्षाओं को लेकर तनाव, तनाव प्रबंधन पर टिप्स देंगे उनकी बातें सुनेंगे और करेंगे परीक्षा पर चर्चा। उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान पुलिस के आला अफसरों के साथ मैराथन बैठकें कर रहे हैं। वे सुबह से लेकर शाम तक डीजीपी-आईजीपी के साथ देश के मौजूदा और भविष्य के हालात पर गहन मंथन कर रहे हैं। उनका छत्तीसगढ़ प्रवास बेहद व्यस्त है। वे निजी तौर पर बेहद कम लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार उन्होंने अब तक केवल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ही निजी मुलाकात का वक्त दिया है।

सातवीं से 12वीं तक के छात्रों से करेंगे मुलाकात

छात्रों के साथ स्वल्पाहार

सूत्रों के अनुसार पीएम न छात्रों से बात करेंगे बल्कि स्पीकर हाउस में उनके साथ स्वल्पाहार भी करेंगे ताकि बातचीत अनौपचारिक रहे। वे दो दर्जन से ज्यादा छात्रों से संवाद में परीक्षा को लेकर होने वाले तनाव, तनाव प्रबंधन और भविष्य में उनके सपनों पर भी संवाद करेंगे।

एम-वन बंगले में होगी परीक्षा पर चर्चा

श्री मोदी ने शनिवार को सुबह 8 बजकर 10 मिनट से देर शाम तक डीजीपी कान्फ्रेंस की अगुवाई की। वहां से वे सीधे एम-वन, विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह को आवंटित बंगले पहुंचे। ऐसा ही शेड्यूल उनका कल 30 नवंबर को है। वे कल सुबह 8 बजकर 20 मिनट पर विधानसभा अध्यक्ष निवास से आईआईएम में चल रही कान्फ्रेंस में शामिल होंगे। वहां 8 बजकर 35 मिनट से शाम 4 बजकर 30 मिनट तक मौजूद रहेंगे। उसके बाद वे छात्रों के साथ स्पीकर हाउस में सरकारी और निजी स्कूलों के छात्रों के साथ संवाद करेंगे। उनके मन की बात सुनेंगे और परीक्षा पर चर्चा करेंगे।

कान्फ्रेंस का दूसरा दिन, सिक्योरिटी सिस्टम पर हुआ मंथन

यह फोरम नेशनल सिक्योरिटी के लिए बेस्ट प्रैक्टिस और इनोवेशन के लिए जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को रायपुर में पुलिस डायरेक्टर्स जनरल और इंस्पेक्टर्स जनरल की कांफ्रेंस की अध्यक्षता की। पीएम मोदी ने कहा कि कान्फ्रेंस में भारत के सिक्योरिटी सिस्टम के अलग-अलग पहलुओं पर गहराई से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह फोरम नेशनल सिक्योरिटी के क्षेत्र में बेस्ट प्रैक्टिस और इनोवेशन को शेयर करने के लिए एक जरूरी प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करता ▶▶| शेष पेज 5 पर

गौतम ने बताई नक्सलियों के खिलाफ रणनीति

प्रेजेंटेशन में छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम ने छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था की जानकारी दी। सम्मेलन में देश समेत बस्तर में माओवाद के खिलाफ कार्रवाई और आगे की रणनीति पर छत्तीसगढ़ के डीजीपी ने जानकारी दी। बैठक में 31 मार्च 2026 के हिसाब से नक्सलवाद के खात्मे पर विस्तार से चर्चा होने की जानकारी भी सामने आई है।

जनताना सरकार के हेडक्वार्टर में 'विष्णु' की चौपाल

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

कभी लाल गलियारे व जनताना सरकार का हेडक्वार्टर माने जाने वाले पूर्वती में अब बदूंक व बारूद की गंध नहीं, बल्कि शासन की योजनाओं की महक व इसका लाभ लेते ग्रामीण नजर आते हैं। यह वहीं लाल गलियारा है, जहां कुछ समय पूर्व तक आम आदमी तो दूर फोर्स को भी काफी सोच समझकर कदम रखना पड़ता था, लेकिन अब हालात बदलने लगे हैं। पूर्वती में अब नक्सलियों की धमक नहीं, बल्कि सरकारी नुमाइंदों की चौपाल नजर आती है, जहां विष्णु सरकार की योजनाओं का लाभ लेने ग्रामीणों में होड़ नजर आती है। यह वहीं इलाका है जो हाल ही में आध्रंप्रदेश में मारे गए 1.80 करोड़ के ईनामी दुर्दांत नक्सली लीडर व केन्द्रीय समिति सदस्य माड़वी हिड़मा का गृहग्राम पूर्वती से लगा हुआ है। आध्रंप्रदेश के मारेडपल्ली इलाके में 18 नवम्बर की सुबह जिस समय माड़वी हिड़मा को फोर्स ने मार गिराया। ठीक उसी समय सुकमा जिला प्रशासन की ओर से पूर्वती के सीआरपीएफ कैम्प के सामने चौपाल लगाया गया था। रगंबिरगें टेंट से सजे इस शिविर में उत्सव का माहौल था।

पूर्वती में बदलने लगे हैं हालात

नक्सल प्रभावित इन इलाकों में हर व्यक्ति तक जल्द से जल्द लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ व राहत देने प्रयासरत हैं। नक्सलवाद के चलते पूर्वती तक पहुंचना पहले काफी मुश्किल थी, लेकिन अब हालत बदलने लगे हैं। शिविर के माध्यम से हम पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं, आने वाले समय में अंदरूनी इलाकों तक भी पहुंचेंगे। - सुभाष शुक्ला, एसडीएम, सुकमा

योजनाओं का लाभ लेने डटे रहे ग्रामीण

लेकिन इस समय तक शिविर में माड़वी हिड़मा के मारे जाने की खबर नहीं लगी थी हालांकि कुछ घंटे बाद यहां मौजूद लोगों में माड़वी हिड़मा के मारे जाने की खबर फैल गई । लेकिन योजनाओं का लाभ लेने मौजूद ग्रामीण टस से मस नहीं हुए और अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इसके बाद तीन दिन और 21 नवम्बर तक यहां शिविर लगा रहा और पूर्वती और आसपास के ग्रामीण सरकारी योजनाओं का लाभ लेने प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंचते रहे। हालांकि इस बीच हिड़मा का शव भी पूर्वती पहुंच गया और उसका और उसकी पत्नी डीकेएसजेडसी राजे का अंतिम सस्कार भी हो गया।

नक्सलियों की लंका लगाई, फोर्स ने किया कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नारायणपुर पुलिस ने ओरछा-आदेर से बीजापुर जिले के बेदरे बार्डर लंका तक सड़क कनेक्टिविटी के साथ ही लंका में नया कैम्प शुरू कर दिया है। लंका में नया कैम्प खुलने के बाद माड़ बचाओ अभियान के तहत शीघ्र ही मोबाइल टावर और सरकारी योजनाओं से 30 से अधिक गांव के हजारों लोग लाभान्वित होंगे। नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही शासन अब उन इलाकों तक पहुंचने लगी है जहां पहले पहुंचना मुमकिन नहीं था। लेकिन जैसे जैसे नए कैम्प खुल रहे है शासन की पहुंच अंदरूनी इलाकों के ग्रामीणों तक पहुंचने लगी है। इस वर्ष जिले में डेढ़ दर्जन से अधिक नवीन सुरक्षा एवं जन सुविधा कैंप खोले जा चुके है। शुक्रवार को बीजापुर जिले के बेदरे की सीमा से लगे इन्द्रावती नदी के किनारे स्थित ग्राम लंका में नारायणपुर पुलिस, डीआरजी व आईटीबीपी 44 वीं बटालियन द्वारा नया कैम्प खोला गया। नारायणपुर पुलिस द्वारा नक्सल मुक्त सशक्त बस्तर की कल्पना को साकार रूप देने के लिए क्षेत्र में लगातार नक्सल विरोधी माड़ बचाओ अभियान संचालित किया जा रहा है। साथ ही अबूझमाड़ में लगातार नवीन कैम्प स्थापित करते हुए सड़क पुल-पुलिया निर्माण सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं को अंदरूनी गांव तक पहुंचाये जाने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में ओरछा थाना के ग्राम लंका क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियानों एवं ओरछा-आदेर-लंका एक्सिस तक सड़क निर्माण कार्य में सुरक्षा प्रदान करने एवं विकास कार्यों में सहयोग पहुंचाने के उद्देश्य से नारायणपुर पुलिस ने घोर नक्सल प्रभावित माड़ क्षेत्र माओवादियों के आश्रय स्थल ग्राम लंका में नवीन कैम्प स्थापित किया गया है।

- नारायणपुर से 130 किमी दूर माड़ क्षेत्र में खुला नया कैम्प

जिले में खुले चुके कैम्प

नारायणपुर पुलिस ने इस वर्ष अब तक नक्सलियों के अघोषित राजधानी कुतुल समेत नक्सलियों के आश्रयस्थल कोडलियर, बेडमाकोटी, पदमकोट, कान्दुलपार, नेलांगूर, पांगूड़, रायनार, एडजुम, ईदवाया, आदेर, कुड़मेल, कोंगे, सितरम, तोके, जाटलूर, धोबे, डोडीमरका, पदमेटा और लंका में कैम्प खोले गए है।

हाईकोर्ट की खबरें

अनुभव की शर्त को दी गई चुनौती

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना व सूचना आयुक्त की नियुक्ति का विवाद गहराने लगा है। हाईकोर्ट के सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए अंबिकापुर के अधिवक्ता दिनेश्वर सोनी ने डीबी में याचिका दायर की है।
याचिकाकर्ता ने दोनों पदों पर नियुक्ति के लिए बाद में जोड़े गए 25 वर्ष के अनुभव को चुनौती दी है। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता के पास बी.ए, एल.एल.बी. की शैक्षणिक योग्यता है। पेशे से अधिवक्ता है। बीते 20 वर्षों से कानून की प्रैक्टिस कर रहें हैं। उन्होंने राज्य सूचना आयुक्त के पद के लिए आवेदन किया है। अब लेकिन सरकार की ओर से 25 सालों का अनुभव अनिवार्य कर दिया गया है। यह भी उल्लेख किया गया कि उक्त मानदंड ऐसे पद के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या को देखते हुए पेश किए गए हैं। राज्य गठित समिति द्वारा उपर्युक्त मानदंड गलत है। इसका उल्लेख न तो 4 मार्च 2025 के विज्ञापन में किया गया है और ना ही इसे सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किया गया है।

ई-नीलामी से कंपनी को बाहर किया, बीएसएनएल के फैसले को सही ठहराया

बिलासपुर। भूखंड की ई-नीलामी प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने बीएसएनएल के निर्णय को सही ठहराते हुए याचिकाकर्ता कंपनी की याचिका को खारिज कर दिया है। डिवीजन बेंच ने कहा, तकनीकी बोली को अस्वीकार करना आरएफपी के पूर्णतः अनुरूप है और संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हस्तक्षेप का औचित्य नहीं रखता। याचिकाकर्ता अग्रवाल संस की प्रोप्राइटर पुष्पा अग्रवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. एन.के. शुक्ला और अधिवक्ता शैलेन्द्र शुक्ला, प्रतिवादी चेयरमैन बीएसएनएल व जीएम बीएसएनएल की ओर से अधिवक्ता संदीप दुबे ने पैरवी की। अग्रवाल संस की प्रोप्राइटर पुष्पा अग्रवाल ने सीनियर एडवोकेट डा एनके शुक्ला व अधिवक्ता शैलेंद्र शुक्ला के माध्यम से हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की थी।
याचिकाकर्ता ने 04 नवंबर 2025 के ई-मेल संचार को रद्द करने की मांग की थी।

सभी मोर्चा की कार्यकारिणी, प्रदेश संगठन की कार्यसमिति का होना है ऐलान

एसआईआर के कारण अटका प्रदेश भाजपा संगठन का विस्तार, अब अगले माह होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बिहार का चुनाव निपटने के बाद इधर एसआईआर को लेकर भाजपा का पूरा संगठन भी लगा हुआ है। ऐसे प्रदेश भाजपा संगठन का विस्तार नहीं हो पा रहा है। एसआईआर का काम चार दिसंबर को समाप्त होने के बाद दिसंबर में ही भाजपा संगठन का विस्तार हो पाएगा। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री बिहार चुनाव में लगातार चार माह लगे रहने के बाद जब लौटे तो वे यहां पर संगठन की बैठक लेकर संगठन के विस्तार पर चर्चा कर चुके हैं।

उन्होंने सबसे पहले सभी मोर्चा के अध्यक्षों को अपनी कार्यकारिणी जल्द से जल्द बनाने का फरमान सुनाया है। इसी के साथ अब सबसे अहम कार्यसमिति का ऐलान होना है। इसके अलावा अब तक प्रकोष्ठों में बदलाव नहीं हो सका है। प्रकोष्ठों में संयोजक और सहसंयोजक बनाए जाने हैं। इसको लेकर भी तैयारी है, लेकिन सभी काम दिसंबर में ही संभव होंगे। प्रदेश भाजपा की कार्यकारिणी का लंबे इंतजार के बाद बीते माह 13 अगस्त को ऐलान हुआ है। इसमें बड़ा बदलाव किया गया है। डेढ़ दर्जन से ज्यादा नए चेहरों को इसमें रखा गया है। इसके पीछे का कारण यह है कि पुराने पदाधिकारियों को नए पद मिल चुके हैं।

ऐसे में इनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया गया है। अब कार्यकारिणी के बाद सबसे अहम कार्यसमिति के सदस्य बनाने का काम करना है। इसका ऐलान अब तक नहीं हो सका है।

प्रकोष्ठों में संयोजक और सहसंयोजक बनाए जाने हैं

मोर्चा की कार्यकारिणी बनाने पर फोकस

संगठन के विस्तार में सबसे बड़ा फोकस संगठन के सात मोर्चों की कार्यकारिणी पर है। मोर्चों में सबसे अहम भाजयुमो, महिला मोर्चा और किसान मोर्चा को माना जाता है। इसी के साथ बाकी के चार मोर्चा भी महत्वपूर्ण हैं। सभी के अध्यक्षों के साथ क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश के संगठन के महामंत्री पवन साय की बैठक हो चुकी है। सभी से जल्द से जल्द अपनी कार्यकारिणी बनाने के लिए कहा गया है। लेकिन इस समय सभी एसआईआर में लगे हैं। मोर्चों की कार्यकारिणी भी अब दिसंबर में ही बन पराएगी।

कार्यसमिति में होगा फेरबदल

इस समय भाजपा की जो कार्यसमिति है, उसमें कई नाम ऐसे हैं जिनको जहां दूसरे पद मिल गए हैं, वहीं जिन पुराने सांसदों को कार्यसमिति में रखा गया था, अब वे सांसद नहीं हैं। हालांकि इनमें से अब कुछ विधायक बन गए हैं। पुराने सदस्यों में जो सांसद थे उसमें संतोष पांडेय और विजय बघेल तो अब भी सांसद हैं लेकिन सुनील सोनी, गोमती साय और रेणुका सिंह इस समय सांसद नहीं हैं, लेकिन ये विधायक जरूर हैं। इनको सदस्य के रूप में रखा जा सकता है। लेकिन इसका फैसला राष्ट्रीय नेतृत्व से पूछ कर ही होगा। मोहन मंडावी, गुहाराम अजगले, चुन्नीलाल साहू इस समय सांसद नहीं हैं। इसी तरह से रणविजय सिंह जूदेव भी इस समय राज्य सभा सदस्य नहीं हैं। इसी तरह से अशोक बजाज इस समय कार्यालय मंत्री बन गए हैं। संगठन के महामंत्री संजय श्रीवास्तव नान के अध्यक्ष बन गए हैं। अन्य पद पाने वालों में जो नाम शामिल हैं, उनमें पूजा विधानी और मीनल चौबे महापौर बन गई हैं। कुल मिलकर यह तय है कि कार्यसमिति में कई चेहरे बदले जाएंगे।

स्कूली शिक्षिका के अपहरण की साजिश खुली, ऑटो चालक निकला किडनैपर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

पुलिस ने स्कूली शिक्षिका के अपहरण की साजिश का खुलासा शनिवार को किया है। पुलिस ने सुभाष चौक, कैम्प-1 निवासी ऑटो चालक इन्तखाब आलम (42) को हिरासत में लिया है। ऑटो को भी जब्त कर लिया है। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है।

एएसपी दुर्ग ग्रामीण अभिषेक झा से मिली जानकारी के अनुसार 28 नवंबर को कैम्प-1 निवासी प्रार्थी मुकेश साहू द्वारा थाना छावनी में एक लिखित आवेदन प्रस्तुत किया कि उसकी पत्नी राधा साहू (43) फोन कर बताई कि अपने कार्यस्थल सेक्टर-8 स्थित स्नेह सम्पदा स्कूल जा रही है और घर से निकली थी। मुकेश साहू के मोबाइल पर सुबह उसकी पत्नी के मोबाइल से काल कर अज्ञात व्यक्ति ने कहा कि उसकी पत्नी को किडनैप कर लिया गया है और फिरौती की रकम 5 लाख रुपए दें।

- अपहरण के बाद मांगी गई थी 5 लाख रुपए की फिरौती

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना छावनी में धारा 140(2), 127(8), 308(5) बीएनएस एवं 66-डी आईटी एक्ट कायम कर तत्काल एसीसीयू, थाना एवं अन्य पुलिस टीमों के साथ मुखबिर एवं टेक्निकल टीमों को सक्रिय कर किडनैपर ऑटो चालक इन्तखाब आलम को गिरफ्तार कर लिया गया।

खलिहान में सो रहे दंपती को दंतैल ने कुचलकर ले ली जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

हाथियों से मौत का सिलसिला रूकने का नाम नहीं ले रहा है। बीती रात अकेले घूम रहे दंतैल ने ग्राम पंचायत कपसरा अंतर्गत बिसाही पोड़ी में खलिहान में सोए दंपती की कुचलकर जान ले ली। ग्रामीणों ने विभाग पर हाथी के भ्रमण की सूचना नहीं देने का आरोप लगाया है।

- ग्रामीणों ने हाथियों की मौजदूगी की सूचना नहीं देने का लगाया आरोप

लम्बे समय से वन परिक्षेत्र प्रतापपुर में भ्रमण कर रहा अकेला दंतैल करंजवार, ररहोरा, हरिहरपुर, पोड़ी- कपसरा-अनरोखा के रास्ते वन परिक्षेत्र सूरजपुर के उपपरिक्षेत्र तमोर अंतर्गत ग्राम पंचायत कपसरा बिसारी नवापारा के मुराडांड बस्ती में पहुंच गया। इस इलाके में कभी हाथियों की आवाजाही नहीं होती लिहाजा वन अमला एवं ग्रामीण निश्चिंत पड़े रहे। आसपास के ग्रामीणों को दंतैल के पहुंचने की भनक भी लगी लेकिन किसी ने उसे गंभीरता से नहीं लिया।

40 नग रेलपाथ काट भागने की थी तैयारी, पुलिस ने दी दबिश

कोरबा। कबाड़ चोरों के हौंसले इस कदर बुलंद है कि अब वह रेलवे की संपत्ति को भी काटकर बेचने लगे हैं। नया मामला छुराकछार से एनटीपीसी के लिए जाने वाली बंद पड़ी रेलवे लाइन का है। जहां तड़के कबाड़ गिरोह के सदस्य गैस कटर से रेल पाथ को काटकर पिकअप वाहन में लोड कर भागने की तैयारी में थे लेकिन पुलिस ने मौके पर दबिश दी,जहां कबाड़ चोर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस ने एक पिकअप वाहन को जप्त किया है जिसमें 40 नग रेल पाथ और ऑक्सीजन गैस सिलेंडर लोड था। फिलहाल पुलिस ने धारा 102 के तहत सामानों को जप्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार छुराकछार एनटीपीसी की बंद पड़ी रेल लाइन पर कबाड़ चोर गिरोह के सदस्य शुक्रवार की तड़के पिकअप वाहन को लेकर पूरे साजो समान के साथ पहुंचे हुए थे जहां गैस कटर की मद्दद से 40 नग रेल पाथ को काटकर पिकअप क्रमांक सीजी 10 एजेड 4376 में लोड कर चुके थे लेकिन मुखबीर की सूचना जैसे ही बांकीमोंगरा पुलिस को मिली तो पुलिस की टीम ने तड़के 5 बजे रेल पाथ पर पहुंची और पुलिस की गाड़ी को आता देखकर कबाड़ गिरोह मौके से भाग निकला।

- कबाड़ गिरोह के सभी सदस्य मौके से फरार पुलिस जुटी जांच में

स्कूल शिक्षा विभाग की कार्रवाई

स्वच्छता सामग्री खरीदी मामले में गड़बड़ी करने वाले तीन बीईओ किए गए निलंबित

सक्ती। शासकीय विद्यालयों के लिए स्वच्छता सामग्री की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आई है। कार्रवाई करते हुए तीन विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई संयुक्त संचालक शिक्षा, बिलासपुर संभाग की विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई। भाजपा मंडल अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने मामले की शिकायत की थी। जांच में नियमों की खुली अवहेलना, बिना भौतिक सत्यापन के खरीद और गुणवत्ताहीन सामग्री की आपूर्ति जैसे गंभीर तथ्य उजागर हुए। जांच में पाया गया कि विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी डभरा श्यामलाल वारे, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जैजैपुर वी.के. सिदार और तत्कालीन विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी मालखरौदा टी.एस. जगत ने सरकारी विद्यालयों के लिए स्वच्छता सामग्री की खरीद में भण्डार क्रय नियमों, आदेश की शर्तों और गुणवत्ता मानकों का अनुपालन नहीं किया।

इनका हुआ निलंबन

जांच रिपोर्ट में पाई गई अनियमितताओं को गंभीर कदाचार मानते हुए शासन ने तीनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय रायपुर ने डभरा बीईओ श्यामलाल वारे, जैजैपुर बीईओ वी.के. सिदार और मालखरौदा के तत्कालीन बीईओ टी.एस. जगत के निलंबन का आदेश जारी किया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, सक्ती निर्धारित किया गया है।

बिल्टी नंबर और वाहन नंबर में अंतर से खुला राज

दो ट्रक से किया लाखों का 200 बोरी गुटखा जब्त, पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

जशपुरनगर। पुलिस ने शनिवार को लोदाम थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर दो ट्रकों से भारी मात्रा में अवैध रूप से रखा गुटखा जब्त किया है। दोनों वाहनों में सौ-सौ बोरी गुटखा भरा हुआ था। गुटखा को वैध कागजों के नाम पर गलत नंबर डालकर भेजा गया था।

पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह को सूचना मिली कि लोदाम थाना क्षेत्र में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से गुटखे का परिवहन किया जा रहा है। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस टीम ने 29 नवंबर की सुबह लोदाम थाना क्षेत्र में अशोक लेलैंड ट्रक क्रमांक यूपी 78–0511 और यूपी 78–केटी 7986 को रोका। तलाशी लेने पर दोनों वाहनों से 100-100 बोरी गुटखा, कुल 200 बोरी बरामद हुआ। जांच के दौरान पुलिस ने ट्रकों के दस्तावेज और बिल्टी की पड़ताल की। माल की बिल्टी नंबर और गाड़ी नंबर अलग-अलग पाए जाने पर, पुलिस को अवैध परिवहन की आशंका पुख्ता लगी। प्राथमिक जांच में सामने आया कि गुटखा को वैध कागजों के नाम पर गलत नंबर डालकर भेजा गया था।

नशे के कारोबारियों की खैर नहीं

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि ऑपरेशन आघात के तहत जिले में नशे के सभी रूपों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि जशपुर पुलिस नशे के सौदागरों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस पर काम कर रही है। अवैध कारोबार करने वालों पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, रविवार, 30 नवंबर 2025

राजधानी के रेलवे स्टेशन परिसर में चाइल्ड ट्रैफिकिंग गैंग सक्रिय है। स्टेशन परिसर के पास से 10 दिन के भीतर बच्चा चोरी की दूसरी वारदात सामने आई है। अज्ञात महिला 21 नवंबर को तड़के सात बजे डोंगरगढ़ से आए युवक की दो वर्षीय बेटी चोरी कर ले गई। जीआरपी पुलिस ने शून्य में अपराध दर्ज कर केस डायरी एसएसपी के पास भेज दी है। घटना के नौ दिन बीत जाने के बाद भी चोरी गई बच्ची का अब तक पुलिस पता नहीं लगा पाई है।

बीवी से झगड़कर पिता बच्ची के साथ पहुंचा रायपुर रेलवे स्टेशन, दो साल की बेटी को चुरा ले गए अज्ञात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डोंगरगढ़ निवासी प्रशांत भट्ट तथा उसकी पत्नी ने जीआरपी में अपनी दो साल की बेटी के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रशांत की पत्नी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि 20 नवंबर को उसका अपने पति के साथ विवाद हो गया। विवाद होने पर प्रशांत अपनी दो साल की बेटी को साथ लेकर डोंगरगढ़ से रायपुर आ गया। प्रशांत रेलवे ▶▶|शेष पेज 5 पर

पत्नी से विवाद के बाद युवक बेटी के साथ डोंगरगढ़ से रायपुर पहुंचा था

दो पुरुषों के शामिल होने की बात सामने आ रही

दो साल की बच्ची के चोरी होने की घटना में दो पुरुषों के शामिल होने की भी बात सामने आई है। बच्ची की मां वर्षा ठाकुर के अनुसार पति से घटना की जानकारी मिलने पर वह आनन-फानन में रायपुर पहुंची। घटना स्थल के आसपास के लोगों से वर्षा ने जानकारी जुटाई, तो उन लोगों ने बताया कि दो अज्ञात व्यक्तियों को उन लोगों ने बच्ची को चाकलेट तथा बिस्किट देते देखा था। साथ ही बच्ची को नए कपड़े पहनाते देखा था। तब मौके पर उपस्थित लोग उन दोनों अज्ञात को बच्ची का परिजन समझ कर कुछ नहीं बोले।

छह माह के भीतर तीसरी वारदात

रेलवे स्टेशन परिसर से बच्चा चोरी की छह माह के भीतर यह तीसरी वारदात है। मई में अज्ञात चोर ने दंपति की गोद से चार माह की बच्ची चोरी की थी। इसके बाद 17 नवंबर को पांच साल का बच्चा चोरी की घटना हुई थी। पूर्व में गायब दोनों बच्चे जीआरपी की तत्परता की वजह से रिकवर कर लिए गए और जीआरपी ने आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। 21 नवंबर को चोरी गई बच्ची स्टेशन परिसर के बाहर की है। इस वजह से जीआरपी ने शून्य में अपराध दर्ज किया है। स्थानीय पुलिस अब तक चोरी गई मासूम की पतासाजी नहीं कर पाई है।

मामला पुलिस को सौंपा

हमने शून्य में मामला दर्ज किया था। उसे एसएसपी कार्यालय भेज दिया है। -श्वेता सिन्हा, एसपी, रेलवे

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

विधानसभा सचिव का कार्यकाल एक साल बढ़ा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। उनका कार्यकाल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा था। एक साल कार्यकाल बढ़ने पर अब वे 30 नवंबर 2026 तक विधानसभा सचिव के पद पर बने रहेंगे। उन्हें डॉ. चरणदास महंत ने विधानसभा अध्यक्ष रहते विधानसभा सचिव बनाया था। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ भी करीब-करीब दो साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। दिनेश शर्मा के पहले चंद्रशेखर गंगराड़े और देवेंद्र वर्मा को विधानसभा सचिव के तौर पर सेवावृद्धि मिली थी।

कैबिनेट 3 दिसंबर को

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 3 दिसंबर को प्रातः 11 बजे मंत्रालय में आयोजित होगी। कैबिनेट की बैठक में राज्य सरकार द्वारा आगामी सत्र के दौरान पेश किए जाने वाले विधेयकों के प्रारूप पर चर्चा होगी। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा दिए गए प्रस्तावों पर चर्चा होगी।

जमीयत उलमा-ए-हिंद के प्रमुख का विवादित बयान

मौलाना मदनी बोले- सुप्रीम कोर्ट को 'सुप्रीम' कहलाने का हक नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, दुख की बात है कि पिछले कुछ सालों में खासकर बाबरी मस्जिद और तीन तलाक जैसे मामलों में आए फैसलों के बाद ये राय बन रही है कि अदालतें हुकूमत के दबाव में काम कर रही हैं। मौजूदा वक्त में वर्शिप एक्ट को नजअंदाज करते हुए ज्ञानवापी और मथुरा के मामलों की सुनवाई हो रही है। सुप्रीम कोर्ट उस वक्त तक ही सुप्रीम कहलाने का हक रखता है कि जब तक कि वो संविधान पर अमल कर रहा है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित जमीयत उलेमा-ए-हिंद की नेशनल गवर्निंग बॉडी मीटिंग में उन्होंने जिहाद शब्द को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर टिप्पणी की। महमूद मदनी ने कहा, इस्लाम और मुसलमानों के दुश्मनों ने जिहाद जैसी इस्लाम की पवित्र अवधारणा को दुर्व्यवहार, अव्यवस्था और हिंसा से जुड़े शब्दों में बदल दिया है। लव जिहाद, लैंड जिहाद, तालीम जिहाद और थूक जिहाद जैसे जुमले इस्तेमाल करके मुसलमानों को गहरी ठेस पहुंचती है और उनके धर्म का अपमान होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार और मीडिया में जिम्मेदार पदों पर बैठे ▶▶|शेष पेज 5 पर

विशेष समुदाय को निशाना बनाया जा रहा

जमीयत उलमा-ए-हिंद की नेशनल गवर्निंग मीटिंग में मौलाना महमूद मदनी ने कहा, देश की वर्तमान स्थिति अत्यंत संवेदनशील और चिंताजनक है। दुख की बात है कि यह कहना होगा कि एक विशेष समुदाय को जबरन निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अन्य समुदायों को कानूनी रूप से शक्तिहीन, सामाजिक रूप से अलग-थलग और आर्थिक रूप से अपमानित किया जा रहा है। उनके धर्म, पहचान और अस्तित्व को कमजोर करने के लिए मॉब लिंचिंग, बुलडोजर कार्रवाई हो रही है।

भाजपा ने बोला हमला, कहा- भड़काऊ बयान

भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महमूद मदनी के बयान की आलोचना की है। उन्होंने कहा, एक बैठक में, जिस तरह से जमीयत-ए-उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने भोपाल में कहा कि जहां भी किसी भी तरह का दमन हो, वहां 'जिहाद' छेड़ा जाना चाहिए, वह न केवल भड़काऊ है बल्कि प्रकृति में विभाजनकारी है। मुझे लगता है कि यह शब्द बहुत गलत है। हमने लोगों को जिहाद के नाम पर आतंक फैलाते देखा है, न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में।

सूज गया गाल, लोगों में आक्रोश

गिनती नहीं सुनाने पर प्रधान पाठक ने दूसरी के छात्र पर बरसाए थप्पड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रामानुजगंज

मासूम बच्चों के साथ स्कूलों में बर्बरता की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। सूरजपुर जिले के रामानुजनगर क्षेत्र में कक्षा दूसरी के छात्र को पेड़ से लटकाने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है और दूसरी तरफ एक शिक्षक द्वारा छात्र की बेरहमी से पिटाई का मामला सामना गया। गिनती नहीं सुना पाने पर अपना आपा खो ▶▶|शेष पेज 5 पर

जारी किया गया निलंबन आदेश

इधर, इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव ने घटना की जांच कराई। जांच में छात्र के साथ मारपीट की पुष्टि हुई है और छात्र का चेहरा सूज गया है। प्रधान पाठक उदय कुमार यादव का यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम-1965 के नियम-03 का स्पष्ट उल्लंघन है। ऐसे में डीईओ ने प्रधान पाठक उदय कुमार यादव को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

एमएमसी जोन के एसजेडसी मेंबर ने 11 साथियों के साथ किया समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

बोरतलाव के समीप कनघुर्रा के जंगल में हाल ही में हुई पुलिस-नक्सली मुठभेड़ के बाद एमएमसी जोन के दर्रेकसा दलम के एसजेडसी मेंबर विकास नगपुरे ने अपने 11 साथियों के साथ महाराष्ट्र के गोंदिया में आत्मसमर्पण कर दिया। एमएमसी जोन के एसजेडसी मेम्बर विकास ने 11 नक्सल साथियों संग महाराष्ट्र में

समर्पण किया। विकास एमएमसी जोन के कुख्यात नक्सलियों की सूची में शीर्ष रहा है। उसकी लंबे समय से पुलिस तलाश करती रही ▶▶|शेष पेज 5 पर

सिंधी कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंचकर डॉ. हिमांशु को बंधाया ढांढस

मंत्री पटेल ने पं. कीर्ति नारायण के निधन पर जताया शोक

पटेल ने डॉ. हिमांशु को स्व-लिखित पुस्तक 'परिक्रमा' की एक प्रति भी भेंट की

ग्वालियर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल शनिवार को आईएनएच-हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के ग्वालियर स्थित 3 सिंधी कॉलोनी निवास पर पहुंचे और उनके पूज्य पिताजी पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी के दुखद निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी के आचरण-व्यवहार और उनकी व्यक्तित्व की सराहना ▶▶शेष पेज 5 पर

नेपाल में उतरते समय विमान से टकराया पक्षी

काठमांडू। नेपाल में पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय एक निजी एयरलाइन के विमान से एक पक्षी टकरा गया। हालांकि, हवाई अड्डा सूत्रों के अनुसार, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि काठमांडू से पोखरा जा रहा बुद्धा एयरलाइंस का 9एन एओसी विमान अपराह्न 3.45 बजे उतरते समय एक पक्षी से टकरा गया। घटना के बाद, एक तकनीकी टीम ने विमान की सुरक्षा जांच की। अधिकारी ने बताया कि घटना में विमान का प्रोपेलर ब्लेड थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया।

कर्नाटक में सीएम पद को लेकर छिड़ा है रार

डीके समर्थकों ने दिल्ली में डारा हुआ है डेरा

ब्रेकफास्ट मीटिंग के बाद बोले सिद्धारमैया-डीके

'हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है आलाकमान की हर बात मानेंगे'

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को बेंगलुरु में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से उनके आवास पर मुलाकात की। कांग्रेस आलाकमान के इशारे पर सिद्धारमैया ने डीके शिवकुमार को ब्रेकफास्ट के लिए बुलाया था। इसके बाद दोनों ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें सीएम सिद्धारमैया ने कहा, 'नाश्ता अच्छा था। हमने वहां किसी भी विषय पर बात नहीं की। हमने सिर्फ नाश्ता किया। डीकेएस आज हमारे घर आए।

डीके शिवकुमार ने मुझे अपने घर आमंत्रित किया।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होंगे। हमारा एजेंडा 2028 के चुनाव हैं। स्थानीय निकाय चुनाव महत्वपूर्ण हैं। हमने उन पर चर्चा की। हमने 2028 के चुनावों में कांग्रेस को वापसलाने पर भी चर्चा की। हमने चर्चा की कि हम साथ चलेंगे। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होंगे।'

कल से कोई भ्रम नहीं रहेगा: सिद्धारमैया

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ नाश्ते पर बैठक के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, 'हमने फैसला किया है कि हम आलाकमान की हर बात मानेंगे। कल से कोई भ्रम नहीं रहेगा। अभी भी कोई भ्रम नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्टरों ने भ्रम पैदा किया है।'सिद्धारमैया ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी और जेडीएस को झूठे आरोप लगाने की आदत है। बीजेपी और जेडीएस ने बयान दिया है कि वे अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। उनके पास केवल 60 विधायक हैं और जेडीएस के पास 18 विधायक हैं। वे हमारी संख्या का मुकाबला नहीं कर सकते। हमारे पास 140 विधायक हैं। यह एक निरर्थक कवायद है। हम उनके झूठे आरोपों का सामना करेंगे।'मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, 'जहां तक मुझे पता है, कुछ विधायक मंत्री बनना चाहते हैं, इसलिए वे आलाकमान से मिलने गए होंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि वे नेतृत्व के खिलाफ हैं। आलाकमान जो भी कहेगा, हम उसे मानेंगे।'

'पहले गुटबाजी सुलझाओ, फिर दिल्ली आओ'

सोशल मीडिया पर दोनों गुटों की बयानबाजी और लगातार बढ़ रही अंदरूनी लड़ाई से नाराज कांग्रेस हाईकमान ने साफ चेतावनी दे दी है। हाईकमान ने दोटूक कह दिया है कि दोनों मिलकर मामला सुलझाइए और फिर दिल्ली आइए। अंतिम फैसला हाईकमान करेगा. फिलहाल, सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का दिल्ली दौरा फिलहाल टल गया है। शिवकुमार अब मांड्या के केआर पेट जा रहे हैं, जहां वे एक पूजा में शामिल होंगे।

हम साथ मिलकर काम कर रहे: शिवकुमार

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, 'जहां तक नेतृत्व का सवाल है, यह पार्टी आलाकमान को तय करना है। वे जो भी कहेंगे, हम उसका पालन करेंगे। हम पार्टी के वफादार सिपाही हैं। पार्टी देश में एक कठिन दौर से गुजर रही है, लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि कर्नाटक में हम 2028 में अपनी जीत दोहराएंगे और मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में आगे बढ़ेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'राज्य के पूरे कार्यकर्ताओं ने हमारा समर्थन किया है और जनता ने हमें भारी बहुमत से आशीर्वाद दिया है। हमने जो भी वादे किए हैं, उन्हें पूरा करना हमारा कर्तव्य है। हम सुशासन प्रदान कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। सीएम ने जो भी कहा, मैं सीएम के साथ हूं। हम साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'

पहले कहा था- सीएम बनने की रखते हैं इच्छा : *कुछ दिन पहले डीके ने अपनी पोस्ट में साफ कर दिया था कि वे सीएम बनने की इच्छा रखते हैं, उन्होंने लिखा था कि अपना वचन निभाना दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। चाहे वह कोई जज हो, राष्ट्रपति हो या मैं खुद ही क्यों न हूं। सभी को अपने कहे पर अमल जरूर करना चाहिए। वचन की शक्ति ही विश्व शक्ति है। इस पोस्ट के थोड़ी देरी बाद सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि किसी शब्द की कोई शक्ति तब तक नहीं होती जब तक वह लोगों के लिए बेहतर दुनिया न बना दे। कर्नाटक के प्रति हमारा वचन अडिग है।*

दितवाह से श्रीलंका में 132 की मौत हिंदुस्तान की तरफ बढ़ा साइक्लोन

तमिलनाडु में भारी बारिश, 54 फ्लाइट्स कैंसिल

कोलंबो एयरपोर्ट पर फंसे 300 भारतीय यात्री

हिंदुस्तान के 4 राज्यों पर अलर्ट, कुछ इलाकों में रेड अलर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

तूफान दितवाह ने श्रीलंका में भयानक तबाही मचाई है। तूफान के कारण यहां कम से कम 132 लोगों की मौत हो गई है, 150 से ज्यादा लापता हैं। राहत बचाव का कार्य तेजी से चल रहा है। वहीं, अब इस तूफान ने दितवाह भारत की ओर रूख कर लिया है। तूफान के चलते कई फ्लाइट्स कैंसिल हैं। फ्लाइट्स कैंसिल होने से 300 भारतीय यात्री तीन दिनों से कोलंबो में फंसे हैं। इनमें करीब 150 यात्री तमिल के हैं। भारतीय नौसेना श्रीलंका वायुसेना को खोज एवं बचाव अभियान में मदद भी कर रही है।

इन जगहों की उड़ानों पर हुआ असर

चेन्नई हवाई अड्डे से निलंबित सेवाओं में शनिवार सुबह से रात तक चलने वाली एटीआर-प्रकार की क्षेत्रीय टर्बोप्रॉप उड़ानें शामिल हैं। मदुरै, तिरुचिरापल्ली, थूथुकुडी, सलेम, बेंगलुरु, हैदराबाद और जाफना जैसे गंतव्यों के लिए उड़ानें प्रभावित हुई हैं। प्रस्थान और आगमन दोनों रद्द कर दिए गए हैं। एयरलाइनों ने यात्रियों को अंतिम समय में हवाई अड्डे की यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि चक्रवाती हवाओं और भारी बारिश से उत्पन्न खतरों का आकलन करने के बाद यह निर्णय लिया गया है।

इन राज्यों में रहेगा असर

इधर, साइक्लोन के असर से तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के तटीय इलाकों में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं शुरू हो चुकी है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने चेन्नई और चेंगलपट्टू समेत आसपास के जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण 54 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। आईएमडी के अनुसार, चक्रवात दित्वा के उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 30 नवंबर तक उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और उससे सटे दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की संभावना है।

बनाए गए हैं 6,000 राहत शिविर : *तमिलनाडु के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन ने बताया कि चक्रवात दितवाह के असर से निपटने के लिए राज्यभर में लगभग 6,000 राहत शिविर बनाए गए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी तक बहुत कम लोग इन शिविरों में पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि बारिश का दायरा धीरे-धीरे रामनाथपुरम से तटीय जिलों की ओर बढ़ रहा है और फिलहाल इन इलाकों में इसका प्रभाव कम दिखाई दे रहा है। मंत्री रामचंद्रन ने आश्वासन दिया कि सरकार ने चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठा लिए हैं और राहत कैंपों में पर्याप्त व्यवस्था की गई है।*

थाईलैंड और इंडोनेशिया में भारी तबाही

साउथ ईस्ट एशिया के 3 देश इस वक्त सैलाबी अटैक से तबाह हो चुके हैं। इनमें थाईलैंड, इंडोनेशिया और श्रीलंका शामिल हैं। जहां मूसलाधार बारिश और बाढ़ की चपेट से 500 से ज्यादा मौत की रिपोर्ट है। 50 लाख से ज्यादा की आबादी सड़क पर है।

भारतीयों के जीएसटी विवरण का म्यांमार में गलत इस्तेमाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

क्रॉस-बॉर्डर नारकोटिक्स तस्करी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। ईडी ने बताया कि म्यांमार मूल के लोगों ने भारतीय नागरिकों के जीएसटी प्रमाण पत्रों का दुरुपयोग कर ड्रग्स बनाने के लिए जरूरी कच्चा माल खरीदा। यह खुलासा एजेंसी की उस कार्रवाई के दौरान सामने आया है, जब ड्रग्स तस्करी से जुड़े धन शोधन मामले में भारत-म्यांमार सीमा पर पहली बार तलाशी ली गई थी। ईडी ने 27 नवंबर को अपनी इस विशेष कार्रवाई के तहत मिजोरम के आइजोल और चंपाई (भारत-म्यांमार बॉर्डर) में कई ठिकानों पर छापेमारी की। इसके अलावा असम के करीमगंज जिले के श्रीभूमि क्षेत्र और गुजरात के अहमदाबाद में भी तलाशी ली गई।

ड्रग रैकेट केस में बड़ा खुलासा

अवैध वित्तीय लेनदेन और धन शोधन का भी आरोप

एजेंसी के अनुसार, यह नेटवर्क न केवल ड्रग्स की तस्करी में शामिल था, बल्कि अवैध वित्तीय लेनदेन और धन शोधन के जरिए इसकी कमाई को भी छिपाया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि म्यांमार नागरिकों ने भारतीय नागरिकों के जीएसटी क्रेडेंशियल्स का दुरुपयोग कर ड्रग निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे पदार्थों की खरीद को वैध दिखाया।

खुद को रिचार्ज करें जज शामिल हों मनोरंजक कार्यक्रमों में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

■ सीजेआई ने जजों के काम को बताया तनावपूर्ण

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि जजों को मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होना चाहिए ताकि वे खुद को रिचार्ज कर सकें। सीजेआई ने कहा कि जजों के काम के घंटे लंबे होते हैं और उनका काम बेहद तनावपूर्ण होता है। उनके काम की प्रकृति को देखते हुए उन्हें मनोरंजक गतिविधियां करनी चाहिए। मनोरंजक गतिविधियों में वे गतिविधियां शामिल की जाती हैं, जिन्हें लोग अपने शरीर और दिमाग को तरोताजा करने के लिए करते हैं। इनमें खेलकूद, योग-ध्यान, तैराकी या पैदल चलना आदि कुछ भी हो सकता है। सीजेआई ने ऑल इंडिया जज बैडमिंटन चैंपियनशिप के उद्घाटन कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जजों को अपनी उम्र के हिसाब से किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल होना चाहिए। सीजेआई ने कहा 'जजों के काम के घंटे ज्यादा हैं और उनका काम की प्रकृति भी तनावपूर्ण है। उन्हें कई घंटों तक बैठकर काम करना होता है। ऐसे में सभी जजों को मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होना चाहिए और इसे अपनी आदत में शुमार करना चाहिए।

इसी मकसद से यहां पिछले दिनों हुआ गौशाला का उद्घाटन

तिहाड़ के 'परेशान' कैदियों को मिल रही काऊ थैरेपी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली की तिहाड़ जेल में बुधवार को एक नई गौशाला का उद्घाटन किया गया। इस गौशाला का उद्देश्य न केवल देशी गायों, खासकर साहीवाल गायों का संरक्षण करना है बल्कि उन कैदियों को गौ-चिकित्सा (काऊ थैरेपी) भी प्रदान करना है जो परेशान हैं या जिनके रिश्तेदार उनसे मिलने नहीं आते।

उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने जेल में गौशाला का शुभारंभ किया। तिहाड़ के अधिकारियों ने बताया कि गौशाला में फिलहाल 10 गायें हैं जो कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार और दयालुता के प्रसार में मदद करेगी। महानिदेशक (कारागार) एसबीके सिंह ने कहा, 'हमारे कुछ कैदियों से कोई मिलने या उन्हें फ़ोन करने नहीं आता। ऐसी पहल दूसरे देशों में भी की गई है।'तिहाड़ प्रशासन द्वारा रिसर्च के आधार पर काऊ थैरेपी से लाभ मिलने का दावा किया है।

हरियाणा में पहले से चल रही है यह थैरेपी

2018 में, हरियाणा की कुछ जेलों में गौ-चिकित्सा का एक नया रूप शुरू किया गया जहां कैदियों ने गौशाला में गायों की देखभाल का जिम्मा संभाला। तिहाड़ अधिकारियों के अनुसार, अच्छे आचरण के लिए जाने जाने वाले कैदी जेल में इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। जेल ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर जेल संख्या 2 और 3 में एक छोटी गौशाला के साथ इस पहल की शुरुआत की थी।

गौधन के संपर्क में आने से स्वास्थ्य में सुधार का किया गया है दावा

यह होते हैं लाभ

मानसिक स्वास्थ्य में सुधारः गायों के साथ समय बिताने से कैदियों का तनाव और अकेलापन कम होता है। भावनात्मक तनाव से मुक्तिः यह थैरेपी कैदियों को भावनात्मक तनाव से उबरने और झगड़ों को कम करने में मदद कर सकती है। सकारात्मक आचरणः गायों की सेवा से कैदियों में ममता और वात्सल्य का भाव बढ़ता है, जिससे उनके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आता है।

यह है काऊ थैरेपी

तिहाड़ में 'काऊ थैरेपी' जेल में बनाई गई एक गौशाला है, जिसका उद्देश्य कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुधारना है। यह उन कैदियों की मदद करती है जो अकेलापन और भावनात्मक तनाव महसूस करते हैं। इस पहल के तहत, कैदी गायों की देखभाल कर सकते हैं, जिससे उनमें दयालुता और वात्सल्य की भावना बढ़ती है। साथ ही, वे गायों से होने वाले उत्पादों (जैसे दूध, घी, छाछ) से आय भी कमा सकते हैं। यह पहल देशी गायों के संरक्षण में भी मदद करती है।

कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक,
छत्तीसगढ सेक्टर, के०रि०पु०बल, सेक्टर-17, अटल नगर, नया रायपुर (छत्तीसगढ) 492101

विज्ञापन सूचना संख्या आर०दो-06/2025-प्रशा० पाँच — **सूचना** — दिनांक 30/11/2025

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (के०रि०पु०बल) में सिपाही (सामान्य डयूटी) के पद पर छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर एवं सुकमा जिलों से 300 मूल निवासी आदिवासी (पुरूष एवं महिला) युवकों / युवतियों की भर्ती के संबंध में।

निम्नलिखित उम्मीदवारों को दिनांक 11/12/2025 से आयोजित होने वाली विस्तृत चिकित्सा परीक्षा (डी०एम०ई०) के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है। तद्नुसार उन्हे बीजापुर एवं सुकमा में विस्तृत चिकित्सा परीक्षा (डी०एम०ई०) के लिए निम्नलिखित केन्द्रों पर रिपोर्ट करने का निर्देश दिया जाता है :-

85 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, परिवर्तन कैम्प, नयापारा, बीजापुर, छत्तीसगढ-494444
कुल उम्मीदवार-296
हेल्प लाईन संख्या 9425267316 एवं 6264915190

रोल नम्बर

रिपोर्ट करने की तिथि एवं समयः 11/12/2025 (प्रातः 08.00 बजे)

(पुरूष उम्मीदवार)

BIJ/2025/0877	BIJ/2025/0505	BIJ/2025/2822	BIJ/2025/3882
BIJ/2025/2059	BIJ/2025/0560	BIJ/2025/0346	BIJ/2025/1342
BIJ/2025/2548	BIJ/2025/1261	BIJ/2025/1291	BIJ/2025/1741
BIJ/2025/2101	BIJ/2025/1661	BIJ/2025/1571	BIJ/2025/2041
BIJ/2025/2130	BIJ/2025/2452	BIJ/2025/2325	BIJ/2025/2216
BIJ/2025/2922	BIJ/2025/2490	BIJ/2025/2456	BIJ/2025/2674
BIJ/2025/3076	BIJ/2025/2818	BIJ/2025/2646	BIJ/2025/2882
BIJ/2025/0446	BIJ/2025/3388	BIJ/2025/3643	BIJ/2025/0119
BIJ/2025/1835	BIJ/2025/3503	BIJ/2025/0613	BIJ/2025/0445
BIJ/2025/1988	BIJ/2025/0104	BIJ/2025/1285	BIJ/2025/0771
BIJ/2025/0930	BIJ/2025/0337	BIJ/2025/1311	BIJ/2025/0818
BIJ/2025/0997	BIJ/2025/0506	BIJ/2025/2053	BIJ/2025/1365
BIJ/2025/1259	BIJ/2025/1292	BIJ/2025/2167	BIJ/2025/1396
BIJ/2025/2492	BIJ/2025/2091	BIJ/2025/2981	BIJ/2025/1629
BIJ/2025/0464	BIJ/2025/2669	BIJ/2025/3384	BIJ/2025/2493

(महिला उम्मीदवार)

BIJ/2025/3046	BIJ/2025/2592	BIJ/2025/1769	BIJ/2025/0986	BIJ/2025/1155
BIJ/2025/0018	BIJ/2025/3112	BIJ/2025/2034	BIJ/2025/2608	BIJ/2025/1429
BIJ/2025/1791	BIJ/2025/1490	BIJ/2025/2058	BIJ/2025/2638	BIJ/2025/0105
BIJ/2025/0873	BIJ/2025/0299	BIJ/2025/3088	BIJ/2025/0076	BIJ/2025/1734
BIJ/2025/0248	BIJ/2025/1428	BIJ/2025/0216	BIJ/2025/0288	BIJ/2025/1744

(पुरूष उम्मीदवार) रिपोर्ट करने की तिथि एवं समयः 12/12/2025 (प्रातः 08.00 बजे)

BIJ/2025/2504	BIJ/2025/3554	BIJ/2025/2994	BIJ/2025/1394	BIJ/2025/0916
BIJ/2025/3355	BIJ/2025/3833	BIJ/2025/3602	BIJ/2025/1569	BIJ/2025/0242
BIJ/2025/3582	BIJ/2025/0006	BIJ/2025/0050	BIJ/2025/1855	BIJ/2025/0340
BIJ/2025/0801	BIJ/2025/0528	BIJ/2025/0074	BIJ/2025/2069	BIJ/2025/0441
BIJ/2025/1106	BIJ/2025/0781	BIJ/2025/0475	BIJ/2025/2188	BIJ/2025/0730
BIJ/2025/1264	BIJ/2025/1135	BIJ/2025/0689	BIJ/2025/2468	BIJ/2025/0806
BIJ/2025/1486	BIJ/2025/1144	BIJ/2025/1232	BIJ/2025/2881	BIJ/2025/1216
BIJ/2025/1656	BIJ/2025/1160	BIJ/2025/1759	BIJ/2025/3184	BIJ/2025/1363
BIJ/2025/2005	BIJ/2025/1247	BIJ/2025/2439	BIJ/2025/3618	BIJ/2025/1483
BIJ/2025/2056	BIJ/2025/1586	BIJ/2025/2441	BIJ/2025/0048	BIJ/2025/2049
BIJ/2025/2376	BIJ/2025/1757	BIJ/2025/2505	BIJ/2025/0049	BIJ/2025/2770
BIJ/2025/2471	BIJ/2025/1833	BIJ/2025/2973	BIJ/2025/0471	BIJ/2025/3017
BIJ/2025/2508	BIJ/2025/2116	BIJ/2025/3469	BIJ/2025/1258	BIJ/2025/3155
BIJ/2025/2620	BIJ/2025/2525	BIJ/2025/3763	BIJ/2025/2791	BIJ/2025/3200
BIJ/2025/2960	BIJ/2025/2937	BIJ/2025/1279	BIJ/2025/3707	BIJ/2025/3357

(महिला उम्मीदवार)

BIJ/2025/2656	BIJ/2025/0649	BIJ/2025/0278	BIJ/2025/2730
BIJ/2025/1938	BIJ/2025/1196	BIJ/2025/1195	BIJ/2025/3039
BIJ/2025/3168	BIJ/2025/2124	BIJ/2025/1492	BIJ/2025/1218
BIJ/2025/0390	BIJ/2025/0178	BIJ/2025/2077	BIJ/2025/2264
BIJ/2025/0395	BIJ/2025/0223	BIJ/2025/2561	

(पुरूष उम्मीदवार) रिपोर्ट करने की तिथि एवं समयः 13/12/2025 (प्रातः 08.00 बजे)

BIJ/2025/3487	BIJ/2025/1538	BIJ/2025/1764	BIJ/2025/3587	BIJ/2025/2132
BIJ/2025/3499	BIJ/2025/1926	BIJ/2025/1771	BIJ/2025/3896	BIJ/2025/2170
BIJ/2025/3590	BIJ/2025/2420	BIJ/2025/1876	BIJ/2025/0117	BIJ/2025/2373
BIJ/2025/3604	BIJ/2025/2649	BIJ/2025/1959	BIJ/2025/0227	BIJ/2025/2393
BIJ/2025/0133	BIJ/2025/3050	BIJ/2025/1979	BIJ/2025/0477	BIJ/2025/2568
BIJ/2025/0540	BIJ/2025/3079	BIJ/2025/1991	BIJ/2025/0154	BIJ/2025/3010
BIJ/2025/0745	BIJ/2025/3330	BIJ/2025/2641	BIJ/2025/0336	BIJ/2025/3506
BIJ/2025/0761	BIJ/2025/3377	BIJ/2025/2737	BIJ/2025/0871	BIJ/2025/0502
BIJ/2025/0995	BIJ/2025/3505	BIJ/2025/2813	BIJ/2025/1033	BIJ/2025/0368
BIJ/2025/1044	BIJ/2025/0040	BIJ/2025/2970	BIJ/2025/1237	BIJ/2025/0550
BIJ/2025/1134	BIJ/2025/0325	BIJ/2025/3245	BIJ/2025/1287	BIJ/2025/0802
BIJ/2025/1421	BIJ/2025/0449	BIJ/2025/3555	BIJ/2025/1374	BIJ/2025/1004
BIJ/2025/1477	BIJ/2025/1357	BIJ/2025/3570	BIJ/2025/1970	BIJ/2025/1257

(पुरूष उम्मीदवार) रिपोर्ट करने की तिथि एवं समयः 15/12/2025 (प्रातः 08.00 बजे)

BIJ/2025/1272	BIJ/2025/2631	BIJ/2025/0002	BIJ/2025/1562	BIJ/2025/3512	BIJ/2025/2365
BIJ/2025/1542	BIJ/2025/2652	BIJ/2025/0301	BIJ/2025/1790	BIJ/2025/3553	BIJ/2025/2425
BIJ/2025/2917	BIJ/2025/2801	BIJ/2025/0319	BIJ/2025/2086	BIJ/2025/2653	
BIJ/2025/2996	BIJ/2025/3038	BIJ/2025/0549	BIJ/2025/2321	BIJ/2025/0421	
BIJ/2025/0092	BIJ/2025/3093	BIJ/2025/0749	BIJ/2025/2445	BIJ/2025/0435	
BIJ/2025/1146	BIJ/2025/3323	BIJ/2025/0766	BIJ/2025/2526	BIJ/2025/0496	
BIJ/2025/1599	BIJ/2025/3333	BIJ/2025/0807	BIJ/2025/2587	BIJ/2025/0693	
BIJ/2025/2416	BIJ/2025/3420	BIJ/2025/1076	BIJ/2025/2663	BIJ/2025/1018	
BIJ/2025/2517	BIJ/2025/3439	BIJ/2025/1114	BIJ/2025/2909	BIJ/2025/1557	
BIJ/2025/2601	BIJ/2025/1432	BIJ/2025/1183	BIJ/2025/3176	BIJ/2025/1664	

पुलिस लाईन, सुकमा, छत्तीसगढ़
उम्मीदवारों की संख्या-304 — हेल्प लाईन नं. 9424156332 एवं 07864299016

रोल नम्बर

(पुरूष उम्मीदवार) रिपोर्ट करने की तिथि एवं समयः 11/12/2025 (प्रातः 08.00 बजे)

SUK/2025/1699	SUK/2025/0961	SUK/2025/1037	SUK/2025/1946	SUK/2025/1909	SUK/2025/0214
SUK/2025/0186	SUK/2025/0978	SUK/2025/1234	SUK/2025/0306	SUK/2025/0178	SUK/2025/0274
SUK/2025/1279	SUK/2025/1318	SUK/2025/1251	SUK/2025/0549	SUK/2025/0289	SUK/2025/0471
SUK/2025/1877	SUK/2025/1346	SUK/2025/1267	SUK/2025/0768	SUK/2025/0751	SUK/2025/1001
SUK/2025/0318	SUK/2025/0686	SUK/2025/1502	SUK/2025/1539	SUK/2025/1418	SUK/2025/1183
SUK/2025/0319	SUK/2025/1116	SUK/2025/1798	SUK/2025/0392	SUK/2025/0195	SUK/2025/1446
SUK/2025/0281	SUK/2025/0051	SUK/2025/0174	SUK/2025/0185	SUK/2025/1184	SUK/2025/1530
SUK/2025/1129	SUK/2025/0239	SUK/2025/0283	SUK/2025/0262	SUK/2025/0023	SUK/2025/1682
SUK/2025/1628	SUK/2025/0524	SUK/2025/1303	SUK/2025/0270	SUK/2025/0027	SUK/2025/1092
SUK/2025/1278	SUK/2025/1011	SUK/2025/0173	SUK/2025/0795	SUK/2025/0090	SUK/2025/1217

(महिला उम्मीदवार)

SUK/2025/10553	SUK/2025/10037	SUK/2025/10071	SUK/2025/10322	SUK/2025/10816
SUK/2025/10846	SUK/2025/10323	SUK/2025/10260	SUK/2025/10414	SUK/2025/10869
SUK/2025/10516	SUK/2025/10762	SUK/2025/10076	SUK/2025/10503	SUK/2025/10298
SUK/2025/10769	SUK/2025/10318	SUK/2025/10166	SUK/2025/10415	SUK/2025/10605
SUK/2025/10051	SUK/2025/10700	SUK/2025/10238	SUK/2025/10433	SUK/2025/10016

(पुरूष उम्मीदवार) रिपोर्ट करने की तिथि एवं समयः 12/12/2025 (प्रातः 08.00 बजे)

SUK/2025/1609	SUK/2025/1527	SUK/2025/0169	SUK/2025/0136	SUK/2025/0334	SUK/2025/0537
SUK/2025/1629	SUK/2025/0116	SUK/2025/0211	SUK/2025/0277	SUK/2025/0585	SUK/2025/0709
SUK/2025/0126	SUK/2025/0144	SUK/2025/1004	SUK/2025/0307	SUK/2025/0042	SUK/2025/0761
SUK/2025/0162	SUK/2025/0960	SUK/2025/1302	SUK/2025/0497	SUK/2025/0064	SUK/2025/0868
SUK/2025/0165	SUK/2025/0981	SUK/2025/0114	SUK/2025/0569	SUK/2025/0110	SUK/2025/1038
SUK/2025/0577	SUK/2025/0994	SUK/2025/0311	SUK/2025/0584	SUK/2025/0183	SUK/2025/1489
SUK/2025/0611	SUK/2025/1262	SUK/2025/0317	SUK/2025/0905	SUK/2025/0209	SUK/2025/1528
SUK/2025/0658	SUK/2025/1299	SUK/2025/0421	SUK/2025/1027	SUK/2025/0241	SUK/2025/1737
SUK/2025/1115	SUK/2025/1364	SUK/2025/0933	SUK/2025/1357	SUK/2025/0243	SUK/2025/0003
SUK/2025/1335	SUK/2025/1401	SUK/2025/0541	SUK/2025/1591	SUK/2025/0314	SUK/2025/0010
SUK/2025/1383	SUK/2025/1409	SUK/2025/1282	SUK/2025/0310	SUK/2025/0366	
SUK/2025/1411	SUK/2025/0142	SUK/2025/0048	SUK/2025/0328	SUK/2025/0429	

(महिला उम्मीदवार)

SUK/2025/10440	SUK/2025/10578	SUK/2025/10266	SUK/2025/10048	SUK/2025/10803
SUK/2025/10752	SUK/2025/10005	SUK/2025/10664	SUK/2025/10442	
SUK/2025/10012	SUK/2025/10072	SUK/2025/10305	SUK/2025/10446	
SUK/2025/10085	SUK/2025/10167	SUK/2025/10648	SUK/2025/10711	
SUK/2025/10899	SUK/2025/10219	SUK/2025/10039	SUK/2025/10783	

(पुरूष उम्मीदवार) रिपोर्ट करने की तिथि एवं समयः 13/12/2025 (प्रातः 08.00 बजे)

SUK/2025/0208	SUK/2025/1143	SUK/2025/1039	SUK/2025/1659	SUK/2025/0135	SUK/2025/1755
SUK/2025/0603	SUK/2025/1295	SUK/2025/1112	SUK/2025/1698	SUK/2025/0228	SUK/2025/0057
SUK/2025/1239	SUK/2025/1693	SUK/2025/1202	SUK/2025/1839	SUK/2025/0248	SUK/2025/0338
SUK/2025/1627	SUK/2025/1718	SUK/2025/1263	SUK/2025/1904	SUK/2025/0335	SUK/2025/0340
SUK/2025/1775	SUK/2025/1826	SUK/2025/1274	SUK/2025/0232	SUK/2025/0483	SUK/2025/0427
SUK/2025/0074	SUK/2025/0330	SUK/2025/1400	SUK/2025/0575	SUK/2025/0779	SUK/2025/0464
SUK/2025/0200	SUK/2025/1110	SUK/2025/1429	SUK/2025/0740	SUK/2025/1071	SUK/2025/0498
SUK/2025/0332	SUK/2025/1564	SUK/2025/1460	SUK/2025/0991	SUK/2025/1083	SUK/2025/0817
SUK/2025/0510	SUK/2025/0081	SUK/2025/1494	SUK/2025/1090	SUK/2025/1567	SUK/2025/0948
SUK/2025/0691	SUK/2025/0101	SUK/2025/1507	SUK/2025/1220	SUK/2025/0615	SUK/2025/0957
SUK/2025/1008	SUK/2025/0522	SUK/2025/1511	SUK/2025/1476	SUK/2025/0942	
SUK/2025/1031	SUK/2025/0621	SUK/2025/1573	SUK/2025/1850	SUK/2025/1142	

(पुरूष उम्मीदवार) रिपोर्ट करने की तिथि एवं समयः 15/12/2025 (प्रातः 08.00 बजे)

SUK/2025/0993	SUK/2025/0217	SUK/2025/1213	SUK/2025/1218	SUK/2025/0433	SUK/2025/1275
SUK/2025/1117	SUK/2025/0220	SUK/2025/1257	SUK/2025/1451	SUK/2025/0477	SUK/2025/1421
SUK/2025/1256	SUK/2025/0256	SUK/2025/1387	SUK/2025/1537	SUK/2025/0773	SUK/2025/1486
SUK/2025/0112	SUK/2025/0396	SUK/2025/1437	SUK/2025/1632	SUK/2025/0782	SUK/2025/1555
SUK/2025/1158	SUK/2025/0419	SUK/2025/1728	SUK/2025/0085	SUK/2025/0936	SUK/2025/1675
SUK/2025/1888	SUK/2025/0542	SUK/2025/1891	SUK/2025/0199	SUK/2025/0950	SUK/2025/1738
SUK/2025/0056	SUK/2025/0629	SUK/2025/0233	SUK/2025/0276	SUK/2025/0955	SUK/2025/1928
SUK/2025/0124	SUK/2025/0663	SUK/2025/0305	SUK/2025/0294	SUK/2025/1049	SUK/2025/0091
SUK/2025/0137	SUK/2025/0910	SUK/2025/0651	SUK/2025/0295	SUK/2025/1113	
SUK/2025/0204	SUK/2025/0935	SUK/2025/1016	SUK/2025/0336	SUK/2025/1186	

सूचना- (क) सभी उम्मीदवारों को अपने सभी मूल शैक्षिक, जाति, दो (02) पासपोर्ट आकार के नवीनतम फोटोग्राफ्स, जन्मतिथि आदि प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए साथ लायें। (ख) विस्तृत चिकित्सा परीक्षा (डी०एम०ई०) के दौरान चिकित्सकीय रूप से अयोग्य (अनफिट) घोषित किए गए उम्मीदवार अपील कर सकते है और समीक्षा मेडिकल बोर्ड द्वारा इसका फैसला किया जाएगा। समीक्षा चिकित्सा बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा और किसी अन्य अपील की अनुमति नहीं दी जायेगी। (ग) यह नियुक्ति का प्रस्ताव नहीं है बल्कि केवल चिकित्सा परीक्षा के लिए बुलावा (कॉल) मात्र है। (घ) उम्मीदवारों की यह सूची, योग्यता सूची नही है और कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है। (ड) यह अंतिम परिणाम नही है बल्कि केवल विस्तृत चिकित्सा परीक्षा का कार्यक्रम है। (च) अंतिम परिणाम विस्तृत चिकित्सा परीक्षा (डी०एम०ई०) में सफलता, दस्तावेजों क जाँच करने, चरित्र एवं पूर्ववृत के सत्यापन तथा उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर होगा।

रायपुर
रविवार, 30 नवंबर 2025
अगहन शुक्ल पक्ष दशमी
वर्ष : 24, अंक : 132
पृष्ठ : 14+4+4+4 = 22 मूल्य : 5.00*

मौसम
अधि. 28.0
न्यून. 13.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

3 राजामौली की फिल्म में करेंगी काम

आजकल पेज
2 नए श्रम कानून से बदलेगी तस्वीर

एयरबस ने ए320 विमान को लेकर अपने एक अपडेट से दुनियाभर में हाहाकार मचा दी। करीब 6 हजार से ज्यादा ए320 विमान में सॉफ्टवेयर अपडेट करने होंगे। भारत में करीब 313 विमानों पर असर पड़ा है। हालांकि शनिवार शाम तक आधे से ज्यादा विमानों में अपडेट पूरा हो इन विमानों को अपनी रेगुलर सर्विस से पहले इस सॉफ्टवेयर अपडेट को इंस्टॉल करना होगा। बताया जा रहा है कि एअरबस ने इस अपडेट को एक हालिया घटना के बाद जारी किया है।

थम गईं दुनिया भर में 6000 उड़ानें भारत में 400 फ्लाइट्स पर असर!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सॉफ्टवेयर अपडेट से दुनियाभर में मचा हाहाकार

ए 320 फैमिली के विमान में सोलर रेडिएशन की वजह कुछ जरूरी डेटा करप्ट हो सकता है। ये डेटा फ्लाइट के कंट्रोल से जुड़ा हुआ है। एअरबस ने माना है कि इस सॉफ्टवयेर अपडेट की वजह से दुनिया भर में फ्लाइट्स की सर्विस प्रभावित होगी। हालांकि, कंपनी का ये भी कहना है कि ये अपडेट सुरक्षा की नजर से जरूरी है। इस पूरे मामले की जानकारी 30 अक्टूबर को कैनकन से नेवार्क जा रही एक जेटब्लू फाइट से हुई। एल्टीट्यूड के ⏭शेष पेज 5 पर

इंडिगो के पास कौन-कौन से विमान: इंडिगो ए320 फैमिली के लगभग 195 एअरक्राफ्ट्स इस्तेमाल करता है। इसमें ए320 सीईओ (180 सीटर) 26 एअरक्राफ्ट हैं, जबकि ए320 नियो (180 सीटर) 23 क्राफ्ट और 155 एअरक्राफ्ट ए320 नियो (186वाय) हैं। इनमें से 163 एअरक्राफ्ट इस्तेमाल में हैं, जबकि 32 फिलहाल पार्क्ड हैं।

देश में उड़ानें प्रभावित

डीजीसीए के आंकड़ों के मुताबिक इंडिगो के 200 विमान प्रभावित हैं और इनमें से 143 पर अपग्रेड पूरा हो गया है। इसी तरह एयर इंडिया के 113 विमान प्रभावित हैं और 42 पर अपग्रेड पूरा हो गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के 25 विमान प्रभावित हैं, जिनमें से चार पर अपग्रेड पूरा हो गया है। सॉफ्टवेयर अपग्रेड करने का काम दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता स्थित एयरलाइंस के बेस पर चल रहा है।

पहले जहां दिन भर में 160 से 180 रजिस्ट्री होती थी वह अब 30 से 40 तक आकर अटक गई

रजिस्ट्री पर ब्रेक, आदेश न पहुंचने से प्रदेश के पंजीयन कार्यालय सूने पड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

वेंडरों के पास भी काम नहीं रह गया है, खाली हाथ बैठे, दिन भर में इक्का दुक्का रजिस्ट्री हुई तो बहुत

छत्तीसगढ़ में अचल संपत्तियों की सरकारी गाइडलाइन दरों में बढ़ोतरी के साथ ही बाजार में हड़कंप मच गया है। जमीन, मकानों की रजिस्ट्री में बेतहाशा वृद्धि हो चुकी है। बिलासपुर, रायपुर सहित प्रदेश में ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां सरकारी गाइडलाइन दरों में 20 प्रतिशत से लेकर 10 गुना तक की बढ़ोतरी की गई है। इसी कारण रजिस्ट्री विभाग में सूनापन सा है। दिन भर में पहले जहां 160 से 180 रजिस्ट्री होती थी वह अब 30 से 40 तक आकर अटक गई है। वेंडरों के पास भी काम नहीं रह गया है और खाली हाथ बैठे हैं। दिन भर में इक्का दुक्का रजिस्ट्री हुई भी तो बहुत है। अधिकारियों का कहना है ⏭शेष पेज 5 पर

नई गाइडलाइन दरों का असर

- जमीन, मकान, लैट की खरीदी में पहले से ज्यादा टैक्स
- सरकारी गाइडलाइन रेट बढ़ने से पहले के मुकाबले बैंकों से ज्यादा फाइनेंस हो सकेगा
- रियल एस्टेट डवलपर्स पर कैपिटल गेन का बोझ बढ़ेगा
- भारतमाला 6 लेन सडक निर्माण प्रोजेक्ट के आस-पास के क्षेत्रों में कीमतें बढ़ाई गई

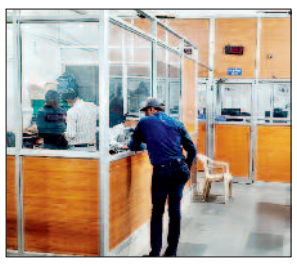

इसका असर सीधे आम आदमी पर हो रहा

प्रदेश में ऐसे भी क्षेत्र हैं, जहां सरकार ने सरकारी गाइडलाइन दरों में रिकार्ड वृद्धि की गई है। गाइडलाइन दरों में बढ़ोतरी के बाद जहां सरकार ने राजस्व में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की उमीद जताई है, वहीं रियल एस्टेट सेक्टर को महंगाई का डर सता रहा है।

गाइडलाइन दरों में 10 गुणा तक वृद्धि

जमीनों की खरीदी बिक्री और पंजीयन पर थोड़ी कमी उसी समय से आ गई है जब से छोटे भूखंडों पर रोक लगी है। नई गाइडलाइन के बाद भी फिलहाल तो रजिस्ट्री कम ही हो रही है।
-नागेंद्र पटेल, उप पंजीयक

इस तरह हुई बढ़ोत्तरी

क्षेत्रफल	पहले रजिस्ट्री	अब रजिस्ट्री
1000 वर्गफीट	52500	525000 रुपए
1200 वर्गफीट	63000	630000 रुपए
1500 वर्गफीट	78500	785000 रुपए
2000 वर्गफीट	1.05 लाख	1050000 रुपए
2500 वर्गफीट	1.21 लाख	1210000 रुपए

(नोट-सरकारी गाइडलाइन दर पहले 500 रुपए प्रति वर्गफीट होने की स्थिति में, 10 गुना वृद्धि पर अब 5000 रुपए प्रति वर्गफीट)

एक ही जमीन की दो अलग-अलग दर

रियल स्टेट बिजनेसमैन पुरषोत्तम राजपूत के मुताबिक पहले नगरीय क्षेत्र (नगर निगम/नगर पालिका/नगर पंचायत) में जमीन की कीमत एक ही तरीके से निकाली जाती थी। लेकिन अब एक ही जमीन को दो हिस्सों में बांटकर दो अलग-अलग दरों से मूल्यांकन किया जा रहा है। इससे जमीन का कुल मूल्य बहुत ज्यादा बढ़ गया, लगभग 7 गुना से 9 गुना तक। यानी जो जमीन 10 लाख थी, उसकी कीमत 70 लाख तक हो चुकी है। जहां रजिस्ट्रेशन शुल्क 70 हजार लगता वो 7 लाख लगेगा। इसके साथ ही 15 हजार वर्गफीट की रजिस्ट्री का दायरा वर्गमीटर में तय कर दिया गया है। इसके बाद की रजिस्ट्री हेक्टेयर दरों में होगी। इससे बड़े भू-भाग की रजिस्ट्री महंगी हो गई है।

ओएचई की चपेट में आए दो कर्मचारी एक की मौत, एसएसई सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

दुर्घटना राहत वैन को पेंट करने के दौरान ओएचई की चपेट में दो कर्मचारी बुरी तरह से झुलस गए।

- कोरबा रेलवे स्टेशन की घटना

इसमें एक कर्मचारी की उपचार के दौरान मौत हो गई। बिलासपुर रेल मंडल के उच्चाधिकारियों ने प्रथम दृष्टया जांच के दौरान सीएंडडब्लू के एसएसई को सस्पेंड करने के बाद मंडल स्तरीय अधिकारियों की टीम गठित कर दी है, जो अपनी रिपोर्ट एक दो दिन में पेश कर देगी।

घटना बिलासपुर रेल मंडल के कोरबा रेलवे स्टेशन की है। यहां

रेलवे के सीएंडडब्लू विभाग की ओर से राहत वैन को पेंट कराने का काम पिछले एक सप्ताह से किया जा रहा था। विभाग की ओर से लोकल पेटी ठेकेदार टिंका को काम दिया गया है। ठेकेदार टिंका ने स्टेशन के पास बस्ती में रहने वाले श्यामलाल चौहान और प्रेमकुमार को यह काम सौंपा था। दोनों काम करने वाले कर्मचारी चाचा-भतीजा थे।

4.20 बजे चालू की गई सप्लाई

इलेक्ट्रोक्यूशन की घटना के संबंध में संयुक्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए जानकारी दी गई कि घटना दिनांक को सुबह 10.10 बजे एसएसई ओएचई ने एसएसई सीएंडडब्लू के अनुरोध पर एआरटी पेंटिंग कार्य के लिए ओएचई ब्लाक किया, जिसमें आईसोलेशन का संचालन शाम 5 बजे तक किया जाना था। पेंटिंग कार्य 4 बजे पूरा होने के बाद एसएसई सीएंडडब्लू ने एसएसई ओएचई को 4.10 बजे ओएचई ब्लाक रद्द करने हेतु लिखित में अवगत कराया। इसके बाद ओएचई ब्लाक रद्द कर 4.20 बजे चार्ज किया गया।

10 दिन की हिरासत में तीन डॉक्टर और मौलवी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लाल किला विस्फोट

दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सभी चार आरोपियों मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागय को प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने चारों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी

मॉड्यूल से जुड़े हैं। एनआईए ने एक बयान में कहा, एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है। इस बर्बर हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है।

उत्तराखंड स्थित लबासना के 100वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

हमने मारे आतंकी लेकिन पड़ोसी के दुर्व्यवहार से सीमा पर असामान्य हालात कायमः राजनाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर को करीब सात महीने का समय बीत चुका है। लेकिन आज तक भारत का सिखाया हुआ ये करारा सबक पाकिस्तान ने ठीक से सीखा नहीं है और सीमा पर भी उसका दुर्व्यवहार जारी है। जिसके चलते दोनों देशों के बीच सीमाओं पर हालात सामान्य नहीं हुए हैं। जी हां, ये कहना है रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का। उत्तराखंड स्थित लाल-बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (लबासना) के 100 वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के समापन समारोह को शनिवार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 से 10 मई तक की गई भारत की सैन्य ⏭शेष पेज 5 पर

देखने को मिला नागरिक सैन्य समन्वय

रक्षा मंत्री ने कहा कि ये सैन्य अभियान नागरिक और सैन्य समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। जिसमें प्रशासनिक मशीनरी ने जनता का विश्वास जीतने के लिए सशस्त्र बलों के साथ मिलकर सूचनाओं का संचार किया।

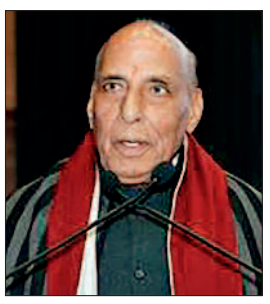

महिलाओं की प्रगति को सराहा

सिविल सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती प्रगति को लेकर रक्षा मंत्री ने कहा, नवीनतम यूपीएससी परीक्षा में एक महिला ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। जबकि शीर्ष पांच उम्मीदवारों में तीन महिलाएं थीं।

यूं विकसित बनेगा भारत

राजनाथ के मुताबिक, वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना चाहिए। आत्मनिर्भरता और विकसित भारत से जुड़े इस लक्ष्य को गति प्रदान करने में नागरिक सेवकों की अहम भूमिका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन, सुधार-प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र का उल्लेख करते हुए 2014 से चल रही आर्थिक प्रगति के बारे में युवा जन सेवकों को सूचित किया।

नवाचार केंद्रित हो समाधान

प्रौद्योगिकी-संचालित युग में नवोन्मेषी ढंग से कार्य करने और लोगों की समस्याओं का समाधान खोजने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि प्रौद्योगिकी वर्तमान में एक सक्षम कर्ता की भूमिका निभा रही है। लेकिन वह एक माध्यम होनी चाहिए, साध्य नहीं। अधिकारियों को जनता तक पहुंच और पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए।

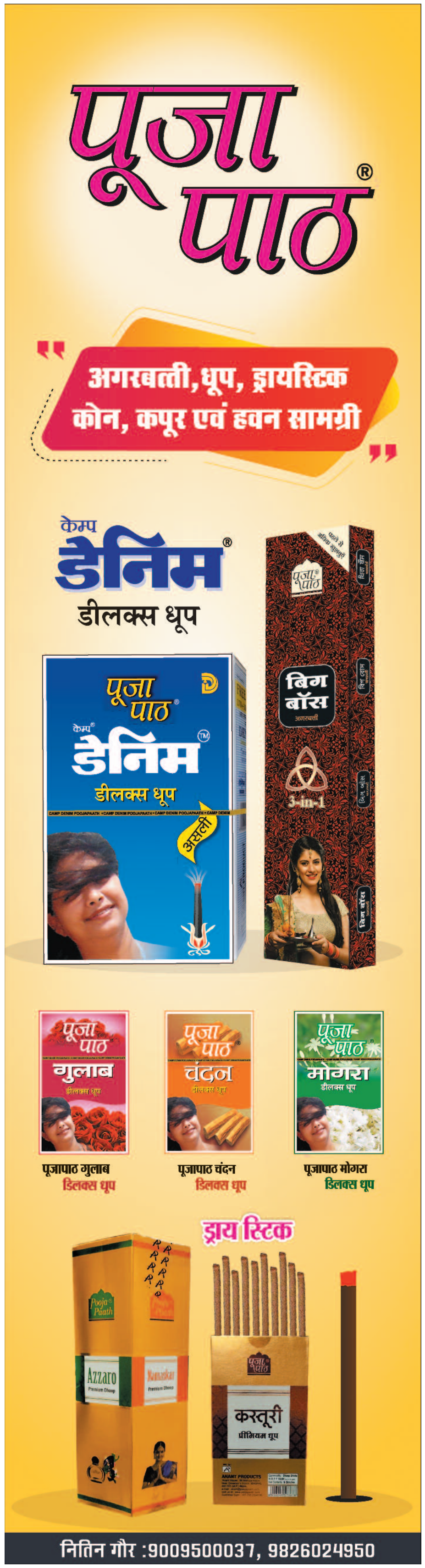

भारत में चार नए श्रम कानूनों को लागू कर दिया गया है, जिसके तहत कई बड़े बदलाव हुए हैं। इन चार संहिताओं में 'कोड ऑन वेजेज 2019', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020', 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020' और 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020' शामिल हैं। श्रम सुधारों का यह नया ढांचा भारत के आर्थिक, डिजिटल और औद्योगिक भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला मॉडल है। यह सुधार न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान है बल्कि आने वाले दशकों में रोजगार परिदृश्य को स्थिरता, पारदर्शिता और सशक्तिकरण की नई दिशा देगा। नए कानूनों के लागू हो जाने से भारतवर्ष की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक स्पर्धा में वृद्धि की पूर्ण संभावना दिखाई पड़ रही है। कह सकते हैं कि देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। आत्मनिर्भर भारत को मजबूत आधार प्रदान करने में नए चार श्रम कोड कारगर भूमिका अदा करेंगे, ऐसी उम्मीद जताई जा रही है। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

नए श्रम कानूनों से बदलेगी तस्वीर

विश्लेषण

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

सालों से इंतजार किए जा रहे चार नए श्रम कानूनों को बीती 21 नवंबर को लागू कर दिया गया है, जिसके तहत कई बड़े बदलाव हुए हैं। इन चार संहिताओं में 'कोड ऑन वेजेज 2019', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020', 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020' और 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020' शामिल हैं। 29 श्रम कानूनों को खत्म करके चार नए कानून पेश किए गए हैं, जो सभी तरह के कर्मचारियों को कवर करते हैं। इस कानून के तहत सैलरी, अनिवार्य नियुक्ति पत्र, सामाजिक सुरक्षा, ग्रेच्युटी और समान काम की समान सैलरी आदि जैसे बदलाव हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि नए श्रम कानून लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नए दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम कानून मसलन वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। दावा किया जा रहा है कि इससे अनुपालन सरल बनेगा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा और ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। केंद्र सरकार की इस कदम से कर्मचारियों को समय पर वेतन, औपचारिक नियुक्ति पत्र देने, न्यूनतम वेतन की गारंटी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच का वादा किया गया है।

इसमें दो राय नहीं कि नए श्रम कानून लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नए दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम कानून मसलन वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। दावा किया जा रहा है कि ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

सैलरी का दायरा बढ़ेगा

नए कानूनों के तहत कर्मचारियों को समय पर सैलरी दी जाएगी। देशभर में मिनिमम सैलरी का दायरा बढ़ेगा यानी कि बाकी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी इसके अंतर्गत लाया जाएगा, ताकि कोई भी सैलरी इतनी कम नहीं हो कि कर्मचारियों का जीवन-यापन कठिन हो। नए कानून के तहत अब ग्रेच्युटी पाने के लिए 5 साल का इंतजार नहीं करना होगा, बल्कि 1 साल की सर्विस पर ही ग्रेच्युटी दी जाएगी। यह ग्रेच्युटी फिक्स्ड-टर्म कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स को भी मिलेगी। इन कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों के बराबर ही सभी फायदे जैसे छुट्टी, चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा भी दी जाएंगी। नए कानून के तहत एक और बड़ा बदलाव यह है कि सभी संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देने का किया गया है। इसके अलावा गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स ओर एग्रीगेटर्स को इन कानूनों के तहत पहली बार डिफाइन किया गया है। इन्हें भी आधार-लिंक्ड यूनिवर्सल अकाउंट नंबर से वेलफेयर बेनिफिट्स दिया जाएगा, जिसमें पीएफ से लेकर पेंशन तक का लाभ शामिल होगा। 40 साल से ज्यादा उम्र के कर्मचारियों को सालाना फ्री हेल्थ चेकअप दिया जाएगा। केंद्र सरकार मजदूरों की बेहतर सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय मानदंड बनाएगी।

महिला कर्मियों का हित

नए कानूनों के तहत महिलाएं सभी जगहों पर काम कर सकती हैं, जिसमें अंडरग्राउंड माइनिंग, भारी मशीनरी और खतरनाक काम शामिल हैं, जिससे सभी के लिए रोजगार के समान अवसर सुनिश्चित होंगे। हर साइट पर ऑन-साइट सेफ्टी मॉनिटरिंग के लिए जरूरी सेफ्टी कमेटी और खतरनाक रसायनों की सुरक्षित हैंडलिंग पक्का करना है। वहीं फिक्स्ड-टर्म एम्प्लॉई (एफटीई) से रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी और सामाजिक सुरक्षा, स्थायी कर्मचारी के बराबर फायदे जैसे कानूनी सुरक्षा पक्की होगी। कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों को समाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी। महिला-पुरूष भेदभाव कानूनी तौर पर नकार दिया गया है। महिला हो या पुरुष समान काम के लिए समान वेतन मिलेगा। महिलाओं को नाइट शिफ्ट में भी काम करने का अधिकार होगा। सभी कामगारों के लिए मिनिमम सैलरी की गारंटी होगी। सभी तरह के कर्मचारियों को ऑफर लेटर देना होगा, जिससे सामाजिक सुरक्षा, रोजगार विवरण और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। छुट्टी के दौरान मजदूरी देना अनिवार्य किया गया है। मजदूरों को केंद्र सरकार की ओर से तय की गई फ्लोर वेज के हिसाब से वेतन दिया जाएगा।

ग्रेच्युटी व प्रोविडेंट फंड बेहतर

सभी प्रवासी कामगारों (डायरेक्ट, कॉन्ट्रैक्टर-बेस्ड और खुद माइग्रेटेड) को बराबर वेतन, वेलफेयर बेनिफिट और पीडीएस पोर्टेबिलिटी का लाभ दिया जाएगा। कामगार 3 साल तक लंबित बकाय के निपटारे के लिए दावा कर सकते हैं। सभी डॉक वर्कर्स के लिए प्रोविडेंट फंड, पेंशन और बीमा के लाभ तय कर दिया गया है, चाहे कॉन्ट्रैक्ट वर्कर हैं या अस्थायी कर्मचारी। जानकारों के मुताबिक नए लेबर कोड्स 'कोड ऑन वेजेज' और 'सोशल सिक्योरिटी' के तहत 'वेजेज' (सैलरी) की परिभाषा को एक जैसा बनाते हैं। इससे ग्रेच्युटी और प्रोविडेंट फंड बेहतर होगा, लेकिन अगर कंपनियां खर्च कम करने के लिए अलाउंस घटाती हैं, तो हाथ में आने वाली सैलरी कम हो सकती है। श्रम क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, अब 'वेजेज' में बेसिक पे, डियरनेस अलाउंस यानी डीए और रिटेनिंग अलाउंस यानी आरए शामिल होंगे। कुल कमाई का 50 प्रतिशत (या सरकार द्वारा तय की गई कोई और प्रतिशत राशि) 'वेजेज' में जोड़ा जाएगा। इससे ग्रेच्युटी, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा लाभों की गणना में एकरूपता आएगी। पहले कंपनियां बेसिक सैलरी कम रखकर बाकी पैसा अलग-अलग भत्तों के रूप में दे देती थीं। इससे पीएफ और ग्रेच्युटी में उनका योगदान कम होता था। लेकिन अब सरकार ने नियम बना दिया है कि आपकी कुल सैलरी यानी सीटीसी का कम से कम आधा हिस्सा बेसिक सैलरी होना चाहिए। इससे आपकी रिटायरमेंट सेविंग्स तो बढ़ेंगी, लेकिन हर महीने हाथ में आने वाले पैसे थोड़े कम हो सकते हैं। यह एक तरह से आपकी भविष्य की सुरक्षा के लिए अच्छा कदम है, भले ही अभी थोड़ा जेब पर भारी पड़े। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रम सुधारों के कई प्रावधान, लंबे समय से अपेक्षित प्रगति का संकेत देते हैं।

जमीनी स्तर पर हो बदलाव

सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक वैधानिक अधिकार, अनिवार्य लिखित नौकरी अनुबंध, निश्चित अवधि के कर्मचारियों के लिये बेहतर ग्रेच्युटी तक पहुंच और स्वास्थ्य व सुरक्षा पर स्पष्ट मानदंड, औपचारिक प्रावधानों और पारदर्शिता की दिशा में बदलाव को रेखांकित करते हैं। निश्चित रूप से सामाजिक-सुरक्षा ढांचे के भीतर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को मान्यता देना शायद सबसे बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन माना जा सकता है। निश्चय ही, ये देश के लाखों कामगारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है। लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

नए श्रम कानून : श्रमिक जीवन का नया सूर्योदय

उम्मीद

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा

स्वतंत्र पत्रकार

श्रमिक कल्याण की प्रतिबद्धता से जुड़े नए श्रम कानून के लागू हो जाने के बाद से शोषण की कूटनीति को समाप्त करने का मार्ग खोला जा सकेगा। पुराने कानूनों में राजनीतिक उद्देश्यों को साधने के लिए किए जाने वाले घेराव के साथ तालाबंदी जैसी औद्योगिक गतिविधियों को भी रोका जा सकेगा। 'श्रमेव जयते' जैसे सार्थक शब्द का आह्वान श्रम के क्षेत्र में विकास यात्रा के मार्ग को सुगम बनाते हुए श्रम की गरिमा और श्रमिकों के सम्मान का प्रतीक बनकर जरूर उभरेगा। आजाद हिंदुस्तान में अब तक जो श्रम कानून चल रहे थे, वे आजादी से पूर्व 1920 और आजादी के तुरंत बाद 1950 में लागू किए गए थे। कहीं न कहीं अंग्रेजों की सोच कानून में घुली हुई थी। 105 वर्षों की लंबी यात्रा में समय-काल-परिवर्तन के अनुसार युगकालीन परिवर्तन स्पष्ट दिखाई पड़ रहे थे। तब समय की जरूरत के हिसाब से कानून में परिवर्तन करना एक अच्छी सोच कही जा सकती है। अलग-अलग टुकड़ों में बंटे 29 श्रम कानूनों को चार मुख्य कोड में समेटना कहीं न कहीं पेचीदे कानून को सरल बनाने की दिशा में एक अच्छा निर्णय माना जाना चाहिए। वर्तमान केंद्रीय सरकार की यह सोच कि निजी क्षेत्रों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को सम्मानित जीवन मिले। अनुकूल कार्य क्षेत्र की प्राप्ति हो। समान वेतन का हक मिले, निम्न तबके को कल्याणकारी योजना की ओर अग्रसर करता है। नए श्रम कानून का सबसे ज्यादा लाभ प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने जा रहा है। इन कानूनों के चलते अब जहां शोषण से मुक्ति मिलेगी, वहीं वेतन की नियमितता श्रमिकों को खुशियों का उपहार देती दिखेगी। नए नियमों के अनुसार अब नियोक्ता को किसी भी परिस्थिति में अपने कर्मचारियों को प्रत्येक माह की 7 तारीख तक वेतन का भुगतान करना होगा। सबसे बड़ा लाभ सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली ग्रेच्युटी के रूप में होगा। पुराने कानून जहां कम से कम पांच वर्ष के सेवाकाल के बाद ही ग्रेच्युटी भुगतान की जंजीरों में जकड़ दिए गए थे, वहीं अब नए कानून के तहत हर वह कर्मचारी जिसने एक वर्ष की निरंतर सेवा पूर्ण कर ली है, ग्रेच्युटी का हकदार होगा। हमारा पुराना श्रम कानून जहां महिला और पुरुषों के वेतन की विसंगति से जूझ रहा था, अब महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर वेतन का अधिकार प्रदान कर रहा है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो जेंडर आधारित भेदभाव को नए कानून ने कचरे के डिब्बे में डाल दिया है। चार नए श्रम कोड के चलते प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों का जीवन सम्मानित और सुनियोजित तरीके से सांस ले पाएगा। नए कानून को कार्यरूप देने के पीछे जो उद्देश्य नजर आ रहे हैं, वे कर्मचारियों को लाभान्वित करने के साथ ही कार्यक्षेत्र में किए जाने वाले शोषण को समाप्त करने वाले हैं। साथ ही इन कानूनों में सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा नियोक्ताओं को उनके कर्तव्यों की याद दिलाने वाला होगा। आत्मनिर्भर भारतवर्ष के स्वप्न को साकार करने के लिए ही शायद सरकार के द्वारा 29 श्रम कानूनों को चार कानून में समेटा गया है। देश में 2025 नवंबर माह के तीसरे सप्ताह से प्रभावशील चार श्रम कानून कोड वेतन संहिता 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, तथा ओएसएच और कार्य शर्तें संहिता के रूप में लागू किए जा चुके हैं। जैसा कि वेतन संहिता के नाम से ही विदित होता है कि यह कोड कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन के साथ समय पर वेतन देने की मजबूत व्यवस्था के लिए बनाया गया है। सामाजिक सुरक्षा संहिता कर्मचारियों को सेवा निवृत्ति के बाद सम्मानित जीवन यापन के क्षेत्र में पीएफ, ईएसआईसी, ग्रेच्युटी और बीमा जैसे लाभों का आवरण प्रदान करेगी। इसी तरह औद्योगिक संबंध संहिता कर्मचारियों की नियुक्ति, उनकी अनावश्यक छंटनी सहित अन्य सुविधाएं प्रदान करने वाली होगी। सबसे अहम चौथे कोड में काम के दौरान सुरक्षा और कार्यक्षेत्र को अनुकूल वातावरण प्रदान करने से संबंधित नियमों से बंधा होगा। संक्षिप्त में कहें तो नए कानूनों के जरिए सरकार ने कानून के सरलीकरण का शानदार प्रयास किया है। इन कानूनों के तहत गिग वर्कर अर्थात ऐसे कर्मचारी जो स्थाई नहीं हैं, बल्कि अस्थाई रूप से काम पर रखे जाते हैं, उन्हें भी कानून के दायरे में लाया गया है। नए कानूनों के लागू हो जाने से भारतवर्ष की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक स्पर्धा में वृद्धि की पूर्ण संभावना दिखाई पड़ रही है। आत्मनिर्भर भारत को मजबूत आधार प्रदान करने में नए चार श्रम कोड कारगर भूमिका अदा करेंगे।

नए श्रम कानून का सबसे ज्यादा लाभ प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने जा रहा है। इनके चलते अब जहां शोषण से मुक्ति मिलेगी, वहीं वेतन की नियमितता श्रमिकों को खुशियों का उपहार देती दिखेगी।

श्रम संसार की तस्वीर बदलने वाली गारंटी

राष्ट्र-चिंतन

आचार्य श्रीहरि

स्वतंत्र पत्रकार

श्रमेव जयते। श्रम की प्रधानता और समृद्धि के बिना जीवंत राष्ट्र की परिकल्पना नहीं हो सकती है। श्रम की कसौटी पर निर्माण और विकास की परिकल्पना बनती है। इसलिए श्रम की महत्ता और अनिवार्यता को अस्वीकार करना मुश्किल है। इनकी उपेक्षा और इन पर उदासीनता अस्वीकार है। सरकार की ही नहीं, बल्कि नियोक्ता और सेवा प्रदाताओं की जिम्मेदारी भी स्वस्थ और समृद्ध श्रम संसाद की बनती है। यह अच्छी और स्वागतपूर्ण कदम है कि नरेन्द्र मोदी ने मजदूरों की तस्वीर बदलने की गारंटी दी है, उनकी आजीविका के अधिकार को सशक्त बनाया है। उनके होने वाले शोषण और उत्पीड़न पर रोक लगाने की व्यवस्था की है और भेदभाव की नीतियों को समाप्त करने की घोषणा की है, यानी कि श्रमेव जयते। इस निमित नरेन्द्र मोदी की सरकार ने चार नए श्रम संहिताओं की घोषणा की है। इन श्रम संहिताओं की घोषणा से लगभग 30 साल के श्रम काले कानूनों को समाप्त कर दिया गया है, जो काफी समय से प्रस्तावित और प्रत्याशित थे। चार नये श्रम संहिताओं को इस प्रकार से जानिये। पहला वेज कोड 2019, इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020 सोशल सिक्योरिटी कोड 2020 और ऑक्यूपेशनल सेल्फी हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020 में परिवर्तन कर दिया गया है। इससे मजदूरों के वेतन और सुरक्षा अधिकारों में बहुत ज्यादा परिवर्तन होगा और लाभकारी भी होगा। नए श्रम संहिताओं में मजदूरों के सभी प्रकार के अधिकारों और कल्याण की भावनाओं को निहित किया गया है। औद्योगिकीकरण और कारपोरेटिवकरण तथा रोजगार और श्रम के नये आयामों के उद्भव और विकास के कारण मजदूरों के सामने विकट समस्या उत्पन्न हो गयी थी, निवेशकों के सामने भी बहुत बडी समस्या थी, पूर्व की श्रम संहिताएं अस्पष्ट थी और विसंगतियों से भरी पड़ी थी, नियोक्ता और श्रमिकों के बीच अविश्वास उत्पन्न करती थी, अधिकारों को लेकर संहिताएं स्पष्ट भी नहीं थी। न्यूनतम वेतनमान में हीलाहवाली थी, असमानता थी और शोषण युक्त था। नयी आर्थिक नीतियों के लागू होने से सर्वाधिक शोषण के शिकार मजदूर थे और उनके हित हाशिये पर थे, उनके आंदोलन करने के अधिकार और कर्तव्य पर नियोक्ता, पुलिस और प्रशासन की टेढी नजर रहने लगी थी। भारत की ये श्रम संहिताएं विश्व की अन्य संहिताओं के अनुपात में कितनी लाभकारी हैं, कितनी सहयोगी हैं और कितनी कल्याणकारी हैं? नई श्रमिक संहिताएं श्रमिकों के कल्याण और उनकी सुरक्षा के लिए बेमिसाल तो हैं पर नियोक्ताओं और सेवादाता कंपनियों के बीच भी श्रम कानूनों को लेकर विश्वास उत्पन्न करने की आवश्यकता है। उम्मीद है कि नरेन्द्र मोदी सरकार श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच विश्वास और संतुलन बनाने की भूमिका निभाएगी।

इन श्रम संहिताओं की घोषणा से लगभग 30 साल के श्रम काले कानूनों को समाप्त कर दिया गया है, जो काफी समय से प्रस्तावित और प्रत्याशित थे।

भारत में नए लेबर कोड : श्रमिक अधिकारों का नया अध्याय

रणनीति

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

केंद्र सरकार ने 21 नवंबर 2025 शुक्रवार को कार्य परिस्थितियों में बड़े बदलाव का कदम उठाते हुए देश में नई श्रम संहिता (लेबर कोड) लागू कर दी। यह वाकई काबिले-तारीफ है कि निजी एवं असंगठित क्षेत्र के करोड़ों कामगारों के लिए उपयोगी इस नए लेवर कोड में अनिवार्य नियुक्ति-पत्र, न्यूनतम और समय पर वेतन की गारंटी और एक साल में ही ग्रेच्युटी भुगतान की व्यवस्था की गई है, वहीं सामाजिक सुरक्षा का ध्यान रखते हुए ईएसआइसी सुविधा और 40 साल की सेवा के बाद अनिवार्य स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। बता दें कि ईएसआईसी भारत सरकार की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवारों को बीमारी, दुर्घटना, मातृत्व और रोजगार से जुड़ी अन्य आपात स्थितियों में आर्थिक तथा चिकित्सीय सुरक्षा प्रदान करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के बाद इसे सबसे बड़ा रिफॉर्म बताया है। उन्होंने कहा है कि यह कृषकों को मजबूत बनाने वाला है। इनसे एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार होगा, जो भविष्य में कामगारों के हकों की रक्षा करेगा और भारत की आर्थिक वृद्धि को नई शक्ति देगा, साथ ही विकसित भारत की यात्रा को भी तेज गति मिलेगी।' कितनी अच्छी बात है कि नए लेबर कोड में महिलाओं के लिए खास सुविधाएं जोड़ी गई हैं, वहीं खतरनाक व जोखिम वाले उद्योगों, गिग वर्कर्स और आइटी क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों के लिए भी विशेष उपाय किए गए हैं। आज के समय में ओला-उबर के ड्राइवर, स्विगी-जोमैटो, ब्लिंकिट ,अमेजन के डिलीवरी पार्टनर, फ्रीलांसर (कंटेंट राइटर, ग्राफिक डिज़ाइनर, वीडियो एडिटर, वेब डेवलपर, डिजिटल मार्केटर आदि), डिज़ाइनर, या अर्बन कंपनी जैसी सर्विस देने वाले लोग गिग वर्कर्स के रूप में जाने जाते हैं। यह काम लचीला होता है, इसलिए लोग अपनी सुविधा अनुसार समय तय कर सकते हैं, लेकिन इसकी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसमें स्थायी नौकरी जैसे लाभ जैसे पीएफ, पेंशन, मेडिकल सुरक्षा अक्सर नहीं मिलते। यही कारण है कि गिग वर्कर्स को असंगठित क्षेत्र का हिस्सा माना जाता है।

यदि पारदर्शिता से काम हो तो यह कोड अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सच तो यह है कि गिग वर्कर्स, खनन श्रमिकों और टैक्सटाइल श्रमिकों के लिए नए लेबर कोड में विशेष इंतज़ाम किए गए हैं,जो सराहनीय हैं। वास्तव में अब गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित सभी श्रमिकों को पीएफ, ईएसआइसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिल सकेंगे। इतना ही नहीं, खनन श्रमिकों के क्रम में आवागमन दुर्घटना पर मुआवजा, खान में सुरक्षा व स्वास्थ्य मानकों का ध्यान, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ ही साथ काम के घंटों की सीमा प्रतिदिन 8 से 12 घंटे, तथा प्रति सप्ताह 48 घंटे तय की गई है। टैक्सटाइल श्रमिकों के लिए भी प्रावधान किए गए हैं। मसलन, ठेकेदार कर्मियों को समान वेतन, कल्याणकारी लाभ, बकाया निपटान के लिए तीन साल की अवधि, तथा ओवरटाइम पर दोगुना भुगतान जैसी व्यवस्थाएं नये लेबर कोड में की गईं हैं। नए लेबर कोड में महिलाओं के लिए खास सुविधाओं में क्रमशः लिंग भेद निषेध, समान कार्य के लिए समान वेतन, महिलाओं को सहमति व जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ रात्रि पाली में तथा सभी प्रकार के काम की अनुमति, शिकायत निवारण समितियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व जरूरी, महिला कर्मचारी के परिवार की परिभाषा में सास-ससुर को शामिल करना, 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश, क्रैच व वर्क फ्रॉम होम की सुविधा के साथ ही साथ 3500 रुपये का मेडिकल बोनस दिए जाने की व्यवस्थाएं भी की गईं हैं। वास्तव में लेबर कोड में विभिन्न सुधारों से कामगारों को निश्चित ही लाभ हो सकेगा। कुल मिलाकर, श्रमिकों की स्थिति सुधारने के लिए नए लेबर कोड की आवश्यकता महसूस की गई। अब नए लेबर कोड से श्रमिकों के दिन बदलेंगे। हालांकि, इनकी सफलता प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। यदि सरकार और उद्योग पारदर्शिता से काम करें तो यह कोड भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

रोजगार, सुरक्षा और सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक पहल

श्रम कानून

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

एक लंबे इंतजार के बाद देश के श्रम कानूनों में बदलाव किया गया है, जो कई तरह से ऐतिहासिक है। इसकी मांग दशकों से की जा रही थी। पुराने 29 श्रम कानूनों को अब इतिहास बनाते हुए उनकी जगह 21 नवंबर से देश में चार नए श्रम कोड लागू हो गए हैं। इसे श्रम सुधारों में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

ये कोड हैं- वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल स्थिति संहिता 2020। इनका मकसद कामगारों को सुरक्षित काम, समय पर वेतन और सामाजिक सुरक्षा देना है। संसद ने ये चार लेबर कोड लगभग पांच साल पहले पारित कर दिए थे। लेकिन इन्हें अब जाकर लागू किया गया है। अब पूरे देश में संगठित और असंगठित क्षेत्रों के लिए श्रम कानून एक जैसे होंगे। इन संहिताओं का सबसे बड़ा उद्देश्य श्रमिकों के कल्याण को मजबूत बनाना, उद्योगों को सुगम कार्य-परिस्थिति देना, डिजिटल कार्य संस्कृति को औपचारिक मान्यता देना और गिग-प्लेटफॉर्म वर्कर्स जैसे उभरते श्रमिक वर्ग को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। इससे भारत की उत्पादन क्षमता, रोजगार गुणवत्ता, औद्योगिक सामंजस्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होगी। बहरहाल, इन कानूनों को लागू करते हुए केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। ऐसा मानना है कि ये बदलाव देश में रोजगार और औद्योगिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। नए श्रम कानूनों से देश के करीब 40 करोड़ कामगारों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज भी मिलेगी।

पहले देश में लागू श्रम कानून 1930-1950 के बीच के बनाए गए थे। उन कानूनों में श्रमिकों के आर्थिक हितों का ध्यान नहीं रखा गया था। लेकिन नए कानून इन बातों को ध्यान में रखा गया है। हालांकि, कई मजदूर संगठनों का आरोप है कि ये कोड कंपनी मालिकों को पहले से कहीं अधिक अधिकार देते हैं। खासकर छोटी और असंगठित कंपनियों में कामगारों का शोषण बढ़ेगा। दावा किया जा रहा है कि यह अद्भुत संतुलन वाला कानून है, जिससे मजदूरों और कर्मचारियों को भी फायदा होगा तो उद्योग समूहों को भी लाभ होगा। सवाल है कि जब दोनों के लिए फायदे वाला कानून है तो इसे लागू करने में सरकार को छह साल क्यों लग गए? दूसरा सवाल यह है कि अगर ये कानून मजदूरों के हित में हैं तो देश के ज्यादातर बड़े मजदूर संगठन इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? असल में संसद में पास करने से लेकर इनके नियम बना कर इन्हें लागू करने तक जब भी इन कानूनों की बात होती है तो दावा किया जाता है कि इनसे मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी, स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा मिलेगी, समय पर उचित वेतन मिलेगा तो दूसरी ओर कंपनियों को एक ऐसा सरल ढांचा मिलेगा, जिसके अनुपालन में उनको कोई समस्या नहीं आएगी। लेकिन यह सिर्फ सदिच्छा है। वास्तव में इसका कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा। लेकिन एक बात साफ है कि मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को सीमित कर दिया गया है। नए कानून में प्रावधान है कि हड़ताल से 60 दिन यानी दो महीने पहले नोटिस देना होगा।

वास्तव में श्रम कानून का कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा, लेकिन एक बात साफ है कि मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को सीमित कर दिया गया है।

अगर कर्मचारी या मजदूर अपनी किसी समस्या के लिए तत्काल विरोध प्रदर्शन या हड़ताल नहीं कर पाएंगे तो उनकी समस्या को निराकरण कैसे होगा? वहीं सामाजिक सुरक्षा वाले तीसरे कानून में गिग वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड की बात कही गई है। लेकिन यह फंड कैसे बनेगा? कंपनियां कितना योगदान करेंगी और मजदूरों को उसका लाभ कैसे मिलेगा, इस बारे में बहुत स्पष्टता नहीं है। इसी तरह व्यावसायिक सुरक्षा वाले चौथे कानून में रोज के काम के घंटे का विस्तार 12 घंटे तक कर दिया है। असल में नए श्रम कानून जैसा कि हमेशा होता है उद्योग समूहों और निवेशकों के हितों को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। इनका मकसद ज्यादा से ज्यादा निवेश आकर्षित करना और उद्योग समूहों का विस्तार करना है। सभी सरकारें मानती रही हैं कि उद्योगों का विकास होगा, निवेश बढ़ेगा तो रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और संपन्नता आएगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर कानून शोषण और गैर बराबरी को बढ़ाता है। ये कानून भी अपवाद नहीं हैं। इनमें भी फिक्स्ड टर्म नौकरी पर जोर दिया गया है, जिसका मतलब है कि स्थायी नौकरियां कम होंगी और ठेके पर काम ज्यादा उपलब्ध होगा। इससे सामाजिक सुरक्षा बढ़ेगी नहीं कम होगी। इसी तरह कंपनियां नियमों का कैसे अनुपालन करती हैं उसकी जांच और निगरानी की व्यवस्था कमजोर कर दी गई है। कुछ पहलुओं को छोड़ दिया जाए तो नई श्रम संहिताएं आवश्यक संतुलन साधने में सफल दिखती हैं। ये बदलाव सिर्फ आज के कामगारों के लिए नहीं, आने वाले समय में काम की दुनिया बदलने की चुनौती के लिए हैं। दरअसल, श्रम सुधारों का यह नया ढांचा भारत के आर्थिक, डिजिटल और औद्योगिक भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने वाला मॉडल है। यह सुधार न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान है बल्कि आने वाले दशकों में रोजगार परिदृश्य को स्थिरता, पारदर्शिता और सशक्तिकरण की नई दिशा देगा।

'स्ट्रेंजर थिंग्स' की तरह ओटीटी पर मशहूर हैं ये वेब सीरीज, कहानी उड़ा देंगी होश

मुंबई। नेटफ्लिक्स की चर्चित वेब सीरीज 'स्ट्रेंजर थिंग्स' अपने 5वें सीजन के साथ लोगों का खूब ध्यान बटोर रही है। इसके पिछले 4 सीजन भी बेशुमार प्यार लूट चुके हैं। कहना गलत नहीं होगा कि ओटीटी पर 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के बाद, इस सीरीज ने सबसे ज्यादा महारत हासिल की है। खैर 'स्ट्रेंजर थिंग्स' की तरह ही यहां आपको कुछ अन्य सीरीज के बारे में जानकारी दी गई है, जो काफी मशहूर हैं। इनकी कहानी दिल जीतने का काम करती है।

'द अम्ब्रेला एकेडमी' : नेटफ्लिक्स पर मौजूद वेब सीरीज 'द अम्ब्रेला एकेडमी' काफी लोकप्रिय है, जिसे हिंदी भाषा के साथ देखा जा सकता है। तीन सीजन वाली इस सीरीज में कॉमेडी-ड्रामा, साइंस फिक्शन और फैंटेसी की भरपूर डोज दी गई है। सीरीज की कहानी गोद लिए गए भाई-बहनों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पिता की मौत के बाद फिर से एकजुट होते हैं। यहां उन्हें कई अनसुलझे रहस्यों और जिंदगी में आने वाली मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

'बेताल' : नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई हिंदी वेब सीरीज 'बेताल' भी अपनी कहानी के लिए लोगों का खूब प्यार बटोर चुकी है। सीरीज की कहानी एक बूढ़े ब्रिटिश भारतीय सेना कमांडर के इर्द-गिर्द घूमती है जो जॉम्बी बनकर जिंदा हो जाता है। वह जिस गांव में जाता है, वहां एक आधुनिक विशेष बल की टीम उसका सामना करती है। कुल मिलाकर सीरीज की कहानी लोककथाओं और सैन्य कार्रवाई को ध्यान में रखकर बनाई गई है। 'बेताल' के कुछ सीन डराते भी हैं।

'जस्ट एड मैजिक'

अमेजन प्राइम वीडियो पर वेब सीरीज 'जस्ट एड मैजिक' मौजूद है, जिसका पहला सीजन 2016 में रिलीज किया गया था। अब तक इस सीरीज के 3 सीजन आ चुके हैं। इस सीरीज की कहानी बेहद दिलचस्प है, जिसमें 3 लड़कियों केली क्विन, डार्बी और हैना को एक जादुई कुकबुक मिलती है। इस बुक के आधार पर तीनों कई रहस्यों को सुलझाती हैं। हालांकि हर रेसिपी के जादुई प्रभाव के साथ एक नकारात्मक प्रभाव भी होता है।

दिल्ली में टैक्स फ्री हुई फरहान अख्तर की 120 बहादुर

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मकार-अभिनेता फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर दिल्ली में टैक्स-फ्री हो गयी है। फिल्म 120 बहादुर हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी के प्रेरणादायक नेतृत्व को उजागर किया गया है, जिनके अद्भुत पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान ने भारत के सैन्य इतिहास में साहस का अमिट प्रतीक स्थापित किया है। इन वीर सैनिकों के प्रति विशेष सम्मान के रूप में, दिल्ली सरकार ने 28 नवंबर से दिल्ली में इस फिल्म को टैक्स-फ्री करने का निर्णय लिया है। फिल्म के निर्माताओं को हार्दिक बधाई। फिल्म 120 बहादुर 13 कुमाऊ रेजिमेंट के 120 भारतीय सैनिकों की जबरदस्त बहादुरी को दिखाती है, जिन्होंने 1962 के युद्ध में हुई मशहूर रेज़ांग ला की लड़ाई में हिस्सा लिया था। फरहान अख्तर इस फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी, की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपने साथियों के साथ मिलकर भारतीय सेना के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण लड़ाइयों में से एक में हर मुश्किल के सामने डटे रहे। इस फिल्म रजनीश रेज़ी घई ने निर्देशित किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़) ने प्रोड्यूस किया है।

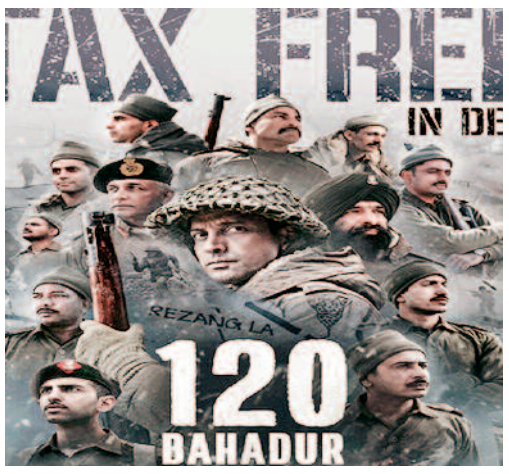

राजामौली की फिल्म में करेंगी काम

लॉस एंजिल्स। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास ने कहा है कि वह एस.एस. राजामौली की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म का हिस्सा होंगी जिसका नाम संभवतः 'ग्लोबट्रॉटर' होगा। इस फिल्म में महेश बाबू भी मुख्य भूमिका में होंगे। प्रियंका और महेश बाबू ने भी सोशल मीडिया पर फिर से फिल्म के पोस्टर को शेयर किया। उल्लेखनीय है कि प्रियंका चोपड़ा अभी हाल ही में 'ग्लोबट्रॉटर' के निर्माण के बाबत भारत आई थीं और महेश के साथ उन्होंने ऑनलाइन हल्की-फुल्की बातचीत की, जिससे फिल्म में उनकी भूमिका को लेकर कयास लगाए जाने लगे। गौरतलब है कि निर्माता जल्द ही महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा का पहला लुक जारी करने वाले हैं।

इस साल की शुरुआत में उन्होंने एक हैशटैग के साथ 'ग्लोबट्रॉटर' के पोस्टर को जारी करके अपने प्रशंसकों को उत्साहित किया था, लेकिन इससे यह पुष्टि नहीं होती थी कि यह आधिकारिक शीर्षक है या नहीं।

'महाभारत' में अनोखी कॉमेडी का तड़का लगाएंगे शूजित सरकार

फिल्ममेकर शूजीत सरकार, जो 'विक्की डोनर' और 'पीकू' जैसी हल्की-फुल्की कॉमेडी फिल्मों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुके हैं, अब एक बार फिर कॉमेडी जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं। इस बार वह एक बिल्कुल नई दिशा में कदम रखते हुए पौराणिक कॉमेडी बनाने की तैयारी में हैं। इससे भी खास बात ये है कि फिल्म में मनोज बाजपेयी और राजकुमार राव मुख्य भूमिकाओं में होंगे, जो 10 साल पहले फिल्म 'अलीगढ़' में साथ दिखे थे।

मुंबई। रिपोर्ट के मुताबिक, ये फिल्म 'महाभारत' के एक खास अध्याय को मजेदार अंदाज में पेश करेगी, जो भारतीय सिनेमा में अपनी तरह का पहला और बेहद अनोखा प्रयास माना जा रहा है। शूजीत से दर्शकों को वैसे भी बड़ी उम्मीदें होती हैं, क्योंकि उन्होंने हमेशा ही कहानी और कॉमेडी दोनों के साथ नया प्रयोग किया और सफल रहे। अब एक बार फिर निर्देशक अपनी एक रोचक कहानी से सबका दिल जीतने को तैयार हैं।

कब शुरू होगी शूटिंग?

इस नई फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने की संभावना है और इसे भारतीय सिनेमा का एक सबसे असामान्य और अनोखा प्रोजेक्ट माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि राजकुमार और

मनोज सालों बाद फिर साथ काम करने के लिए बड़े उत्साहित हैं। दोनों को साल 2015 में रिलीज हुई हंसल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म 'अलीगढ़' में साथ देखा गया था। जल्द ही उनकी इस नई फिल्म की आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

शूजित की पिछली फिल्म में दिखे थे अभिषेक बच्चन

शूजित पिछली बार फिल्म 'आई वॉन्ट टू टॉक' लेकर आए थे। ये फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई, लेकिन इसकी दिल छू लेने वाली कहानी की दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी खूब तारीफ की। फिल्म में अभिषेक बच्चन मुख्य भूमिका में थे। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में उन्होंने अपनी इस फिल्म में उम्दा प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी जीता था। फिल्म में उन्होंने एक बेटी के पिता का किरदार निभाया था।

मनोज और राजकुमार की आने वाली दूसरी

'द फैमिली मैन 3' में दिख रहे मनोज हॉरर कॉमेडी फिल्म 'पुलिस स्टेशन में भूत' लेकर आ रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने राम गोपाल वर्मा से हाथ मिलाया है। इसके अलावा वो एक अन्य फिल्म में अभिनेत्री दिव्या दत्ता के साथ इश्क लड़ाते दिखेंगे। उधर राजकुमार के पास वकील उज्जवल निकम की बायोपिक और 'स्त्री 3' है। इन दोनों ही फिल्मों के निर्माता दिनेश विजान हैं। सौरव गांगुली की बायोपिक और करण जौहर की क्रिएचर फिल्म भी उनके पास है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान

कोई योग्य मतदाता छूटे न, कोई अयोग्य मतदाता जुड़े न

ECINet — A single unified mobile app for citizens
Integrates 40+ apps/websites related to voter services

पिछली SIR लिस्ट में अपना नाम जांचने के लिए इन स्टेप्स को फॉलो करें

Website के जरिए
- voters.eci.gov.in पर जाएँ
- "Search your name in last SIR" विकल्प को चुनें
- अपनी जानकारी भरें
  - राज्य चुनें
  - निर्वाचक का नाम दर्ज करें
  - Captcha भरकर Search पर क्लिक करें
- ज्यादा सटीक खोज के लिए रिश्तेदार का नाम चुनें; और अधिक सटीक खोज के लिए ज़िला/ विधानसभा क्षेत्र (AC) /भाग (Part) चुनें

ECINet APP के जरिए
- ECINet डाउनलोड करें और Voter Registration Forms पर क्लिक करें
- "Search your name in last SIR" विकल्प को चुनें
- अपनी जानकारी भरें
  - राज्य चुनें
  - निर्वाचक का नाम दर्ज करें
  - Captcha भरकर Search पर क्लिक करें
- ज्यादा सटीक खोज के लिए रिश्तेदार का नाम चुनें; और अधिक सटीक खोज के लिए ज़िला/ विधानसभा क्षेत्र (AC) /भाग (Part) चुनें

ऑनलाइन अपना गणना प्रपत्र (Enumeration Form) भरें

ECI वेबसाइट https://voters.eci.gov.in/ पर जाएं
- रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर, EPIC या ईमेल द्वारा OTP के माध्यम से लॉगिन करें
- SERVICES टैब में दिए Fill Your Enumeration Form पर क्लिक करें
- अपना राज्य चुनें, EPIC नंबर डालें और अपना Pre-Filled गणना प्रपत्र खोलें
- भारत से बाहर हैं तो Overseas Electors पर क्लिक करें और जानकारी भरें

ECINet APP
- APP Store पर जाएं
- ECINet APP डाउनलोड करें
- Voter Services टैब में जाएं और Voter Registration Form पर क्लिक करें

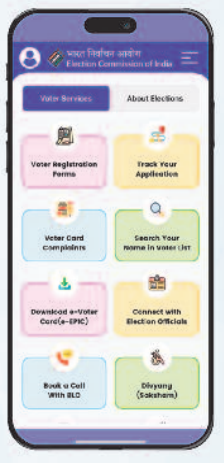

- Pre-Filled गणना प्रपत्र में अपनी जानकारी जांच लें
- अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर डालकर OTP के माध्यम से पूरा गणना प्रपत्र भरें
- गणना प्रपत्र में अपनी जानकारी जांचें, पिछली SIR लिस्ट से Linking करें, विवरण पूरा करें और फोटो अपलोड करें
- Preview में सभी जानकारी ध्यान से जांचकर Submit Enumeration Form पर क्लिक करें
- E-Sign करें और गणना प्रपत्र सफलतापूर्वक जमा करने की रसीद डाउनलोड करें

महत्वपूर्ण तारीख

गणना प्रपत्र भरने की अवधि:	4 नवंबर- 4 दिसंबर 2025
मतदाता सूची का प्रारुप (ड्राफ्ट) प्रकाशन:	9 दिसंबर 2025
दावे और आपत्तियों की अवधि:	9 दिसंबर 2025 - 8 जनवरी 2026
नोटिस फेज:	9 दिसंबर 2025 - 31 जनवरी 2026
अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन:	7 फरवरी 2026

Visit ECI Website
https://voters.eci.gov.in/

CBC 52101/13/0018/2526

fb.com/ECI @ecisveep youtube.com/eci Election Commission of India @ecisveep Election Commission of India

सुदृढ़ संचार व्यवस्था हो या सामरिक सुरक्षा का मामला, कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी की बात हो या प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाना हो, इन सबके लिए स्पेस टेक्नोलॉजी में नित नई ऊंचाई छूना जरूरी है। इस दिशा में इसरो निरंतर अग्रसर है। यही नहीं विश्व की स्पेस सुपर पावर बनने के लिए भी इसरो के पास कई इंपॉर्टेंट प्रोजेक्ट्स और प्लानिंग्स हैं। इन सभी पर एक विस्तृत नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाई छूने के लिए निरंतर अग्रसर इसरो

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

इसरो द्वारा तीन साल के भीतर अंतरिक्षयान निर्माण की तीन गुनी क्षमता का लक्ष्य निर्धारण, भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा का पूर्वाभास है। यदि यह हासिल हो जाता है, तो भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी भी न सिर्फ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के समानांतर खड़ी होगी बल्कि विश्व अंतरिक्ष बाजार में भी वह बहुत बड़ी खिलाड़ी बन जाएगी।

देश की प्रगति के लिए जरूरी: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो का अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को तिगुना करने का फैसला, देश की बदलती सामरिक, वैज्ञानिक और आर्थिक प्राथमिकताओं के पूर्वाभास सरीखा है। इसरो चाहता है कि खुद को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल सके, ताकि वो निजी कंपनियों की तेज भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा के बीच अविलंब आगे आ सके। उसकी यह पहल, देश को विश्व की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में ऊपरी स्थान दिलाने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है। अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को बढ़ाना कई वजहों से जरूरी है। 5जी से बढ़कर 6जी की ओर बढ़ना है, तो सैकड़ों छोटे उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजना ही होगा। पृथ्वी अवलोकन और जलवायु निगरानी उपग्रहों की मांग भविष्य में बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

वैश्विक शक्ति बनने की है सामर्थ्य: वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उपग्रहों और उनकी सेवाओं की मांग अभूतपूर्व तरीके से बढ़ रही है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के चलते आने वाले दशक में हजारों नए उपग्रह लॉन्च होने की उम्मीद है।

भारत के पास सस्ता, तेज, कुशल और विश्वसनीय अंतरिक्ष अभियान संचालन की बेहतर क्षमता है, इसको पूरी दुनिया जान और मान रही है। तमाम देश इसके लिए भारत की ओर आकर्षित भी हैं। लेकिन अंतरिक्ष यान निर्माण-क्षमता के सीमित होने के कारण देश बेहतरीन कौशल होने के बावजूद इस तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा। इसरो अभी सालाना औसतन 6 से 7 अंतरिक्षयान बनाता है। तीन साल बाद क्षमता तीन गुना होने का मतलब है कि वह 18 से 21 अंतरिक्षयान प्रति वर्ष तैयार कर सकेगा। फिर उसके पास अन्य देशों के उपग्रहों के लांच के लिए न सिर्फ पर्याप्त यान होंगे बल्कि उन्हें लांच के लिए विंडो भी। कम समय अंतराल पर होने और निर्माण तथा लांच सुविधाएं सीमितता के चलते इसरो के कई प्रक्षेपण कार्यक्रम आपस में ओवरलैप करते हैं। इसरो द्वारा उत्पादन वृद्धि के साथ सैटेलाइट इंटीग्रेशन सेंटर्स की संख्या बढ़ाना इस ओवरलैप को कम करेगा। अंतरिक्षयानों की संख्या में वृद्धि भारत को वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं के बड़े बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा, जहां आज अमेरिका की स्पेस-एक्स जैसी निजी कंपनियां लगभग एकछत्र राज कर रही हैं।

संभावनाएं-क्षमताएं हैं भरपूर: आज भारत, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में केवल 2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इसरो इसे 2030 तक 8 फीसद तक ले जाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। क्षमता विस्तार, निजी साझेदारी और नई तकनीकों का विकास इसे संभव बना सकता है। बेशक इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी दर्ज होगी तथा संबंधित क्षेत्र में साख भी बढ़ेगी। असल में इसरो की रणनीति महज अपने अंतरिक्ष यानों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इस दौर में जब देश में कई स्पेस स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, इसरों की प्लानिंग है कि अंतरिक्षयान निर्माण में तमाम बड़ी निजी कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुब्रो, गोदरेज, एचएएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, स्काईरूट, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस तथा अन्य छोटे स्टार्टअप्स को भी वह इस काम में बड़े पैमाने पर साझेदार बनाए ताकि इससे भारत में 'एयरोस्पेस मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री' का विकास तीव्र हो। वह अमेरिका में नासा और स्पेस-एक्स जैसे सरकारी एजेंसी और निजी कंपनी के आपसी सहयोग जैसे मॉडल को भारतीय परिस्थितियों में संभव बनाना चाहती है। इससे देश, संबंधित कंपनियों और आखिरकार इसरो को लाभ पहुंचेगा।

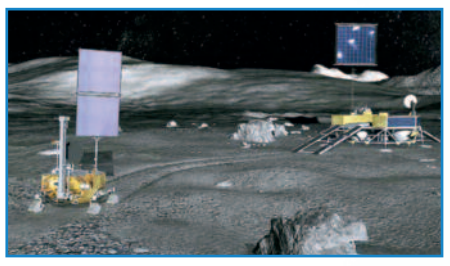

निजी क्षेत्रों को कर रहा प्रोत्साहित: जल्द ही भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी उद्योग-निर्मित पीएसएलवी इसी परिवर्तन की ज्वलंत निशानी बनेगा। इसरो खूब जानता है कि निजी क्षेत्र जितना बड़ा होगा, उसको उतनी ही सुविधा होगी। वह उन पर बहुत से तकनीकी और निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी देकर अपना ध्यान ज्यादा से ज्यादा प्रक्षेपण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान मिशनों पर केंद्रित कर पाएगा। इसरो को निजी-सरकारी कंपनियों के सहयोग से तीन गुनी यान निर्माण क्षमता हासिल हो गई, तो उसका परोक्ष प्रभाव यह भी होगा कि इसरो के वैज्ञानिक मिशन तेजी से पूरे होंगे, वाणिज्यिक लॉन्च बढ़ेंगे। ऐसे में भारत वैश्विक उपग्रह-निर्माण और प्रक्षेपण बाजार में बेहद कमाऊ और प्रभावी खिलाड़ी बन सकेगा। इनके अलावा इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और ज्यादा बढ़ेगी, तो विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम होती जाएगी। बड़ी बात यह भी कि पांच मॉड्यूल वाला देश का अंतरिक्ष स्टेशन समय पर स्थापित करने की संभावना भी इससे मजबूत होगी।

कई स्तरों पर करनी होगी पहल: इसरो के सभी प्रोजेक्ट्स समय से पूरे हों, इस लिए भी इसरो को अपनी यान निर्माण क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। चंद्रयान-4 भारत के लिए अमेरिका के अपोलो कार्यक्रम की तरह विशिष्ट होगा। यह चंद्रमा से नमूने वापस लाकर भारत को उस सैंपल रिटर्न टेक्नोलॉजी में सक्षम बनाएगा, जो संसार के महज तीन देशों के पास है। इसी तरह जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ लूपेक्स मिशन, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ की मौजूदगी तलाश उसकी उपयोगिता समझने का अवसर देगा। यह भविष्य के मानव मिशनों के लिए ईंधन और पानी का स्त्रोत समझाएगा। भारत अपने अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल को 2028 तक पूरा करते हुए 2035 तक पांच मॉड्यूल वाला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण में सरकार की जो भूमिका हो सकती है, वह यह है कि उसके द्वारा अंतरिक्ष नीति और विनियमों को सरल बनाया जाए ताकि निजी निवेश, इसरो को लंबी अवधि की फंडिंग और स्टार्टअप ईकोसिस्टम को बढ़ावा मिले, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पर नियमित निवेश एवं निजी भागीदारी को गति मिले, जिससे इसरो अधिक प्रक्षेपण केंद्र और ट्रैकिंग स्टेशन स्थापित कर सके। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विस्तार पर भी सरकार को जोर देना होगा। फिलहाल इसरो का फैसला देश को वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आर्थिक शक्ति बनाएगा, लाखों नौकरियों का सृजन, युवा वैज्ञानिकों के लिए अवसर पैदा करेगा। *

कई प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

इसरो के लिए आने वाला दशक निर्णायक है। इस वर्ष और अगले वर्ष में इसरो के पास आधे दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शेष हैं और अगले कुछ वर्षों में संचालित होने वाले इसरो के पूर्व नियत कई प्रमुख अभियान तो बहुत जटिल और महत्वाकांक्षी हैं। गगनयान के कई मानव-रहित परीक्षण, मानव सहित गगनयान, 2028 में जाने वाला चंद्रयान-4, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिशन लूपेक्स, एसएसएलवी निर्माण तथा रि-यूजेबल लॉन्च व्हीकल का विकास, शुक्रयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, नई पीढ़ी के संचार उपग्रह जैसे कई महत्त्वाकांक्षी मिशन पर कार्य जारी है।

डिजिटल गेम्स वर्तमान है शानदार-उज्ज्वल है भविष्य

हाल के वर्षों में मनोरंजन के लिहाज से डिजिटल गेम्स का क्रेज जबर्दस्त तरीके से बढ़ा है, निरंतर इसमें इजाफा भी हो रहा है। खासतौर पर इसे लेकर नई पीढ़ी में बहुत दीवानगी देखी जाती है। इसकी क्या हैं वजहें और कैसा है भविष्य, जानिए।

टेक्नोलाइफ
लोकमित्र गौतम

आज के युग में मनोरंजन, शिक्षा और तकनीकी प्रयोग का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन चुके हैं-डिजिटल गेम्स। मोबाइल, कंप्यूटर, टैबलेट और गेमिंग कंसोल के जरिए खेले जाने वाले ये खेल महज खेल नहीं हैं बल्कि आज की तारीख में अरबों रुपए का कारोबार भी है। नई पीढ़ी के बीच इन डिजिटल गेम्स का आकर्षण इतना अधिक है कि अब ये डिजिटल गेम्स एक पूरी संस्कृति का रूप ले चुके हैं।

क्या होते हैं डिजिटल गेम्स: डिजिटल गेम्स सही मायने में इलेक्ट्रॉनिक खेल होते हैं। इन्हें डिजिटल गेम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये किसी डिजिटल डिवाइस के जरिए खेले जाते हैं। जैसे- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टैबलेट या वीडियो गेम कंसोल। डिजिटल गेम्स में ग्राफिक, ध्वनि और उपयोगकर्ता का सीधे-सीधे संपर्क या इंट्रैक्शन संभव है। यह इंट्रैक्शन या संपर्क दो तरीके से होता है। इसमें एक है वर्चुअल अनुभव। वास्तव में यह किसी अनुभव के आधार पर तैयार किए जाते हैं और यहीं इनकी भूमिका बदल जाती है। यह केवल शारीरिक सक्रियता या महज मनोरंजन का कारण नहीं होते बल्कि कभी-कभी सीखने, कभी रणनीति बनाने, कभी निर्णय क्षमता को परखने या उसे विकसित करने तथा कभी-कभी हीनभावना को दूर करने का तरीका भी होते हैं।

दीवानी है नई पीढ़ी: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स को लेकर बहुत ज्यादा आकर्षण या कहें क्रेज है। विशेषकर जनरेशन जेड और अल्फा, डिजिटल दुनिया में जन्मी, पली-बढ़ी पीढ़ियां इन खेलों की दीवानी हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इनका बचपन मोबाइल और इंटरनेट के साथ खेलते और इस्तेमाल करते हुए गुजरा। इसलिए डिजिटल गेम्स को ये मनोरंजन नहीं कहते बल्कि अपने व्यक्तित्व की पहचान, प्रतिस्पर्धा और आत्म अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं।

इसलिए बढ़ रहा इतना क्रेज: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स का इतना क्रेज इसलिए है, क्योंकि यह वास्तविक अनुभव देता है। आज के डिजिटल गेम्स में एक साथ वीआर यानी वर्चुअल रियलिटी और एआर यानी ऑग्मेंटेड रियलिटी का इस्तेमाल होता है, जिसे खिलाड़ी इन्हें दूर से खेलता हुआ नहीं लगता बल्कि खुद को वह खेल के भीतर का हिस्सा समझता है और खेल के रोमांच को पल-पल महसूस करता है। दुनिया के किसी कोने से किसी दोस्त के साथ, किसी अजनबी के साथ, इन खेलों को खेला जा सकता है यानी आज की डिजिटल लाइफ के अनुकूल ये ऑनलाइन गेम की सुविधा प्रदान करते हैं और सबसे आकर्षक बात यह है कि डिजिटल गेम्स, एक रिवॉर्ड सिस्टम से भी जुड़ा होता है यानी प्वाइंट, लेवल और खरीदारी के लिए वाउचर जैसी सुविधाओं का मौजूद होना खिलाड़ियों को अलग ही दुनिया के रोमांच से जोड़ देते हैं। आज की तारीख में डिजिटल गेम्स महज खेलने की डिजिटल गतिविधि भर नहीं हैं बल्कि यह एक किस्म की सामाजिक प्रतिष्ठा बन चुके हैं। युवाओं में गेमिंग अब अपने आपमें एक स्टेटस सिंबल बन चुका है। लोकप्रिय गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और फैंस भी मिलते हैं। इस तरह डिजिटल गेम्स मनोरंजन करने के साथ-साथ हमारे तनाव मुक्ति का भी जरिया हैं। इस कारण भी युवाओं में डिजिटल गेम्स को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

ऐसे हुई डिजिटल गेम्स की शुरुआत: वर्ष 1962 की बात है, एमआईटी यानी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका में दो युवाओं ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम स्पेस वार बनाया। स्टीव रसेल और उनके दोस्त मार्टिन ग्रेट्ज ने पहले-पहल इस डिजिटल गेम्स की अवधारणा को 1961 में रखा था। लेकिन बाद के एक साल में उनके साथ उनके चार और दोस्त आ जुड़े, ये थे- वेन विटानन, पीटर सैमसन, डेन एडवर्ड्स और एलन कोटाक। इन सभी ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम्स स्पेस वार सीडीपी-1 कंप्यूटर पर बनाया। यहीं से आधुनिक वीडियो गेम उद्योग की शुरूआत हुई।

जहां तक भारत में डिजिटल गेमिंग की शुरुआत का सवाल है तो यह सन 1990 के दशक में आया, जब कंप्यूटर और इंटरनेट भी धीरे-धीरे आम लोगों तक पहुंचने लगे थे। भारत का पहला स्वदेशी डिजिटल गेम 'भारतः द गेम' (1998) माना जाता है, जिसे सिनका गेम्स कंपनी ने विकसित किया था। हालांकि गेम बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हुआ।

डिजिटल गेम्स का भविष्य: जहां तक डिजिटल गेम्स की दुनिया के भविष्य का सवाल है तो यह बेहद उज्ज्वल और तकनीकी रूप से बेहद रोमांचक है। साल 2025 में वैश्विक गेमिंग इंडस्ट्री बढ़कर 250 अरब अमेरिकी डॉलर की हो चुकी है और इसमें बहुत बड़ा हिस्सा भारत के डिजिटल गेम्स प्रेमियों का भी है। क्योंकि साल 2024 के अंत तक भारत में सक्रिय गेम्स की संख्या बढ़कर 40 करोड़ हो चुकी है। शायद यह डिजिटल गेमिंग का ही विस्तार है कि आज ई-स्पोर्ट्स की दुनिया बड़े पैमाने पर उभरी है और लाखों लोग इसे अपना करियर बनाकर अपना भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित कर रहे हैं। *

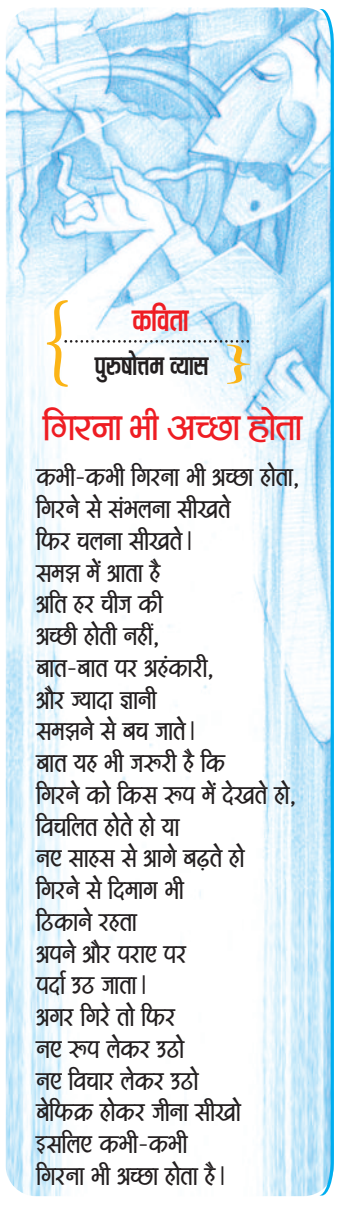

कविता
पुरुषोत्तम व्यास

गिरना भी अच्छा होता

कभी-कभी गिरना भी अच्छा होता,
गिरने से संभलना सीखते
फिर चलना सीखते।
समझ में आता है
अति हर चीज की
अच्छी होती नहीं,
बात-बात पर अहंकारी,
और ज्यादा ज्ञानी
समझने से बच जाते।
बात यह भी जरूरी है कि
गिरने को किस रूप में देखते हो,
विचलित होते हो या
नए साहस से आगे बढ़ते हो
गिरने से दिमाग भी
ठिकाने रहता
अपने और पराए पर
पर्दा उठ जाता।
अगर गिरे तो फिर
नए रूप लेकर उठो
नए विचार लेकर उठो
बेफिक्र होकर जीना सीखो
इसलिए कभी-कभी
गिरना भी अच्छा होता है।

व्यंग्यात्मक संस्मरण
डॉ. मुकेश असीमित

टिकट विंडो की लाइन

रेलवे स्टेशन की टिकट विंडो आजकल किसी आध्यात्मिक तप जैसी लगती है। अमृत योजना का थोड़ा-बहुत बजट खर्च कर चार खिड़कियां बना दी गई हैं, पर चारों के सामने उतनी ही लंबी लाइनें, मानो चार अलग-अलग धर्मपंथ हों और भक्त सभी जगह समान संख्या में हों।

मैं बड़ी होशियारी से सबसे छोटी लाइन में लगा, और जैसे ही लगा किस्मत मेरी गर्दन पकड़कर मुझ पर हंस रही हो जैसे। मेरी लाइन कछुए की चाल से और बाजू वाली लाइन खरगोश की गति से फुर्र-फुर्र बढ़ती जा रही थी।

खिड़की पर एक बुजुर्ग बाबू थे, शायद रिटायरमेंट के ठीक पहले के अंतिम वर्ष में। चश्मा उतारते, लगाते, की-बोर्ड को किसी वेद-पाठ की तरह एक-एक अक्षर छूते। स्क्रीन पर अक्षर प्रकट होता तो उनके चेहरे की झुर्रियां भी खिल उठतीं, मानो तकनीकी उन्नयन का चमत्कार उन्हें रोज नई जवानी दे रहा हो। रेलवे ने शायद फैसला कर रखा है कि यह महाशय अपना अंतिम प्रण और अंतिम प्रणय दोनों इसी खिड़की पर छोड़ेंगे।

इतने में एक दुबला-पतला अधेड़ मेरी कोहनी पसलियों में गड़ाता हुआ फुसफुसाया, 'कौनसी ट्रेन चाहिए साहब? बोलो तो जुगाड़ कर दूं, अंदर तक पहुंच है। बस सौ का एक नोट एक्स्ट्रा।'

मैंने विनम्रता से मना कर दिया। विनम्रता पर उसने जर्दे-भीगे होंठों से मोबाइल और मुझे संयुक्त रूप से एक गाली दी और फुर्र हो गया। उसकी प्रतिक्रिया खीझ से उत्पन्न हुई, जैसे कोई एक डील होते-होते रह गई हो।

मोबाइल ही आजकल इन लंबी लाइनों का आधुनिक तपो-साधन है, सभी यात्री उसमें गुम। मैं भी व्हाट्सएप की दुनिया में तल्लीन था, तभी आगे शोर हुआ। एक यात्री जिसकी ट्रेन छूटने वाली थी, लाइन तोड़कर हथेली खिड़की के नैनो साइज के छेद में घुसा चुका था कि दूसरा यात्री अपना हाथ निकाल ही नहीं पा रहा था। अब विवाद यह नहीं कि किसकी बारी, बल्कि यह कि सबसे पहले हाथ कौन निकाले!

बाबू ने सीटी बजाई। दो पुलिसकर्मी अपनी तोंदें, बाल्टी की तरह लटकाते हुए आए। लाठी को हवा में घुमाते हुए स्थानीय भाषा में अपशब्दों का ऐसा समन्वित गान किया कि लाइन तुरंत सीधी हो गई। दोनों यात्रियों के हाथ बड़ी मुश्किल से निकाले गए। इस खींचतान में एक की हस्त-धारित भारतीय मुद्रा फट गई और उसके मुंह से निकली गालियां व्यवस्था की संपूर्ण संस्थाओं को समर्पित थीं, रेलवे, सरकार, मंत्री से लेकर कुली तक कोई नहीं छूटा।

मैं फिर मोबाइल में चला गया। नया वर्ष आने में महीना है लेकिन कंपनियां जैसे चाहती हैं कि इस बार मैं चार नए कपड़ों, दो नई चॉकलेटों और पांच नए कूपनों से लैस रहूं। ऑफर ऐसे कि लगता है हर कंपनी ने मेरे लिए ही सुकुमारी ब्रांड की मॉडल को विज्ञापन में खड़ा किया है। एक बार जल्दबाजी में मैंने सुकुमारी के मोहपाश में बंधे सब्सक्रिप्शन डाल दिया था, तभी से वह मेरे जीवन की स्थाई सदस्य बन चुकी है।

मोबाइल भी क्या करे। कंपनियां चाहती हैं कि आप दिन-रात उसी से चिपके रहो। कभी धमाका सेल, कभी फ्लैश सेल, कभी लास्ट स्टॉक, हड़प लो!

नई पीढ़ी को ये सेल-ऑफर ऐसे जकड़ती है कि किसी उल्टे-सीधे काम में ऊर्जा लगे, उससे अच्छा है कि स्क्रीन पर अंगूठा फिसलाते रहो। गेम्स, जुआ, सट्टा, लॉटरी सब आपके दरवाजे पर नहीं, आपकी जेब में बैठा है।

इधर मेरा मोबाइल भी मेरा पूरा जीवन समझता है- कब रिचार्ज खत्म होगा? कब बीमा एक्सपायर होगा? कब कार की सर्विसिंग करानी है?

कब पुरानी कार बेचे चार साल हो गए? यह सब याद दिला रहा है।

सच कहूं तो मोबाइल ने आदमी को अकेला किया, या अकेलापन आदमी को मोबाइल तक ले गया, ये तफरीक अब मैं भी नहीं कर पाता।

मोबाइल पर आध्यात्मिक गुरुओं के संदेश, प्रेरक कथन और भविष्यवाणियां भी तड़ातड़ आ रहे हैं। सुबह-सुबह इतनी 'ज्ञान-वर्षा' कि दिमाग की हार्ड डिस्क फुल होकर ओवरहीट हो जाए। पर सही कहूं, रेलवे की लाइनें और मोबाइल दोनों ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की लाइफलाइन हैं। एक में लगकर देश चलता है और दूसरे में खोकर आदमी। इतने में मेरी लाइन भी दो-चार इंच आगे बढ़ गई।

शायद मेरे नंबर का भी समय आ रहा था और मोबाइल पर एक नया मैसेज भी। *

लघुकथा / सतीश उपाध्याय

दरवाजा

मम्मी, दादाजी की वजह से हमारी पढ़ाई डिस्टर्ब होती है, बार-बार हमारे कमरे में आ जाते हैं।' परेश ने अपनी मां से दादाजी की शिकायत की। सामने कुर्सी पर बैठे दादाजी अखबार पढ़ रहे थे, वह तुरंत बोले, 'नहीं बेटा, ऐसी बात नहीं है। तुमको मैंने तीन घंटे से नहीं देखा था, इसलिए ऐसे ही तुम्हें देखने तुम्हारे कमरे में चला आया था।' परेश की मम्मी बेटे का पक्ष लेते हुए बोलीं, 'बाबूजी, थोड़ा बुद्धि से काम लिया करिए। स्कूल से कितना होमवर्क मिलता है, असाइनमेंट पूरा करना होता है। अगर वह आपसे बात करेगा तो उसका होमवर्क कैसे पूरा हो पाएगा?' दादाजी आहिस्ता से बोले, 'बेटा बात सही है, अब मैं आगे से ध्यान रखूंगा।' अगला दिन छुट्टी का था। परेश सारा दिन अपने लैपटॉप और मोबाइल में ही बिजी था। दादाजी के भीतर अपने पोते के प्रति प्यार उमड़ा तो वह अपने आपको रोक नहीं पाए। परेश के कमरे में चले गए। परेश के बेड पर स्कूल की कॉपी-किताबें बिखरी हुई थीं। वह मोबाइल में बिजी था। उसने दादाजी की आहट सुनी, लेकिन वह दादाजी की उपेक्षा करते हुए अपने मोबाइल में ही लगा रहा। दादाजी ने पूछा, 'क्या कर रहे हो बेटा?' परेश रूखे स्वर में बोला, 'दादाजी देख नहीं रहे हैं, मैं अपना असाइनमेंट पूरा कर रहा हूं। आप डिस्टर्ब मत करिए।' 'ठीक है बेटा, कितना समय लगेगा, इसे पूरा करने में?' दादाजी ने बड़े प्यार से पूछा। 'दादाजी मैं अभी कैसे बता दूं, आप डिस्टर्ब मत कीजिए प्लीज।' परेश ने तेज स्वर में बोला। 'ठीक है बेटा, मैं नीचे तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।' यह कहकर दादाजी ने कमरे से बाहर निकलते समय पलटकर देखा, परेश अपने मोबाइल में लगा दिखा। दादाजी के कमरे से निकलते ही परेश ने अपने कमरे का दरवाजा तेज आवाज के साथ बंद कर दिया। दादाजी कुछ देर दरवाजे के पास भाव शून्य खड़े रहे। उनकी आंखों में एक नमी उतर आई थी। *

पुस्तक: छवि से अलग (संस्मरण), **लेखक:** विनोद दास, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

छवि से अलग

हाल में ही वरिष्ठ साहित्यकार विनोद दास के संस्मरणों की पुस्तक 'छवि से अलग' छपकर आई है। इसमें चौदह नामचीन साहित्यकारों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा संस्मरण भी संकलित है। इन संस्मरणों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें सम्मिलित हस्तियों की कई अनावृत्त रही छवियां उजागर होती हैं। ये छवियां उनके साहित्यिक ही नहीं व्यक्तिगत जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। लेखक ने निरपेक्ष भाव से इनकी खूबियों और खामियों को सामने रखा है। इसके साथ ही साथ कई संस्मरणों में लेखक, समानांतर रूप से उस देश, काल और परिस्थितियों का भी वर्णन करते चलते हैं, जब इन अनुभूतियों को वे अर्जित कर रहे थे। निर्मल वर्मा, नामवर सिंह, श्रीलाल शुक्ला, कुंवर नारायण, केदारनाथ सिंह, अखिलेश, शानी और मुद्राराक्षस जैसे कई साहित्यकारों के बारे में यह किताब बहुत कुछ अनसुना बताती है। *

तरकश

-संजय के. दीक्षित

प्रमोटी आईएएस और भरोसा

आईएएस की इस लिस्ट से ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार ने यह जतलाने का प्रयास किया है कि उसके पास विकल्प की कोई कमी नहीं है। जाहिर है, दो दिन पहले जिन 13 आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर किए गए, उनमें सात प्रमोटी आईएएस हैं। उसमें भी ऐन धान खरीदी के सीजन में जीतेंद्र शुक्ला को मार्कफेड एमडी का चुनौतीपूर्ण दायित्व सौंपा गया। उनके पास जलजीवन मिशन भी रहेगा। इसके अलावा पीएस एल्मा को शराब खरीदी करने वाली स्टेट मार्केटिंग कंपनी के साथ ब्रेवरेज कारपोरेशन का एमडी का बनाया गया है। इफ्फत आरा स्पेशल सिकरेट्री रेवेन्यू के साथ नागरिक आपूर्ति निगम की एमडी होंगी। संतनदेवी जांगड़े संचालक आयुष, रेणुका श्रीवास्तव को डायरेक्टर महिला बाल विकास, रीता यादव प्रबंध संचालक खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड तथा लोकेश कुमार को डायरेक्टर हार्टिकल्चर की जिम्मेदारी दी गई है। कह सकते हैं, इस लिस्ट में प्रमोटी अफसरों का दबदबा रहा।

नारी शक्ति कमजोर?

छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक हलको में एक समय नारी शक्ति बहुत मजबूत हो गई थी। मगर वक्त के पहिये के साथ पराभाव होता चला गया। जूनियर अफसर के चीफ सिकरेट्री बनने की वजह से रेणु पिल्ले मंत्रालय से बाहर हो गईं। ऋचा शर्मा को चीफ सिकरेट्री बनने का मौका नहीं मिला, उपर से खाद्य विभाग भी हाथ से निकल गया। उधर, 27 नवंबर को 13 आईएएस अधिकारियों की लिस्ट निकली, उसमें भी माताजी लोगों को बड़ा झटका लगा...कोई इधर गिरा, कोई...। आर शंगीता का शराब से जुड़ी कंपनी और बोर्ड के एमडी का प्रभार भी पीएस एल्मा के पास चला गया। कुल मिलाकर लग रहा...ब्यूरोक्रेसी की नारी शक्ति जरा कमजोर हुई हैं।

बीजेपी-कांग्रेस भाई-भाई

जमीनों के गाइडलाइन रेट में वृद्धि को लेकर छत्तीसगढ़ में तूफान मचा है, उसमें बीजेपी और कांग्रेस नेताओं का भाईचारा भी परिलक्षित हो रहा है। बात ऐसी है कि जोर का झटका दोनों को लगा है। गाइडलाइन रेट बढ़ने से भूमाफियाओं और बिल्डरों को नुकसान होगा तो नेताओं का भी जमीन में इंवेस्टमेंट का धंधा मार खाएगा। ब्यूरोक्रेट्स की अपनी अलग बेचैनी है...काली कमाई को अब कहां खपाएंगे? यही वजह है कि चौतरफा प्रेशर बनाए जा रहे। सेल्फ गोल का खेल भी चल रहा। बीजेपी नेताओं के घेराव में किसका हाथ है, इंटेलिजेंस वालों से ये छिपा नहीं है। भ्रम ऐसा फैला दिया गया है कि गाइडलाइन रेट बढ़ने से सूबे का रियल इस्टेट बैठ जाएगा। जबकि, सच्चाई यह है कि जब हर साल 10 परसेंट बढ़ता था, तब रियल इस्टेट ज्यादा ग्रो किया। बता दें, गाइडलाइन रेट बढ़ने से आम आदमी को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। आखिर 2017 तक हर साल 10 परसेंट रेट बढ़ता ही था। बाकी राज्यों में भी ऐसा ही होता है। 2018 के बाद रेट बढ़ना बंद हो गया। इसमें जमीनों का धंधा खूब फला-फूला। अब आप इससे समझ सकते हैं कि कचना, विधानसभा रोड पर बिल्डरों का रेट है छह हजार से सात हजार रुपए फुट और सरकारी दर था हजार-बारह सौ। इसका सिर्फ युक्तियुक्तकरण किया गया है। आम आदमी को इसलिए भी इससे फर्क नहीं पड़ने वाला कि बाजार दर से पेमेंट पहले भी करना पड़ता था और अभी भी वैसा ही होगा। जिनके पास दो नंबर का पैसा था उन्हें उस व्यवस्था में काफी लाभ था। मगर मीडिल और लोवर क्लास के पास काली कमाई होती नहीं, सो गाइडलाइन रेट बढ़ने से खरीदी जाने वाली जमीन या मकान का रेट बढ़ेगा, तो उस हिसाब से उन्हें बैंकों से लोन मिल जाएगा। बहरहाल, बात बीजेपी-कांग्रेस भाई-भाई से तो यह बात छिपी नहीं कि छत्तीसगढ़ में इन दोनों पार्टियों के नेताओं का छत्तीसगढ़ की माटी से कितना प्रेम है। बल्कि, अब यह प्रेम भूख में बदल गया है।

गोल्ड में इंवेस्ट

छत्तीसगढ़ में अभी तक काली कमाई खपाने के दो ही प्रमुख माध्यम थे। जमीन और सोना। सोना चूकि एक लिमिट से अधिक नहीं खरीदा जा सकता। उसे सुरक्षित रखने का लफड़ा होता है, इसलिए इंवेस्टरों को जमीन में निवेश आकर्षित करता था। सरकारी रेट कौड़ियों के मोल होने से जमीन में 60 से 70 परसेंट रकम कैश में देना होता है और 30 से 40 परसेंट एक नंबर में। इससे इंकम टैक्स की भी काफी बचत होती थी। एक करोड़ रुपए की कोई जमीन खरीदी गई तो कागज में वो 30 से 40 लाख शो होता था। याने 60 से 70 लाख रुपए ब्लैक से व्हाइट हो गया। मगर गाइडलाइन रेट बढ़ने से अब जमीनों में काली कमाई का इंवेस्टमेंट नहीं होगा। जमीनों का सरकारी रेट बढ़ने के बाद छत्तीसगढ़ में मनी लॉड्रिंग पर अंकुश लगेगा मगर गोल्ड में निवेश बढ़ेगा। इससे सराफा व्यापारियों के चेहरे खिल गए हैं।

ब्यूरोक्रेसी को फ्री हैंड

पिछले दो महीनों में गुजरात, तेलांगना, बिहार और यूपी जाने का मौका लगा। वहां तेज गति से चल रहे डेवलपमेंट वर्क देखकर हैरानी हुई। खासकर यूपी, बिहार...जहां विकास की बातें बेमानी थी, अपराधों के नाम से इन दोनों प्रदेशों को जाना जाता था, ऐसे राज्य अब विकास के कार्यों में होड़ कर रहे हैं। इसका लाभ भी वहां के नेतृत्व को मिल रहा। इस सवाल पर कि 20 साल के शासन के बाद नीतीश कुमार लोकप्रिय क्यों? इसका जवाब आश्चर्यजनक आया। लोगों ने कहा...नीतीश कुमार ने नेताओं के लिए लक्ष्मण रेखा खींच दिया है। प्रशासन और पुलिस में नेताओं का हस्तक्षेप नहीं के बराबर रह गया है। जिस बिहार में कलेक्टर्स, एसपी के साथ बदसलूकी आम बात थी, वहां की अफसरशाही अब फ्री होकर डेवलपमेंट को अंजाम दे रही है।

छत्तीसगढ़ और अफसरशाही

अब बात छत्तीसगढ़ की करें, तो राज्य बनने के बाद सबसे खराब दौर में यहां की ब्यूरोक्रेसी गुजर रही है। बीजेपी के कई नेताओं को भी ये बात अच्छी नहीं लगेगी कि रमन सिंह सरकार अगर 15 साल चली तो उसके पीछे ब्यूरोक्रेसी और उसकी कर्मठ टीम की बड़ी भूमिका रही। कांग्रेस की सरकार पांच साल में विदा हो गई तो इसके पीछे एक बड़ा कारण सशक्त टीम का अभाव रहा। मध्यप्रदेश के समय डीपी मिश्रा, पीसी सेठी, अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह के दौर में हमेशा इस हाईट के अफसर उनके पास रहे, जो गलत तो गलत कहने की हिम्मत रखते थे। इससे उन नेताओं को बड़ा फायदा मिला। बहरहाल बात छत्तीसगढ़ की तो...पहली बात, नए राज्य में पैसों के आए फ्लो ने अफसरशाही का बड़ा नुकसान किया। छत्तीसगढ़ अच्छा काम करने वाला कैडर नहीं रहा बल्कि देश की ब्यूरोक्रेसी में मलाईदार कैडर में केटेराइज्ड हो गया। कई आईएएस, आईपीएस ने इतना पैसा बना लिया कि बिल्डरों और कारोबारियों के साथ मिलकर व्यापार शुरू कर दिया। दूसरा कारण है राजनीतिक हस्तक्षेप। रिजल्ट देने वाले अच्छे अफसर भी आगे बढ़क़र काम करना नहीं चाहते। नौकरशाही की स्थिति इस समय ये हो गई है कि कोई भी बुरा भला बोल के चल दे रहा। यूपी में अपराधी द्वारा सोशल मीडिया में जिले के एसपी को गाली देने पर एनकाउंटर करके अरेस्ट कर लिया गया। मगर छत्तीसगढ़ के एक बड़े जिले के पुलिस कप्तान को फेसबुक पर एक छंटे बदमाश द्वारा क्या-क्या लांछन नहीं लगाया गया, मगर पुलिस दोनों हाथ बांधे बैठी रही। और जब एसपी साहब लोगों का ये स्थिति है तो एएसपी, डीएसपी और टीआई बेचारे क्या करेंगे? जाहिर है, इन सब चीजों से राज्य का बड़ा नुकसान हो रहा।

रिफार्म की ऐसी चोट

छत्तीसगढ़ में ये गजबे हो रहा है। रिफार्म हो रहा किसी और विभाग में और उसका इफेक्ट दिख रहा दूसरे विभाग में। हम बात कर रहे पंजीयन और राजस्व महकमे की। पंजीयन विभाग ने सबसे पहले रजिस्ट्री के साथ ऑटोमेटिक नामंतरण प्रारंभ किया। फिर पंजीयन में ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता खतम की और अब रजिस्ट्री के 70 बिंदु वाले नियमों का सरलीकरण कर 15 कर दिया। पंजीयन विभाग में किए गए इन ऐतिहासिक सुधारों ने राजस्व विभाग के मुलाजिमों का बड़ा नुकसान कर डाला। तहसीलदारों से लेकर पटवारियों का इन्हीं तीनों कामों के लिए लोगों को चक्कर लगाना पड़ता था। मगर सरकार ने सुधार करके बड़ा गड़बड़ कर डाला। इस विभाग के लोगों की 70 परसेंट आमदनी इन्हीं तीनों चीजों से होती थी। रोड की जमीन को पटवारी कागजों में भीतर बता देते थे तो ऋण पुस्तिका बनवा लेना आसान काम नहीं था। मगर अब आलम यह हो गया कि छत्तीसगढ़ में नायब तहसीलदार और पटवारी की नौकरी का जादुई आकर्षण खतम हो जाएगा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. फर्जी ईडी अफसर ने छत्तीसगढ़ के किन-किन आईएएस अधिकारियों से लाखों रुपए वसूल डाला?

2. क्या ये सही है कि डीजीपी कांफ्रेंस की कल समाप्ति के बाद कलेक्टर, एसपी की एक लिस्ट निकलेगी?

जैकेट के शेष

पति-पत्नी का आधार ...

अधिकारी और नेता, सबने दिया सिर्फ आश्वासन राशन और बैंक खाता बंद होने की समस्या को लेकर सुकलु और कमला कुंजाम, अपनी बेटी रेखा कुंजाम के साथ, पिछले दो वर्षों में कई बार सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नेताओं के पास गुहार लगा चुके हैं। हर जगह उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है, लेकिन आज तक इस यूनिक आधार त्रुटि को सुधारा नहीं गया है।

आवास योजना भी बनी प्रभावित : योजनाओं का लाभ नहीं मिलने का सबसे बड़ा उदाहरण तब सामने आया, जब इस परिवार को आवास योजना के तहत मकान बनाना था। एक ही आधार नंबर होने के कारण लाभार्थी के रूप में पात्रता नहीं मिल पाई। गरीबों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं में आधार कार्ड सबसे अनिवार्य दस्तावेज है, लेकिन जब यह आधार ही गलत हो, तो यह परिवार विकास के हर रास्ते से बाहर हो जाता है।

मिली है जानकारी : जानकारी मिली है आवेदन मंगवाया जा रहा है। संबंधित विभाग से सम्पर्क कर आधार नम्बर जल्द ही सुधरवाया जाएगा। - अविनाश ठाकुर एसडीएम

आधार नंबर की जुड़वाँ ....

साल पहले मजबूरी में सीएससी सेंटर से जब सुकलु कुंजाम का आधार निकाला गया, तो चौंकने वाली बात सामने आई, उनका और उनकी पत्नी कमला का आधार नंबर बिल्कुल एक जैसा था! इतना ही नहीं, दोनों के आधार कार्ड में उनकी जन्मतिथि भी एक ही दर्ज है -23.04.1965

गरीब की थाली पर....

एक ही हैं, जिससे सिस्टम उन्हें एक ही व्यक्ति मान रहा है। साथ ही आधार नंबर समान होने के कारण सुकलु कुंजाम का बैंक में खाता नहीं खुल पा रहा है। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने या मजदूरी का पैसा सीधे खाते में प्राप्त करने का उनका हक छिन गया है।

साय ने कहा- मेडिसिटी ...

तेलंगाना, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र सहित पूरे क्षेत्र को अत्याधुनिक, सुलभ और किफायती चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। 'नवा रायपुर मेडिसिटी' उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं, मेडिकल शिक्षा, अनुसंधान और मेडिकल टूरिज्म सभी को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराते हुए भारत के विकसित भविष्य की मजबूत आधारशिला बनेगी। अत्याधुनिक कनेक्टिविटी, व्यापक परिवहन नेटवर्क और भौगोलिक दृष्टि से रणनीतिक स्थिति नवा रायपुर को न सिर्फ छत्तीसगढ़, बल्कि ओडिशा, मध्यप्रदेश, झारखंड, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र जैसे पड़ोसी राज्यों के लिए भी उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख गंतव्य बना रही है। हर वर्ष 7 करोड़ से अधिक यात्री यहां के एयरपोर्ट और रेल सेवाओं का उपयोग करते हैं, और जल्द ही शुरू होने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के बाद मेडिकल टूरिज्म के विस्तृत अवसर यहां खुलने वाले हैं।

5,000 से अधिक बेड....

यूनिवर्सिटी, नर्सिंग कॉलेज और रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थापित किए जा रहे हैं ताकि डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल पेशेवरों की नई और सक्षम पीढ़ी तैयार हो सके। कार्डियोलॉजी, कैंसर साइंस, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, ऑर्गन ट्रांसप्लांट और मल्टी–स्पेशियलिटी अस्पतालों के साथ अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स लैब्स यहां स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयों पर ले जाएँगे। मरीजों और उनके परिजनों के लिए आवासीय परिसर, छात्रावास, होटल और धर्मशाला जैसी सुविधाएं इस पूरे क्षेत्र को एक व्यवस्थित ह्यूमन–सेंट्रिक मेडिकल जोन में बदल देंगी। 'वॉक-टू-हॉस्पिटल' मॉडल, पर्यावरण अनुकूल डिजाइन, सुगम सार्वजनिक परिवहन कनेक्टिविटी और पीएमजेएवाई व सीजीएचएस जैसी योजनाओं के तहत किफायती उपचार सेवाएं इस परियोजना को पूरी तरह समावेशी बनाती हैं।

यह फोरम नेशनल ....

है। सत्र के दूसरे दिन आठ घंटे की चर्चा के बाद पीएम ने एक्स पर किया ट्वीट करते हुए लिखा कि रायपुर में डीजीपी-कान्फ्रेंस में भारत के सिक्योरिटी सिस्टम के अलग-अलग पहलुओं पर गहराई से चर्चा हुई। यह इस क्षेत्र में बेस्ट प्रैक्टिस और इनोवेशन को शेयर करने के लिए एक शानदार फोरम है।

प्रथम पेज के शेष

थम गई दुनिया भर ...

अचानक गिरने की वजह से एअरक्राफ्ट में कई यात्री घायल हुए थे। इसके बाद फ्लाइट को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। इस घटना के बाद अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने जांच शुरू की। वहीं दुनिया भर की एअरलाइंस ने इसके बाद जरूरी अपडेट की तैयारी शुरू कर दी है। इसकी वजह से कई फ्लाइट्स का संचालन प्रभावित हो रहा है। भारत में इसका असर ज्यादा दिख रहा है। इसकी वजह यहां पर ए 320 विमान का ज्यादा इस्तेमाल है। भारत में इस फैमिली के लगभग 338 विमान पर सॉफ्टवेयर अपडेट का असर है, जो इंडिगो और एअर इंडिया इस्तेमाल करते हैं।

रजिस्ट्री पर ब्रेक...

कि राज्य शासन ने नई गाइडलाइन दरें लागू कर दी हैं, लेकिन अभी आधिकारिक हस्ताक्षरयुक्त बुकलेट जारी नहीं की गई है। इससे खरीदार और रजिस्ट्रार कार्यालय दोनों उलझन में हैं। कई स्थानों पर रजिस्ट्री प्रक्रियाएं रुकी हुई हैं। इससे पहले जब छोटे प्लाट की रजिस्ट्री पर प्रतिबंध लगा था रजिस्ट्री पर असर पड़ ही चुका है।

जिला पंजीयन कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले एक सप्ताह में रजिस्ट्री एक चौथाई भी नहीं हो रही है। रजिस्ट्री कराने पहुंचने वाले लोग भटकते रहे और पूरा पंजीयन कार्यालय लगभग खाली सा दिखाई दे रहा है। ध्यान रहे कि शासन की ओर से नई गाइडलाइन 20 नवंबर से प्रभावी की गई है। गाइडलाइन लागू होते ही जिलेभर में जमीनों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया थम गई। कई लोग तय तारीख पर दस्तावेजों के साथ पंजीयन कार्यालय पहुंचे, लेकिन उन्हें वापस लौटना पड़ा। उनका कहना है कि नई गाइडलाइन की वजह से रजिस्ट्री के लिए पहले से तय प्लान गड़बड़ा गया है। वे पिछले दो दिनों से दस्तावेज लेकर घूम रहे हैं। आवेदक बार-बार अधिकारियों से पूछ रहे हैं कि रजिस्ट्री कब शुरू होगी। टोकन कटवाने वालों में भी भ्रम की स्थिति है। कई लोगों को लग रहा है कि उनकी रजिस्ट्री रोकी जा रही है।

हमने मारे आतंकी ...

कार्यवाही संतुलित होने के साथ ही बिना किसी उकसावे वाली थी। जिसमें हमने केवल पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी शिविरों को ही नष्ट किया। लेकिन सीमा पर बनी हुई असामान्य स्थिति के लिए पूरी तरह से पाकिस्तान ही जिम्मेदार है। क्योंकि उसके दुर्व्यवहार की वजह से ही सीमाई हालात सामान्य नहीं हो पाए हैं। रक्षा मंत्रालय ने 29 नवंबर को एक बयान जारी कर रक्षा मंत्री के भाषण को सार्वजनिक किया है।

नौसेना की बढ़ेगी समुद्री क्षमता एमडीएल ने सौंपा तारागिरी युद्धपोत

- प्रोजेक्ट 17-ए का एक बहुउद्देशीय जंगी युद्धपोत है तारागिरी, जिससे समुद्री चुनौतियों से निपटना आसान होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की पाकिस्तान से लगी हुई पश्चिमी सीमा पर बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच नौसेना अपनी मारक क्षमता को लगातार चाक-चौबंद बनाए रखने के अभियान में जुटी हुई है। जिसका स्पष्ट प्रमाण हर थोड़े अंतराल के बाद बल के बेड़े में शामिल हो रहे स्वदेशी जंगी प्लेटफार्म से देखने को मिलता है। इसी क्रम में शनिवार को मुंबई स्थित मझगांव डाकयार्ड लिमिटेड (एमडीएल) ने नौसेना को नीलगिरी श्रेणी यानी प्रोजेक्ट 17-ए के तहत निर्मित तीसरा उन्नत स्टेल्थ युद्धपोत तारागिरी (यार्ड 12653) सौंप दिया है। मूलरूप से यह एक बहुउद्देशीय भूमिका में शानदार प्रदर्शन करने वाला पोत है। जिसे समुद्री क्षेत्र में वर्तमान और भावी चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस श्रेणी के तीन अन्य जहाज अगले साल 2026 तक नौसेना को मिलने की संभावना है। जिनमें से एक का निर्माण एमडीएल में और बाकी दोनों कोलकाता स्थिति जीआरएसई में निर्माणाधीन हैं। यहां बता दें कि आने वाले समय में तारागिरी युद्धपोत को औपचारिक रूप से नौसेना में कमीशन किया जाएगा।

तारागिरी की खासियत

नौसेना ने बताया कि तारागिरी युद्धपोत बल द्वारा प्रयोग किए गए पूर्व आईएनएस तारागिरी युद्धपोत का ही एक नया रूप है। पूर्व तारागिरी लिएंडर श्रेणी का युद्धपोत था और बल में उसका करीब 33 वर्षीय सेवाकाल 16 मई 1980 से 27 जून 2013 तक रहा है। नीलगिरी श्रेणी के युद्धपोतों में पी-17 (शिवालिक) की तुलना में उन्नत हथियार और सेंसर सूट लगे हैं।

जहाज संयुक्त डीजल, गैस प्रणोदन संयंत्र से लैस है। जिनमें एक डीजल इंजन और एक गैस टरबाइन शामिल है। तारागिरी का कुल वजन 3 हजार 510 टन, लंबाई 149 मीटर और चौड़ाई 17.8 मीटर है। वहीं, दुश्मन के हौसले तोड़ने के लिए इसमें ब्रह्मोस मिसाइल, एमएफ-स्टार रडार, एमआरएसएएम कॉम्प्लेक्स, 76 मिमी. एसआरजीएम, 30 मिमी. और 12.7 मिमी. निकट रक्षा हथियार प्रणालियों के संयोजन के अलावा पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए रॉकेट और टॉरपीडो भी लगाए गए हैं। नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) द्वारा डिजाइन और निरीक्षण दल (मुंबई) की निगरानी में तारागिरी का निर्माण कार्य किया गया है।

11 महीने में नौसेना को मिला चौथा जहाज

पिछले 11 महीने में तारागिरी के रूप में नौसेना को चौथा जहाज मिला है। पहले दो जहाजों के निर्माण से मिले अनुभव के आधार पर तारागिरी के निर्माण की अवधि को घटाकर 81 महीने कर दिया गया। जबकि प्रथम श्रेणी (नीलगिरी) के निर्माण में 93 महीने लगे थे। तारागिरी की बात करें तो ये युद्धपोत नौसेना के डिजाइन, स्टेल्थ, मारक क्षमता, स्वचालन और उत्तरजीविता में एक बड़ी छलांग को दर्शाता है। इसके अलावा ये युद्धपोत निर्माण में देश की आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है।

युद्धपोत में लगी 75 फीसदी स्वदेशी सामग्री

युद्धपोत की डिलीवरी देश की डिजाइन, जहाज निर्माण और इंजीनियरिंग क्षमता को प्रमाणित करती है। इसमें 75 फीसदी स्वदेशी सामग्री लगाई गई है। परियोजना में 200 से अधिक सूक्ष्म एवं लघु उद्योग (एमएसएमई) शामिल रहे हैं। जिससे 4 हजार कर्मियों को प्रत्यक्ष रूप से और 10 हजार से अधिक कर्मियों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है।

मप्र के सभी टाइगर रिजर्व में अब नाइट सफारी बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नर्मदापुरम

मध्यप्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व में अब नाइट सफारी नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट के 17 नवंबर को दिए गए आदेश के बाद 1 दिसंबर 2025 से प्रदेशभर में रात्रिकालीन सफारी पर पूरी तरह रोक लगाई जा रही है।

जिन पर्यटकों ने पहले से एडवांस बुकिंग कर रखी है, उन्हें पूरी राशि वापस की जाएगी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) शुभरंजन सेन ने इस संबंध में सभी टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टरों को आदेश जारी कर दिए हैं। इसके तहत सतपुड़ा टाइगर रिजर्व समेत प्रदेश के सभी रिजर्व में नाइट सफारी तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार 1 दिसंबर से बफर क्षेत्रों में संचालित रात्रिकालीन सफारी पर प्रतिबंध रहेगा।

अब तक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पिपरिया बफर, बागड़ा बफर और देलाखारी बफर क्षेत्रों में दिन और रात दोनों समय सफारी संचालित होती थी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इलेक्ट्रिकल (TR-D) सम्बंधित कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना

1. निविदा क्र.: TRD_NAG_Tender_25-26_18 दिनांक: 18.11.2025
कार्य का नाम: नागपुर मंडल के टीआरडी विभाग अंतर्गत दो साल के लिए न्यूमेटिक, इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक, इलेक्ट्रिकल कंट्रोल सिस्टम, ऑल्टरनेटर, लिफ्टिंग प्लेटफॉर्म और टावर कारों के अन्य सहायक उपकरण का मासिक/मामूली रखरखाव/मरम्मत।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 2,07,01,331/-
बयाना राशि: ₹ 2,53,500/-
इलेक्ट्रॉनिक ऑफर जमा करने की अंतिम तिथि (ऑन-लाइन): दिनांक 10.12.2025 के 15:00 बजे तक।

2. निविदा क्र.: TRD_NAG_Tender_25-26_25 दिनांक: 20.11.2025
कार्य का नाम: परमलकसा स्टेशन पर प्रस्तावित अतिरिक्त लूप लाइन के लिए OHE में बदलाव।
IRPSM ID: 13.02.16.24.3.51.006
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 89,21,662/-
बयाना राशि: ₹ 1,78,400/-

3. निविदा क्र.: TRD_NAG_Tender_25-26_27 दिनांक: 04.11.2025
कार्य का नाम: डुमरीखुर्द स्टेशन पर प्रस्तावित अतिरिक्त लूप लाइन हेतु OHE में बदलाव।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,01,62,907/-
बयाना राशि: ₹ 2,00,800/-

4. निविदा क्र.: TRD_NAG_Tender_25-26_23 दिनांक: 04.11.2025
कार्य का नाम: नागपुर मंडल में ट्रेनों के सुरक्षित ऑपरेशन के लिए रनिंग ट्रैक के OHE से सेफ्टी क्लीयरेंस में आने वाली पेड़ों की डालियों को काटना / छंटाई करना।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,73,06,000/-
बयाना राशि: ₹ 2,36,500/-

निविदा अनुक्रमांक 2, 3 और 4 के लिए- इलेक्ट्रॉनिक ऑफर जमा करने की अंतिम तिथि (ऑन-लाइन): दिनांक 12.12.2025 के 15:00 बजे तक।
उपरोक्त निविदा की अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता - टीआरडी, द.पू.म. रेलवे, नागपुर
MS/44-201
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

प्रथम पेज के शेष

बीवी से झगड़कर पिता बच्ची के साथ पहुंचा रायपुर ...

स्टेशन के बाहर सो रहा था, इस दौरान कोई अज्ञात प्रशांत की बेटी को चोरी कर ले गया। स्टेशन परिसर के पार्किंग में लगे सीसीटीवी कैमरे की पड़ताल करने पर एक महिला दो-तीन बच्चों के साथ प्रशांत की बेटी को अपने साथ खींचकर ले जाती हुई दिख रही है।

मौलाना मदनी बोले- सुप्रीम कोर्ट को 'सुप्रीम' ....

लोग भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने में कोई शर्म महसूस नहीं करते। न ही उन्हें पूरे समुदाय को ठेस पहुंचाने की परवाह है। ये तो पुराने दौर से चला आ रहा है। कहीं पर कोई आतंकवादी घटना हो जाती है तो उसको जिहाद बता दिया जाता है। मुसलमानों के ऊपर गलत आरोप लगाए जाते हैं। जब-जब जुल्म होगा तब-तब जिहाद होगा। मदनी ने कहा- इस्लाम में, कुरान में 'जिहाद' का इस्तेमाल कई तरह से किया गया है। इसका इस्तेमाल किसी के कर्तव्य, और समाज और इंसानियत की भलाई के लिए किया गया है। जब इसका इस्तेमाल जंग के लिए किया गया है, तो इसका इस्तेमाल जुल्म और हिंसा को खत्म करने के लिए किया गया है। इसलिए जब जब जुल्म होगा तब तब जिहाद होगा।महमूद मदनी ने हा, "देश के मौजूदा हालात बहुत संवेदनशील और चिंताजनक हैं। दुख की बात है कि एक समुदाय को कानूनी तौर पर कमजोर, सामाजिक रूप से अलग-थलग और आर्थिक रूप से बेदखल किया जा रहा है। मॉब लिंचिंग, बुलडोजर एक्शन, वक्फ प्रॉपर्टी पर कब्जा और धार्मिक मदरसों और सुधारों के खिलाफ निगेटिव कैंपेन चलाए जा रहे हैं। आज मुसलमान रास्ते पर अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हैं। मदनी ने कहा कि आज कदम कदम पर मुसलमानों को नफरतों का सामना करना पड़ता है। अब हमें तैयार भी होना पड़ेगा। घर वापसी के नाम पर किसी खास धर्म में शामिल करने वालों को खुली छूट हासिल है। उनके खिलाफ कोई सवाल नहीं उठाता है।

एसआईआर चलाया हुआ है- मदनी: मौलाना महमूद मदनी ने कहा, एसआईआर भी चलाया हुआ है और यह एक बहुत ही अहम मामला है। अगर हम इस पर नजर रखेंगे तो हम निराशा से बच सकते हैं। मायूसी कौम के लिए जहर है और जिंदा कौम हो तो कहना ही क्या। देश के 60 प्रतिशत लोग चुप बैठे हुए हैं।

गिनती नहीं सुनाने पर प्रधान पाठक...

चुके प्रधान पाठक ने बच्चे के गालों पर थप्पड़ की बरसात कर दी। प्रधान पाठक की पिटाई से बच्चे का चेहरा सूज गया है और आंख में खून उतर आया। इस घटना से परिजन आक्रोशित हैं। इधर इस मामले की शिकायत परिजन ने पुलिस से भी की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके साथ ही डीईओ ने पिटाई करने वाले शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बच्चे के साथ मारपीट का यह मामला रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पलगी अंतर्गत प्राथमिक शाला जावाखाड़ी का है। बताया जा रहा है कि 28 नवम्बर को कक्षा दूसरी में पढ़ने वाला 7 वर्षीय छात्र प्रतिदिन की तरह स्कूल गया था। भोजन अवकाश के बाद प्रधान पाठक उदय कुमार यादव ने छात्र को गिनती सुनाने को कहा। गिनती सुनाने के दौरान जैसे ही छात्र ने गलती की तो प्रधान पाठक ने बच्चे के दोनों गाल पर थप्पड़ जड़ दिए जिससे बच्चे ने डरकर सिर झुका लिया। छात्र के सिर झुकाने से शिक्षक और भी नाराज हो गए और उन्होंने इस छात्र दोनों गालों पर थप्पड़ मारना शुरू कर दिया। शिक्षक की पिटाई से बच्चे का गाल सूज गया। स्कूल की छुट्टी होने पर जब छात्र घर पहुंचा तो उसने मामले की शिकायत परिजन से की जिसके बाद परिजन का आक्रोश भड़क उठा। छात्र के पिता धनंजय यादव का आरोप है कि शिक्षक अक्सर नशे में ही स्कूल आते हैं। धनंजय यादव ने मामले की शिकायत त्रिकुंडा पुलिस से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस घटना को लेकर क्षेत्र के लोगों में भी रोष है। शिकायत के बाद पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

की गई है कार्रवाई : छात्र के साथ मारपीट के शिकायत की जांच कराई गई। जांच में मारपीट की पुष्टि होने के बाद प्रधान पाठक को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही मामले की जांच चल रही है। **-मनीराम यादव, डीईओ**

एमएमसी जोन के एसजेडसी मेंबर ने ...

है। इसके अलावा डीवीसी मेम्बर नागसु उर्फ गोलू तथा रानो उर्फ रम्मो ने भी हथियार डाले हैं। इस तरह कुल 11 नक्सलियों ने समर्पण किया है। विकास पर सर्वाधिक 25 लाख और नागसु और रानो पर क्रमशः 16-16 लाख रुपए का ईनाम था। अन्य नक्सलियों पर 6 से 2 लाख रुपए के ईनाम थे।

पहले मोहलत मांगी, फिर कर दिया समर्पण: समर्पण से एक दिन पहले एमएमसी जोन के प्रवक्ता अनंत के रूप में विकास ने तीनों राज्य के पुलिस से 01 जनवरी 2026 तक मोहलत मांगी थी, लेकिन अचानक सभी ने गोंदिया जिले के दर्रेकसा क्षेत्र में समर्पण कर दिया। समर्पित नक्सलियों का नक्सल डीआईजी अंकित गोयल के अलावा अन्य अफसरों ने स्वागत किया। विकास ने समर्पण के दौरान एके-47 को पुलिस के हवाले कर दिया। इसी तरह एसएलआर और इंसास के अलावा अन्य हथियार भी नक्सलियों ने पुलिस को सौंप दिया।

छग और एमपी में नहीं बना माहौल: हार्डकोर नक्सली विकास के छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में समर्पण नहीं करने को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही है। बताया जा रहा है कि दोनों राज्य दर्रेकसा दलम के नक्सलियों को समर्पण के लिए उन्मुक्त माहौल बनने का विश्वास दिलाने में पीछे रह गए। पिछले दिनों बोरतलाव में हुए नक्सल-पुलिस मुठभेड़ में शहादत की घटना के कारण भी विकास और उनके साथी दोनों राज्य में समर्पण करने से बिदक गए। इस घटना के बाद से राजनांदगांव-बालाघाट की पुलिस नक्सलियों की सरगर्मी से तलाश कर रही थी।

कैबिनेट मंत्री प्रहलाद...

करते हुए कहा कि डॉ. हिमांशु अपने पिता के पदचिन्हों पर चले और आज वह पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और कद अलग रूप से रखते हैं। आज वे अहम मुकाम पर हैं, यह उनके पिता की सीख और शिक्षा का ही नतीजा है। कैबिनेट मंत्री पटेल ने इस अवसर पर डॉ. हिमांशु को स्व-लिखित पुस्तक 'परिक्रमा' की एक प्रति भी भेंट की ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई–निविदा सूचना संख्या: 59-एसटी-टेंडर-2025 दिनांक : 22.11.2025.
कार्य : "बिलासपुर मंडल के CPH-KRBA सेक्शन में महत्वपूर्ण डीसी ट्रैक सर्किट के साथ स्टैंडबाय MSDAC के प्रावधान के माध्यम से विश्वसनियता में सुधार।
निविदा मूल्य : ₹ 2,29,89,609.56/– (रुपये दो करोड उन्नतीस लाख नवासी हजार छः सौ नौ और छप्पन पैसे मात्र)। अमानत राशि : ₹ 2,65,000/– (रुपये दो लाख पैसठ हजार रूपये मात्र), निविदा का जमा होना: 15.12.2025 के 15:00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी http://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई–टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।
मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (सीआईसी)
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर
CPR/10/488
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई–निविदा सूचना संख्या: 79-एसटी-टेंडर-2025 दिनांक : 21.11.2025.
कार्य : "बिलासपुर मंडल के खोंदरी, खोंगसरा, बेलगहना, सारबहरा स्टेशनों पर दोहरी VDU व्यवस्था और सिवनी स्टेशनों पर हॉट स्टैंडबाय व्यवस्था के साथ दोहरी VDU व्यवस्था का प्रावधान।
निविदा मूल्य : ₹ 3,48,08,723.81/– (रूपये तीन करोड अड़तालीस लाख आठ हजार सात सौ तेईस और इक्यासी पैसे मात्र)। अमानत राशि : ₹ 3,24,100/– (रूपये तीन लाख चौबीस हजार एक सौ रूपये मात्र), निविदा का जमा होना: 15.12.2025 के 15:00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी http://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई–टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।
मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (सीआईसी)
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर
CPR/10/491
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सार्वजनिक अधिसूचना
प्रोफार्मा 10-01

एसईसी रेलवे पर रायपुर डिवीजन में अभनपुर जंक्शन (स्थान क्रमांक 22/5 (सीएच. 22256.00 एम) – कुरूद स्थान क्रमांक 45/5 सीएच. 45259.00 एम. बीजी लाइन को छोड़कर) से पूरी हो चुकी लाईन में स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्‌द्वारा सूचित किया जाता है कि 25,000 वोल्ट, 50 हर्टज एसी ओवरहेड ट्रैक्शन तारों को हर समय निर्दिष्ट किया जाता है कि 25,000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज एसी ओवरहेड ट्रैक्शन तारों को हर समय निर्दिष्ट तिथि को या उसके बाद चालू रखा जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति ओवरहेड लाइन के निकट नहीं आएगा या काम नहीं करेगा।

स्थान	मण्डल	तारीख
अभनपुर जंक्शन को छोड़कर (स्थान क्रमांक 22/5 (CH22256.00M) कुरूद स्थान क्रमांक 45/5 सीएच. 45259.00 एम. (R.K.M.-23/T.K.M.-25.562)	रायपुर द.पू.म. रेलवे	10.12.2025

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)
द.पू.म. रेलवे, रायपुर
CPR/10/FL/494
South East Central Railway @secrail

शब्द पहेली - 6063

बाएँ से दाए

1.ईष्ट कृपा, वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा, बैर-3
11.जंगल, वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा, लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय, घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी, मदमस्त-4
7.यज्ञ, होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 6062 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

सूडोकु नवताल- 6073

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6072 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

खबर संक्षेप

एक्सीडेंट में युवक की मौत, जुर्म दर्ज

महासमुंद। एक्सीडेंट में युवक की मौत के मामले में आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध सिटी कोतवाली में अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतक धनंजय पिता दिलीप मिरी निवासी खट्टी महासमुंद हर्ष केशर के पास अपनी ट्रैक्टर में गिट्टी लोड कर पर्ची बनाकर लौट रहा था, इसी दौरान पीछे से टाटा आइसर क्रमांक सीजी 06 जीजी 3286 के चालक के द्वारा अपने वाहन को तेजी व लापरवाहीपूर्वक पीछे करते हुए मृतक को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, जिसे मृतक के सिर, दाहिने पैर आदि जगह गंभीर चोट लगी। आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध धारा 281, 125(ए), 106(1) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है।

बाईपास पर कार अनियंत्रित होकर पलटी, युवक की मौत

भाटापारा। ग्रामीण थाना टीआई लखेश केंवट ने जानकारी देते हुए बताया बीती रात में खोखली बाईपास पर एक कर क्रमांक सीजी O4 एनएच 1231 अनियंत्रित होकर खेत में पलट गया है रात भर किसी को सूचना नहीं मिला। सुबह सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पूछताछ व जानकारी लेने पर पता चला कि मृत व्यक्ति का नाम गोवर्धन जो पड़कीडीह थाना सुहेला का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि मृतक कार से अकेले हथबंद से लौट रहा था और उसकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई रात्रि का समय होने के कारण उस मार्ग पर आवाजाही नही हुई जिसके कारण मृतक रात भर घायल अवस्था मे पडा रहा ज्यादा लम्बे समय तक घायल व समय पर उपचार नही मिलने के कारण उसकी मौत हो गई।

611 कट्टा धान से भरा ट्रक जब्त, 20 दिनों में 22 लाख का धान पकड़ा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

समर्थन मूल्य पर प्रदेश में हो रही धान खरीदी के बीच पड़ोसी राज्यों से अवैध रूप से धान खपाने का क्रम जारी है। इस कड़ी में मैनपुर विकासखंड के अमलीपदर पुलिस ने 611 कट्टा धान के साथ ट्रक को जब्त किया है। देर रात मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए अमलीपदर पुलिस ने कांडेकेला के मक्का बाड़ी में डंप धान और ट्रक को जब्त किया ट्रक में 415 बोरी डंप के साथ बाड़ी में डंप 196 बोरी धान को जब्त किया गया है, जिसकी कीमत साढ़े सात लाख रुपए आंकी गई है। इसके पहले भी पुलिस ने धान से भरे आधा दर्जन वाहन जब्त कर चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार गरियाबंद पुलिस द्वारा दीगर राज्य से आने वाले अवैध धान परिवहन एवं बिक्री करने वालों के विरूद्ध पिछले 20 दिवस में 714.4 क्विंटल कीमती 22 लाख 14 640 हजार रूपये का अवैध धान जब्त किया गया।

वैध कागजात नहीं दिया

मुखबीर द्वारा थाना अमलीपदर को सूचना मिला की ओड़िशा प्रांत से अवैध रूप से धान बिक्री के लिए परिवहन कर रहा है। जिसकी सूचना तस्दीक पर थाना से पुलिस स्टाफ रवाना कर चेक पोस्ट में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग किया जा रहा था। चेकिंग के दौरान 611 कट्टा कुल (244.4 क्विंटल) कीमती 07 लाख 57 हजार 640 रूपये का अवैध धान परिवहन करते ट्रक क्रमांक सी.जी. 04 जे.डी. 0761 को थाना अमलीदर के द्वारा जप्त किया गया। इसी प्रकार विगत 20 दिनों से विशेष अभियान चलाकर थाना देवभोग एवं थाना अमलीदर के द्वारा धान के अवैध परिवहन एवं बिक्री करते अलग-अलग कुल 22 प्रकरणों में 1786 कट्टा 714.4 क्विंटल अवैध परिवहन एवं बिक्री करते हुए पकड़ा गया। धान के परिवहन एवं बिक्री करने के संबंध में वैध कागजात मांगने पर किसी भी प्रकार का कागजात पेश नहीं करने पर अवैध धान परिवहन के संबंध में कार्यवाही कर संबंधित विभाग को सुपुर्द किया गया। अवैध धान बिक्री एवं परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही आगे भी जारी रहेगा।

डिजिटल अरेस्ट व शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶|राजनांदगांव

डिजिटल अरेस्ट और फर्जी शेयर ट्रेडिंग के दो बड़े साइबर फ्राड का खुलासा पुलिस ने किया है। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत अज्ञात साइबर ठगों द्वारा स्वयं को एयरटेल कर्मचारी, फिर सीबीआई अधिकारी और बाद में "जज" बताकर 79 वर्षीय बुजुर्ग महिला को वीडियो कॉल पर मनी लांड्रिंग के केस में फंसे हो कहकर डराया और व्हाट्सअप वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट का झांसा देते मनी लांड्रिंग केस में फर्जी जज बनकर सुनवाई के दौरान कहा कि उनके खाते की रकम को जज के खाते में आरटीजीएस करें। जिससे उनकी

निर्दोषता साबित होगी, डर के कारण पीड़िता ने ठगों के बताए बैंक खातों में 79,69,047 रुपए ट्रांसफर कर दी। प्रार्थिया के सूचना पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मोबाइल, एटीएम व चेकबुक जब्त

पत्रकारवार्ता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा ने बताया कि पुलिस ने आरोपी धीरज सिंह, अरविंद ठाकुर, डिम्पल सिंह यादव को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। दोनों प्रकरणों में आरोपियों के कब्जे से बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, आधार, पैनकार्ड एवं 5 नग मोबाइल फोन जब्त किया है।

ट्रक ने वृद्ध महिला को कुचला मौके पर मौत, ड्राइवर गिरफ्तार

बालोद। थाना क्षेत्र के ग्राम मेढ़की में एक दर्दनाक हादसा सामने आया। ट्रक क्रमांक सीजी 08 एएफ 8199 ने सड़क से गुजर रही एक वृद्ध महिला को कुचल दिया। घटना स्थल पर ही महिला की मौत हो गई। आरोप है कि ड्राईवर शराब के नशे में धुत था। हादसे के बाद ग्रामीणों ने मौके पर ही ट्रक ड्राइवर को पकड़ लिया। मृतका की पहचान मकतूला साहू 75 वर्ष के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह ग्राम सभा से पैदल अपने घर लौट रही थीं, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। मामले मे पुलिस पर बालोद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लेखु भी ग्राम मेढ़की का ही बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि वह ट्रक को लेकर अपने गांव आया था और इसी दौरान हादसा हो गया। घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नशे में वाहन चलाने की वजह से यह दर्दनाक दुर्घटना हुई है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

22 हजार नकद जब्त चार, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गिधौरी

समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर 28 नवंबर की रात्रि थाना गिधौरी एवं साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा डबरी तालाब के पास ग्राम गिधौरी में जुआ खेलते हुए 4 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जुआरियों से नगदी रकम 21,550 एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया गया है। आरोपी जुआरियों के विरूद्ध थाना गिधौरी में छ.ग. जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है। आरोपी जुआरी - 1. गुलाब टंडन उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम मुड़पार

थाना बिलाईगढ़ जिला-सारंगढ़ बिलाईगढ़ 2. चंद्रकांत वैष्णव उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम बलौदा थाना गिधौरी 3. बिजेंद्र वर्मा उम्र 48 वर्ष निवासी ग्राम गिधौरी थाना गिधौरी 4. अमित बंजारे उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम गिधौरी थाना गिधौरी।

ज्वेलरी शॉप में चोरी का फरार आरोपी गिरफ्तार, लाखों के जेवर जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

प्रार्थी रजनीश केसरवानी निवासी बलौदाबाजार द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि वह राजा सोना चांदी ज्वेलर्स दुकान का संचालक है। कि घटना दिनांक 16.11.2025 की दरम्यानी रात को अज्ञात आरोपी द्वारा उसकी दुकान के चैनल गेट में लगे ताला को तोड़कर, शटर उठाकर दुकान में रखे सोने चांदी के जेवर एवं नगदी रकम 10,000 कुल कीमती 3,50,000 को चोरी कर लिया गया है। पिोर्ट पर थाना

सिटी कोतवाली में अ33/2025 धारा 351(4),305 बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में थाना सिटी कोतवाली एवं साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा एक आरोपी धनेश निषाद को गिरफ्तार कर 1,00,000 कीमत मूल्य का सोने चांदी का जेवर बरामद किया गया था, किंतु प्रकरण में शामिल अन्य आरोपी अभी भी फरार थे, जिनकी सरगर्मी से पता तलाश की जा रही थी। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली एवं सायबर सेल की संयुक्त पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना कार्यवाही करते हुए प्रकरण में संलिप्त फरार अन्य आरोपियों का लगातार पता तलाश किया जा रहा था।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 सुरक्षा गार्ड 56 वेतन योग्यतानुसार (आवास फ्री) संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, FF 6 जे शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ 7747000019, 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

सेल्स ऑफिसर

आयश्यकता है- एक अग्रणी 100 वर्ष पुराना समूह, जो वन-स्टॉप कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशन के रूप में अपनी विरासत रखता है, 1. सेल्स ऑफिसर प्रोजेक्ट्स – रायपुर 2. सेल्स ऑफिसर प्रोजेक्ट्स – जगदलपुर 3. सेल्स ऑफिसर – कोंडागांव 4. सेल्स एक्जीक्यूटिव – HW पेंट्स काउंटर (रायपुर) 5. सेल्स ऑफिसर – कांकेर 6. सेल्स ऑफिसर – ऑल एरिया मुख्य कार्यालय रायपुर , शाखा कार्यालय जगदलपुर । WhatsApp पर अपना CV भेजें: 9685946665, या कॉल करें: 9685946665. Raj enterprises | Imdadi Buildmart | Imdadi Sons (RO-6580)

शोरूम कार्य

आवश्यकता है- शो-रूम में काम करने के लिए ईमानदार व परिश्रमी मेल/ फिमेल स्टाफ चाहिए फ्रेशर /कम पढ़े लिखे भी संपर्क कर सकते है क्लासिक फर्निशिंग, एम. जी. रोड़ 9826666654. (RO-398)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) में काम करने के लिए लड़का/ लड़की की आवश्यकता एवं अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है मोबाइल 7067048454. (RO-6582)

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में काम करने हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है संपर्क:- दीपक साउंड सर्विस फूल चौक, जोरापारा, काली माता मंदिर के पास मोबाइल:- 98271-14645, 91311-39179.(RO-393)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिकस दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। संपर्क करें स्काई ट्रेक/ स्काई विजन एआर चार द्वितीय तल आर.डी.ए. बिल्डिंग शारदा चौक रायपुर 0771 2221600, 7987939646.(RO-6578)

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- एरिया सिक्युरिटी ऑफिसर (ASO) सुरक्षागार्ड, की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- ए 1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247247744, 9981210369. (RO-39258)

मिस्त्री/कुली

आवश्यकता है- प्लांट में निर्माण कार्य हेतु दैनिक वेतन पर मिस्त्री 100 पद, कुली 200 पद बढ़ई 200 पद, लोहार 200 पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7000087500, 8602002511, 8234976143.(RO-39274)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव

आवश्यकता है- अनुभवी म्युचुअल फंड्स फाइनेंशियल संबंधित कार्य हेतु सेल्स मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें - 9753122222. (RO-4044)

आवश्यकता है- मेडिकल इक्विपमेंट (Medical equipments) की मार्केटिंग के लिए लड़के की आवश्यकता है . Contact AG ENTERPRISES KAMAL VIHAR RAIPUR M- 9329358582, 8435958582. (RO-30386)

ऑपरेटर/डिजाइनर

आवश्यकता है- डीटीपी ऑपरेटर/ग्राफिक्स डिजाइनर 2 पोस्ट ऑफिस बॉय 1 पोस्ट संपर्क करें - साहू कॉम्प्लेक्स, टिकरापारा, रायपुर मो. 9826119520, 9981094302.(RO-6579)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना 8770508791, 7225815090.(RO-801)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10,000/- +कमीशन +बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री संपर्क:- 7870192397, 7796880121.(RO-385)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

ड्रायवर

आवश्यकता है- शंकरनगर ऑफिस में - (1)कार चलाने हेतु अनुभवी , कुशल ड्राईवर (2)ऑफिस गर्ल की आवश्यकता है जो ऑफिस की साफ-सफाई व अन्य कार्यों में सहायता करें। बायोडाटा सहित संपर्क करें:- 9300532000 / 9893132000.(RO-1710)

आवश्यकता है- पंडरी रायपुर में घरेलु वाहन चलाने के लिए ड्रायवर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार कृपया संपर्क करें 9111536699, 9009108903.(RO-578)

असिस्टेंट/टेक्नीशियन

आवश्यकता है- स्कूल हेतु रिसेप्शनिस्ट लैब असिस्टेंट कंप्यूटर टेक्नीशियन ड्राइवर, गार्ड , आया, बढ़ाई, एवम घर कार्य हेतु महिला कुक एवं सफाई कर्मी संपर्क - मॉडल इंग्लिश स्कूल, सिविल लाइन ,रायपुर । मोबाइल 9329621221, 9425214413. (RO-394)

मार्केटिंग/इंजीनियर

आवश्यकता है- (1) पुरुष मेडिकल मशीन की मार्केटिंग एवं सर्विस इंजीनियर (2) ऑर्थोपेडिक एवं TKR THR Joints की सर्जरी कराने (3) सामान लाने लेजाने+ आफिस जनरल काम हेतु (4) महिला PA ऑफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL, Word, email, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग) आफिस साफ सफाई चाय पानी। वेतन- 14000 से 30000 पता- भारत मेडिकल सिस्टम Sec11A, कमल विहार, रायपुर 9326609234, 9300335829.(RO-39261)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

गार्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- सुरक्षा-कर्मी रसमड़ा, जोरातराई हेतु सुरक्षा गार्ड /सुपरवाइजर की आवश्यकता है सेलरी 12500/-ग्रॉस एवं 11000/- नेट पी.एफ मेडीकल की सुविधा एवं रहते की सुविधा- 88712 29000, 7909857240. (आरो न.-4120)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के-लड़कियां एवं सेल्समैन-सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन 10000/- से 15000/- तक +कमीशन संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल:- 9329103178.(RO-387)

घरेलु नौकर

आवश्यकता है- रायपुर स्थित प्रतिष्ठित बंगले हेतु 12 एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय, जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है अनुभव 5-10 वर्ष शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 10वीं पास वेतन 25,000/- प्रतिमाह सुविधाएं रहने, खाने की व्यवस्था नि.शुल्क स्थान सिविल लाइन्स रायपुर अनुभवी और जिम्मेदार व्यक्ति ही संपर्क करें:- 9109125252, 9109972720.(RO-391)

आवश्यकता

आवश्यकता है- दवा कंपनी में कार्य हेतु 10वीं/12वीं पढ़े लड़के की आवश्यकता है दुर्ग भिलाई निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार 6000 से 7000 संपर्क- डॉ . एच. सी .अग्रवाल - 9617789223, 9425555659, समय 5से 8बजे ,पता- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकीज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (C.G) (आरो नं.-4119)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्समैन

आवश्यकता है- इंडियन आईल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सर्वो लुब्रिकेंट्स के वितरण कार्य हेतु ग्रेजुवेट अनुभवी सेल्समैन चाहिए। अनुभव 4 से 5 वर्ष एवं डिलवरी वाहन हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। कमर्शियल व्हीकल का लाइसेंस अनिवार्य। संपर्क:- 9425509393. (RO-740)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु ग्रेजुएट मेल फिमेल जिसको कम्प्युटर एंव हिन्दी इंग्लिश लैंग्वेज की अच्छी जानकारी हो उम्र 25 वर्ष प्लस वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा फोटो सहित संपर्क करें मों.-7587203616. (RO-6581)

आवश्यकता है- ऑफिस में कंप्यूटर कार्य कॉलिंग कार्य हेतु घरेलू कार्य खाना बनाना लड़की/ महिला चाहिए वेतन 5000 से 10000 रहना खाना सुविधा बायोडाटा भेजिए मारवाड़ी मैरिज ब्यूरो भारत माता चौक गुढ़ियारी रायपुर Call 9039321951. (RO-394)

आवश्यकता है- ऑफिस में पार्ट/ फुल टाइम काम युवती/ महिला चाहिए फ्रेशर, एक्टिव, वेतन 5 अंको में, सम्पर्क केवल वाट्सअप बायोडाटा पासपोर्ट फोटो इंटरव्यू में साथ लाये व भेजे 9229977000 पता: आफिस शाप नं.-117, या 120, कृष्णा कॉम्प्लेक्स, जिला न्यायालय के सामने, कचहरी चौक, रायपुर. (RO-399)

थेरेपिस्ट

आवश्यकता है- पंचकर्म थेरेपिस्ट 2 मेल योग्यता: 10वीं पास समय: सुबह 10 से शाम 7 आयुर्वेदिक क्लिनिक - स्मृति नगर भिलाई, बोरसी दुर्ग वेतन :7000-9000 संपर्क:7000836094. (आरो नं.-10311)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मैनेजर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- लेयर पोल्ट्री फार्म में रहकर काम करने हेतु। रहने की,बिजली की सुविधा फ्री है, मैनेजर कंप्यूटर का बेसिक अनुभव, पोल्ट्री का ज्ञान 25,000 सुपरवाइजर सीनियर 15 ,000, ड्राइवर हैवी लाइसेंस 13,000 ,चौकीदार 12,000 ,लेबर 9000, जय श्री पोल्ट्री फार्म NH 53 , होटल कोर्ट यार्ड के पास लाभांडी रायपुर 9826147575, 9425507575. (RO-749)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- रायपुर पेट्रोल पंप पर कर्मचारियों की अगर परिवार एवं ग्रुप इकट्ठा काम करें तो रहने की सुविधा संपर्क करें:- 9098349144 बाई एवं सफाई कर्मी भी संपर्क करें. (RO-396)

आवश्यकता है- रायपुर पेट्रोल पंप में पार्ट टाइम शाम (5:30 से 11:30) एवं नाइट ड्यूटी लड़के लड़कियों की, बैंक ऑफिस अनुभवी एडवांस एक्सल के लिए उम्मीदवार चाहिए :- 9425522234. (RO-397)

सीनियर असिस्टेन्ट

आवश्यकता है- Direct– joining (pura sal joining) Company- Meesho & Flipkart joining Vacancy- 30 Male Designation- Senior assistant Work- scanning packing Shorter in hand- 11200 +1200 (total salary 12000 CTC) Duty- 9 Ghante (3 Shift) Location- tendua, hirapur Raipur Contact - 8120263486.(RO-386)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

अन्य

आवश्यकता है- पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें 8092366306, 9631470837.(RO-757)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5-G कंपनी में पार्ट टाईम / फुल टाईम SMS करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए घर बैठे (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9798544556, 9296821428.(RO-1243)

Property प्रापर्टी

बेचना है- अमलीडीह सेंट जोसेफ स्कूल रोड पर 1060 वर्गफीट प्लॉट एरिया में सर्व सुविधा युक्त 3 BHK मकान (पानी बोर सहित) अतिशीघ्र बेचना है संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9301690016. (RO-401)

बेचना है- रायपुरा मंजीत हाइट्स के पास 20X58= 1160 डायवर्सन किया हुआ प्लॉट न्यूनतम दर पर बेचना है बैंक फाइनेंस उपलब्ध संपर्क करें:- 9300505421. (RO-400)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

Healthcare

इसे जरूर पढ़िये और समझिये

इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है।

क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है।

क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि।

ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं हैं। ये खुरापाती नीम हकीमों से सावधान इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इन्नुनो थैरिपी पर आधारित केवल रस रसायन में ही है।

सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट) रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग मो.- 94255-55659 96177-89223, 93032-42200 गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए बंगाली कायस्थ 33 वर्ष, हाइट 5'-7" एक प्रतिष्ठित कम्पनी (कोका कोला) नागपुर में कार्यरत हेतु सुयोग्य सुन्दर शिक्षित बंगाली कायस्थ वधु चाहिए -सम्पर्क करें- 9530167919 9826413593 9165762781 9755413048

वधु चाहिए गुजराती 44/ 5'-11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु उच्च जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें- 9827114645 9131139179 (मैरिज ब्यूरो क्षमा)

खबर संक्षेप

62 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियन पीएम ने शादी की

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शनिवार को अपनी पार्टनर जोडी हेडन से शादी की। 62 साल के अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के पहले ऐसे पीएम बन गए हैं जिन्होंने पद पर रहते हुए शादी की। अल्बनीज ने 46 साल की जोडी हेडन से कैनबरा में पीएम ऑफिस में शादी की। हेडन फाइनेंशियल सर्विस में काम करती हैं। अल्बनीज ने फरवरी 2024 में हेडन से सगाई थी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक शब्द में पोस्ट किया- मैरिड। उन्होंने वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वे बो-टाई पहनकर अपनी मुस्कुराती दुल्हन का हाथ थामे दिख रहे हैं। अल्बनीज और हेडन सोमवार से शुक्रवार तक ऑस्ट्रेलिया में ही हनीमून मनाएंगे, जिसका पूरा खर्च अपनी जेब से देंगे यानी कोई सरकारी मदद नहीं लेंगे।

हेराल्ड केस पर फैसला टला, सोनिया, राहुल के हैं चार्जशीट में नाम

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला तीसरी बार टल गया है। कोर्ट का यह तय करना है कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लें या नहीं। चार्जशीट में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और दूसरे कई सीनियर कांग्रेसी नेताओं के नाम हैं। ईडी ने इन नेताओं पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़ी फाइनेंशियल गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। यह कंपनी ही असल में नेशनल हेराल्ड अखबार पब्लिश करती थी। कोर्ट ने 14 जुलाई को बहस पूरी होने के बाद फैसला 29 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रखा था। इसके बाद 8 अगस्त और 29 नवंबर को फैसला टला। अब कोर्ट 16 दिसंबर को फैसला सुनाएगी।

'विचारधारा पर टिका है महायुति, आगे भी चलता रहेगा' : शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि राज्य का सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन विचारधारा पर आधारित है और आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों पर टिका है। यह बयान उन्होंने महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की टिप्पणी के जवाब में दिया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन विचारधारा पर आधारित है और यह आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों पर टिका है।

पुतिन के दिल्ली दौरे से पहले रूसी संसद का बड़ा फैसला

भारत और रूस के बीच सैन्य समझौते की पुष्टि, रक्षा संबंधों को होगा फायदा

ऊर्जा, व्यापार, और वैश्विक मसलों पर होगी चर्चा

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने दो दिन के भारत दौरे पर आएंगे। पुतिन राजकीय दौरे पर 4-5 दिसंबर को भारत आएंगे। इस यात्रा के दौरान पुतिन मुख्य रूप से 23वें भारत-रूस सालाना सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जहां रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और भू-राजनीतिक मसलों पर अहम चर्चाएं होने की संभावना है।

इस दौरान व्लामीदर पुतिन की पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात होगी। पुतिन के दिल्ली के इस अहम दौरे से पहले रूस की संसद (स्टेट डूमा) ने एक अहम सैन्य समझौते की पुष्टि का ऐलान किया है। रूस की संसद व्लादिमीर पुतिन के दिल्ली आने से पहले भारत के साथ एक जरूरी मिलिट्री समझौते को मंजूरी देने जा रही है। दरअसल इस साल फरवरी में 2025 को भारत और रूस के बीच रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट (रेलोस-आरईएलओएस) हुआ था।

यह एग्रीमेंट स्ट्रेटेजिक मिलिट्री कोऑपरेशन बढ़ाने के लिए है। पुतिन की भारत यात्रा और रेलोस समझौते को रूस की संसद द्वारा मंजूरी मिलना, दोनों देशों के बीच दशकों पुराने भरोसेमंद संबंधों के नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है। रक्षा सहयोग, ऊर्जा साझेदारी और वैश्विक समीकरणों के बीच यह दौरा भारत-रूस संबंधों को नई मजबूती देने में अहम भूमिका निभाएगा।

◆ पुराने भरोसेमंद संबंधों के नए दौर की शुरुआत

पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन फाइल फोटो

सैन्य सहयोग मजबूत होगा

यह महत्वपूर्ण सैन्य लॉजिस्टिक समझौता 18 फरवरी 2025 को मॉस्को में भारत के राजदूत विनय कुमार और रूस के तत्कालीन उप-रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन द्वारा साइन किया गया था। स्टेट डूमा ने रेलोस दस्तावेज को अपलोड किया है। इस समझौते का उद्देश्य है भारत और रूस की सेनाओं के बीच सामरिक गतिविधियों में लॉजिस्टिक सपोर्ट को आसान बनाना, संयुक्त सैन्य अभ्यासों को सुचारू करना, आपदा राहत अभियानों में तेजी लाना और सेना के अन्य ऑपरेशंस को सहयोगात्मक रूप से संचालित करना। रूसी सरकार का कहना है कि रेलोस समझौते की मंजूरी से दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में विश्वास और सहयोग नई मजबूती के साथ उभरेगा।

आपसी सैन्य गतिविधियां तेज हो जाएंगी

इस समझौते के लागू होने से भारत और रूस के बीच संयुक्त सैन्य गतिविधियां काफी सरल और तेज हो जाएंगी। दोनों देश एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों, हवाई अड्डों और नौसैनिक अड्डों का शांतिपूर्ण उद्देश्यों और सैन्य अभ्यासों के लिए उपयोग कर सकेंगे। आपसी लॉजिस्टिक सपोर्ट मिलने से सैनिकों, उपकरणों और सैन्य संसाधनों की तैनाती में समय और लागत दोनों कम होगी। यह समझौता भविष्य में आर्कटिक क्षेत्र में संभावित संयुक्त अभ्यासों को भी दायरे में लाएगा।

भारतीय नौसेना रूसी नौसैनिक अड्डों का उपयोग कर सकेगी

भारतीय नौसेना के तलवार-श्रेणी के युद्धपोत और आईएनएस विक्रमादित्य जैसे बड़े जहाज रूस के उत्तरी समुद्री ठिकानों का उपयोग कर पाएंगे, जहां बर्फीले आर्कटिक का मौसम होता है। वहीं रूसी नौसेना भारतीय समुद्री ठिकानों और बंदरगाहों का उपयोग कर सकेगी, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह सहयोग भारत के लिए खास इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हिंद महासागर में चीन और अन्य बाहरी देशों की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।

समझौता आर्कटिक क्षेत्र में भी लागू होगा

रेलोस समझौते का उद्देश्य संयुक्त सैन्य अभ्यास, आपदा राहत और अन्य अभियानों के लिए समन्वय प्रक्रिया को आसान बनाना है। रेलोस से सैन्य अभ्यास और आपदा राहत अभियान समेत संयुक्त गतिविधियों के लिए प्रक्रियाएं सरल करके सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। इस प्रकार के समझौते सहभागी देशों के लिए शांतिकालीन अभियानों के भौगोलिक अवसरों का विस्तार करते हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर बोले

यूएस-चीन की नई वैश्विक शर्तों से दुनिया में अस्थिरता, सप्लाई चेन पर बढ़ता जा रहा है दबाव

चीन नवीकरणीय ऊर्जा पर हावी | यूएस बड़ा ऊर्जा निर्यातक बना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोलकाता

कोलकाता में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वैश्विक राजनीति और आर्थिक समीकरणों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय ऐसे मोड़ पर है जहां अमेरिका और चीन की नई नीतियों ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। बदलते हालात में देशों के सामने यह तय करना मुश्किल हो गया है कि उन्हें प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देना चाहिए या उन समझौतों पर जो पीठ पीछे होते रहते हैं। जयशंकर ने कहा कि अमेरिका अब पुराने ढांचे के तहत दुनिया का नेतृत्व नहीं कर रहा, बल्कि एक-एक देश के साथ सीधे और नई शर्तों पर बातचीत कर रहा है। दूसरी ओर, चीन भी अपने नियमों पर ज्यादा कठोरता से काम कर रहा है।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर

विश्व का एक तिहाई उत्पादन चीन में

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि वैश्विकरण, सप्लाई असुरक्षा और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण देश हर आकस्मिकता के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। जहां संभव हो, वे कठिन विकल्पों से बच रहे हैं और जहां फायदा दिख रहा है, वहां तुरंत निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण विभिन्न क्षेत्रों में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स की मांग और उत्साह में तेजी आई है। जयशंकर ने बताया कि वैश्विक उत्पादन का एक तिहाई हिस्सा आज चीन में होता है, जिससे सप्लाई चेन की विश्वसनीयता पर सवाल उठे हैं। संघर्षों और जलवायु संकटों ने इस खतरे को और बढ़ा दिया है। ऊर्जा के मामले में अमेरिका अब बड़ा निर्यातक बन गया है, जबकि चीन नवीकरणीय ऊर्जा पर हावी है।

व्यापार में मांग की अनिश्चितता बढ़ी

डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि व्यापार में मांग की अनिश्चितता और सप्लाई की बाधाएं जोखिम बढ़ा रही हैं। टैरिफ रेट्स में उतार-चढ़ाव से वैश्विक व्यापार पर अस्थिरता आई है। वित्तीय क्षेत्र में प्रतिबंधों का बढ़ता उपयोग, संपत्तियों की जब्ती और ब्लॉकचेन तकनीक का उभार नए वैश्विक वित्तीय ढांचे का संकेत दे रहे हैं। दुनिया एक ऐसी स्थिति में प्रवेश कर रही है जहां हर देश अपनी सुरक्षा, आर्थिक हितों और भविष्य की रणनीति को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है।

इंडी ब्लाक में टूट की अटकलें हो गई शुरू

कांग्रेस के उम्मीदवारों ने आरजेडी से गठबंधन को चुनाव में हार के लिए जिम्मेदार ठहराया

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के नेता उठाने लगे महागठबंधन पर सवाल

बिहार विधानसभा चुनावमें करारी हार झेलने के बाद महागठबंधन में टूट की अटकलें हैं। समीक्षा के दौरान कांग्रेस के अधिकतर उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय जनता दल से गठबंधन को चुनावी हार के लिए जिम्मेदार ठहराया। कई ने तो कांग्रेस आलाकमान को राजद से गठबंधन तोड़ने की वकालत भी कर दी। इसके बाद से सियासी पारा गरम है। हालांकि, पार्टी के किसी भी बड़े नेता की तरफ से गठबंधन के भविष्य को लेकर कोई भी बयान नहीं आया है। पिछले दिनों संपन्न हुए बिहार चुनाव के नतीजों में कांग्रेस, राजद और अन्य विपक्षी दलों के गठबंधन को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा।

खरगे और राहुल ने की थी बात

खरगे और राहुल आपस में बात करते हुए

नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में कांग्रेस ने बिहार चुनाव की हार की समीक्षा की। प्रदेश स्तर के नेता मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी बैठक में मौजूद थे।

अकेल लड़ते तो बेहतर परिणाम होते

अधिकतर उम्मीदवारों ने आलाकमान को बताया कि राजद से गठबंधन की वजह से कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा है। अगर कांग्रेस इस चुनाव में अकेले मैदान में उतरती तो परिणाम बेहतर होते। प्रत्याशियों ने कहा कि कांग्रेस को राजद से गठबंधन खत्म कर देना चाहिए।

गठबंधन में किसी को पकड़कर नहीं रखा: राजद

राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने कहा कि गठबंधन में किसी को पकड़कर रखा नहीं जा सकता है। कांग्रेस की अगर मर्जी है कि अकेले और अलग चलेंगे, तो क्या कर सकते हैं। अगर कांग्रेस को लगता है कि गठबंधन में रहने पर हार हुई है और अलग होना है तो अच्छी बात है।

■ एनएचआरसी ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा

बसों में अलग ड्राइवर कैबिन गलत व अधिकारों का उल्लंघन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र भेजकर सार्वजनिक परिवहन बसों की असुरक्षित डिजाइन पर गंभीर चिंता जताई है। आयोग ने कहा कि कई बसों में ड्राइवर केबिन को पूरी तरह अलग बनाया जा रहा है, जिससे आग लगने या आपात स्थिति में ड्राइवर और यात्रियों के बीच समय पर संवाद नहीं हो पाता। यह यात्रियों की जान के लिए बड़ा खतरा और जीवन के मौलिक अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। सभी मुख्य सचिव सीआईआरटी की सभी सिफारिशों को राज्यभर में लागू करें। लापरवाहों पर तत्काल कार्रवाई हो। पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा व सहायता दी जाए। 2 सप्ताह के भीतर एटीआर भेजें।

आग की बढ़ती घटनाओं पर संज्ञान लिया

हाल में कई बसों में सफर के दौरान आग की घटनाओं में कई लोगों की मौत हो गई। आयोग की पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संज्ञान लिया और परिवहन मंत्रालय व केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान पुणे से दो सप्ताह के भीतर विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी।

सरकारी 'राज भवन' का नाम बदलकर 'लोक भवन' किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने केंद्र के निर्देश को लागू करते हुए कोलकाता में स्थित राज भवन का नाम बदलकर 'लोक भवन' कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि गृह मंत्रालय के 25 नवंबर के पत्र के अनुरूप यह अधिसूचित किया जाता है कि कोलकाता के 'राज भवन', फ्लैगस्टाफ हाउस और दार्जिलिंग में स्थित राज भवन परिसरों का नाम संशोधित करके 'लोक भवन' कर दिया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। राज भवन, जिसे अब लोक भवन नाम दिया गया है, राज्यपाल का आधिकारिक आवास और कार्यालय है।

Chola Enter a better life

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फायनेंस कंपनी लिमिटेड

कॉर्पोरेट कार्यालय: चोला क्रेस्ट, सुपर बी, सी54 और सी55, 4, थिरु विका औद्योगिक एस्टेट,गुइंडी, चेन्नई-600032

ई-नीलामी बिक्री सूचना (सिर्फ़ ई-बोली के ज़रिए बिक्री)

सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) और 9 (1) के तहत
अचल सुरक्षित संपत्ति की बिक्री सूचना जारी किया गया है

आम जनता को और खास तौर पर कॉलम (ए) में बताए गए ऋणधारक (ओं) और जमानतदार (ओं) को यह सूचित किया जाता है कि नीचे बताई गई अचल संपत्ति (हे) जो कॉलम (सी) में बताई गई है, सुरक्षित लेनदार के पास बंधक/चार्ज की गई है, जिसका कब्जा हाउसिंग **चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड** सुरक्षित लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी ने कॉलम (डी) में बताए अनुसार ले लिया है, इसे नीचे दिए गए विवरण के अनुसार "जैसा है जहाँ है", "जैसा है जैसा है" और "जो कुछ भी है" पर बेचा जाएगा :– ऋणधारक/बंधककर्ता (ओं) /कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि **(ज्ञात या अज्ञात)**, निष्पादक, प्रशासक, उत्तराधिकारी और संबंधित ऋणधारक/बंधककर्ता (अब मृत) के समनुदेशिती, जैसा भी मामला हो, यह सूचित किया जाता है सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के तहत कॉलम (ए) में इंगित किया जा सकता है। बिक्री की विस्तृत शर्तों और नियमों के लिए, कृपया **चोलामंडलम निवेश और वित्त कंपनी लिमिटेड** सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी **https://www.cholamandalam.com** और **www.auctionfocus.in** पर दिए गए लिंक का संदर्भ लें।

क्र. सं.	(ए) ऋण खाता संख्या ऋणधारक (ओं) का नाम/ बंधककर्ता(ओं)/जमानतदार (ओं)	(बी) बकाया वसूल की जाने वाली देनदारियां (सुरक्षित ऋण)	(सी) अचल सुरक्षित संपत्ति का विवरण	(डी) कब्जा का प्रकार	(ई & एफ) आरक्षित मूल्य (रू.) / बयाना राशि जमा (रू.)	(जी) नीलामी की तारीख और समय
1	**ऋण खाता सं.: HL29AIP0001763561.** **1. अवयस्क हर्षिका साहू, C/o श्री गोविंद राम साहू** **2. अवयस्क आकृति साहू, C/o श्री गोविंद राम साहू,** **दोनों** : स्वर्गीय श्री/श्रीमती धनंजय साहू और स्वर्गीय श्री/श्रीमती भोलेश्वरी साहू की बेटी, (उनके अभिभावक, श्री गोविंद राम साहू, धनंजय साहू के पिता द्वारा प्रतिनिधित्व) **निवास:** 179 देवांगन पारा, सिंगारपुर, बलौदाबाजार, CG-493118 **यहां भी:** स्वर्गीय श्री/श्रीमती धनंजय साहू और स्वर्गीय श्री/श्रीमती की बेटी भोलेश्वरी साहू,(उनके अभिभावक, श्री गोविंद राम साहू, धनजय साहू के पिता द्वारा प्रतिनिधित्व) गवर्नमेंट स्कूल के पीछे, शक्ति पारा, उरकुरा बिरगांव, शक्ति पारा, रायपुर छत्तीसगढ़-49322 **यहां भी:** स्वर्गीय श्री/श्रीमती धनजय साहू और स्वर्गीय श्री/श्रीमती भोलेश्वरी साहू की बेटी,(उनके अभिभावक, श्री गोविंद राम साहू, धनजय साहू के पिता द्वारा प्रतिनिधित्व) खसरा नंबर 255/28 का हिस्सा, मौजा-उरकुरा, मा शीतला, वार्ड नंबर-16, प.ह.नं.- 00040, रा.नि.मं. रायपुर-5-भनपुरी, तहसील रायपुर, पुराना प.ह.नं.- 108/40, उरकुरा, रायपुर, रायपुर छत्तीसगढ़, 493221	**20/08/2025 तक रु. 24,18,583/-** (केवल चौबीस लाख अठारह हजार पाँच सौ तिरासी रुपये) देय	संपत्ति स्थिति- खसरा नंबर- 255/28 भाग, खाता नंबर- 1483, क्षेत्रफल- 850 वर्गफीट, ग्राम-उरकुरा, माँ शीतला वार्ड क्रमांक-16, प.ह.नं. 108/40, रा.नि.मं.- रायपुर, तहसील- रायपुर, जिला- रायपुर, सीमा: उत्तर- सड़क, दक्षिण- सुशील कुमार की भूमि, पूर्व-मिश्रा की भूमि, पश्चिम- पार्वती मतैलकर की भूमि।	**रचनात्मक कब्जा**	**रु.24,80,000/-** (रू. चौबीस लाख अस्सी हजार मात्र) **रु. 2,48,000/-** (दो लाख अड़तालीस हजार रूपये मात्र)	**02-01-2026 को 02.00 दोपहर से 04.00 बजे शाम तक** (निविदा दस्तावेज के अनुसार स्वत: 5 मिनट का विस्तार सहित)

1. निरीक्षण की तिथि और समय: 30-12-2025
2. न्यूनतम बोली वृद्धि राशि: रू. 10,000/-
3. बयाना राशि जमा करने की तिथि: 31-12-2025 को शाम 5 बजे तक

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों की जानकारी के लिए, कृपया सुरक्षित देनदार की वेबसाइट यानी https://www.cholamandalam.com और www.auctionfocus.in पर दिए गए लिंक को देखें।
* **ऋण अनुबंध के अनुसार लागू होने वाले ब्याज के साथ, पेमेंट और/या उसकी वसूली की तारीख तक हुए आकस्मिक खर्च, लागत, चार्ज वगैरह।**
संपत्ति के निरीक्षण से जुड़ी किसी भी सहायता के लिए, या बोली दस्तावेज पाने के लिए और किसी भी दूसरे सवाल के लिए, कृपया **श्री आशुतोष पटेल से उनके मोबाइल नंबर 9589227455, ई-मेल ID: ashutoshpa@chola.murugappa.com/ श्रीमती कोमल शर्मा को 8870464652 पर संपर्क करें।** चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के अधिकारी की जानकारी और चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड प्राधिकृत अधिकारी की सूचना के अनुसार, ऊपर दी गई अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति पर कोई भार नहीं है।

दिनांक : 27-11-2025
स्थान : रायपुर

सही/- प्राधिकृत अधिकारी,
चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फायनेंस कंपनी लिमिटेड

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

क्र. सं. (1) ई-निविदा सूचना संख्या: 80A एसटी टेंडर 2025 दिनांक- 21.11.2025
कार्य : बिलासपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली (IPIS) का प्रावधान/उन्नयन।
निविदा मूल्य: रु.12,25,34,401.64 (बारह करोड़ पच्चीस लाख चौंतीस हजार चार सौ एक रुपये और चौसठ पैसे मात्र)। **अमानत राशि** : रु. 7,62,700/- (सात लाख बासठ हजार सात सौ रुपये मात्र)। **निविदा का जमा होना** : दिनांक 15.12.2025 के 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी http://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल संकेत एंव दूरसंचार इंजीनियर (CIC)
सीपीआर/10/AM/490 **द.पू.म.रेलवे/बिलासपुर**

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
(निर्माण संगठन)
ई-निविदा सूचना

निविदा क्रमांक: सी.ए.ओ./सी/बीएसपी/25-26/15 दिनांक : 21-11-2025 (ओपन ई-टेंडर) (सिंगल पैकेट सिस्टम)
कार्य: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर डिवीजन में सरडेगा-भालूमुडा (37.24 किलोमीटर) नई **बीजी** डबल लाइन के संबंध में, वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अनुसार वन भूमि के लिए वन विचलन प्रस्ताव की योजना तैयार करना, पर्यावरण और वन मंत्रालय (भारत सरकार) से स्टेज I और स्टेज-II वन मंजूरी प्राप्त करना, और रेलवे भूमि में लगभग 44.02 हेक्टेयर क्षेत्रफल में जमकानी, बुर्हापहार और बुधिया वन, ओड़िशा और छत्तीसगढ़ राज्यों में वृक्ष गणना और वृक्ष कटाई के लिए वन विभाग की अनुमति प्राप्त करना।"
निविदा मूल्य: रु. 1,02,94,120.29 **अमानत राशि:** रू. 2,01,500.00 **निविदा दस्तावेज़ की लागत:** शून्य **कार्य पूरा होने की अवधि** : 12 (बारह) महीने, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक** 16/12/2025 को 15:00 बजे तक। (2) **निविदा खोलने का समय एवं दिनांक** 16/12/2025 को 15:30 बजे।
विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज़ का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर-पिन: 495004 अथवा उप-मुख्य अभियंता /निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर पिन 492009 अथवा मुख्य परियोजना प्रबन्धक /पश्चिम/निर्माण/नागपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर पिन: 440001 के कार्यालय में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर / देख सकते है।

उप-मुख्य अभियंता/निर्माण
सीपीआर/10/AM/502 **द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर**

South East Central Railway @secrail

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

आम सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल दीपका क्षेत्रांतर्गत दीपका विस्तार परियोजना हेतु ग्राम मलगांव के निम्नलिखित प्रभावित भू-विस्थापित एवं उनके द्वारा नामित आश्रित उम्मीदवार को एसईसीएल में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु मुख्यालय बिलासपुर से स्वीकृति बाबत् प्रस्ताव प्रेषित किया जाना है। प्रस्ताव में प्रभावित खातेदार/नामित आश्रित द्वारा संलग्न भूमि एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजों में भिन्नता पाई गयी है। विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू-स्वामी का नाम एवं पिता का नाम						नामांतरण पंजी/फौती नामांतरण	खाता नं. /अर्जित खसरा नं.	कुल अर्जित भूमि		आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम पिता का नाम एवं जन्मतिथि	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम एवं पिता का नाम एवं जन्मतिथि	अन्य (विभिन्न दस्तावेजों में खातेदार का नाम एवं अन्य विसंगति) (आधार कार्ड के अनुसार)
	पत्रक V व VI के अनुसार	बी 1 (2001-02) के अनुसार	पी-II के (1996-97 से 2000-01) के अनुसार	बी 1 (2023-24) के अनुसार	पी-II के (2020-21) के अनुसार	मुआवजा प्राप्ति रशीद के अनुसार			हे.मे	एकड़ में			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	बलराम सिंह, कृष्ण मणीपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह कंवर	ना.बा. बलराम सिंह, कृष्ण मणीपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह बली धरम सिंह	ना.बा. बलराम सिंह, कृष्ण मणीपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह बली धरम सिंह	शालिनी कंवर पिता बलराम, दामिनी कंवर पिता बलराम, इंदिरा कंवर पति स्व बलराम, कृष्ण मलणीपाल सिंह पिता धरम सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह	शालिनी कंवर, दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह, इंदिरा कंवर पति बलराम, कृष्णमणिपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह	इंदिरा कंवर पति स्व बलराम सिंह, कृष्णमणिपाल सिंह कंवर पिता धरम सिंह कंवर, शालिनी कंवर पिता स्व बलराम सिंह, दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह	धरम सिंह, कृष्णमणीपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह	खाता नं.- 122 खसरा नं.- 554/8, 555/2, 557/5, 558/15	0.373	0.92	1. आधार कार्ड- दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर 2. निवास प्रमाण पत्र- दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर 3. जाति प्रमाण पत्र- दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर 4. वंशवृक्ष- दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह 5. शिक्षणिक प्रमाण पत्र- दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर	दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर जन्मतिथि- 12.11.1998 (दसवीं अंकसूची के अनुसार)	दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम बलराम सिंह, कृष्ण मणीपाल सिंह, अनिल कुमार पिता धरम सिंह कंवर तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का दामिनी कंवर पिता बलराम सिंह कंवर पढ़ा एवं समझाया जावे। अतः किसी भी संबन्धित व्यक्ति को उक्त व्यक्तियों के पहचान पर कोई आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम, हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजो प्रमाणों के साथ इसकी लिखित शिकायत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत दावा आपत्ति अमान्य होगी।

महाप्रबंधक, एसईसीएल, दीपका क्षेत्र

नवंबर में जरूरी कामों को निपटाएं

1 दिसंबर से नियम बदलेंगे

नवंबर महीना जल्द खत्म होने वाला है और कई सरकारी और वित्तीय कामों की आखिरी तारीख भी पास आ गई है। अगर आपने अभी तक ये काम पूरे नहीं किए हैं, तो 30 नवंबर से पहले पूरा कर लें। 1 दिसंबर से कई नियम बदल जाएंगे।

सरकारी कर्मचारियों के लिए यूपीएस चुनने की आखिरी तारीख

- सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने की डेडलाइन 30 नवंबर है। पहले यह तारीख 30 सितंबर थी, लेकिन बाद में बढ़ा दी गई। यूपीएस, एनपीएस से अलग है और इसे चुनने का मौका सीमित समय तक ही है।
- पेंशनर्स के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की डेडलाइन
- पेंशनर्स को अपना लाइफ सर्टिफिकेट 30 नवंबर तक जमा करना होगा। इसे समय पर जमा न कराने पर पेंशन रोकने का खतरा हो सकता है।

टैक्स फाइलिंग और जरूरी रिपोर्ट

- अक्टूबर 2025 में टीडीएस कटने वाले टैक्सपेयर्स को सेक्शन 194-Iए, 194-Iबी, 194एम और 194एस के तहत बयान 30 नवंबर तक जमा करना अनिवार्य है। सेक्शन 92ई के तहत रिपोर्ट देने वाले टैक्सपेयर्स भी 30 नवंबर तक आईटीआर फाइल कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय ग्रुप की कॉन्स्टीट्यूएंट एंटिटीज़ के लिए फॉर्म 3सीईएए जमा करने की आखिरी तारीख भी यही है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव

- ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी की कीमतें अपडेट करती हैं। 1 दिसंबर को भी नए दाम लागू होंगे। 1 नवंबर को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 6.50 रुपए तक घटाई गई थी।

एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमत

- एलपीजी की तरह एटीएफ की कीमतों में भी हर महीने बदलाव होता है। 1 दिसंबर को एटीएफ के दाम बढ़ सकते हैं या कम हो सकते हैं। नवंबर खत्म होने से पहले इन जरूरी कामों को पूरा करना बेहद जरूरी है, क्योंकि 1 दिसंबर से नियम और तारीखें बदल जाएंगी।

निवेश मंत्रा
विनोद गौतम

स्टॉक मार्केट की नब्ज पकड़ना नहीं आसान, इन बातों का रखें विशेष ध्यान

नियमित व अनुशासित निवेश ही करें

दरअसल अनिश्चितता से भरे शेयर ट्रेडिंग में भावों के उतार-चढ़ाव को समझना ही सबसे बड़ी चुनौती होती है। जो ट्रेडर यह समझते हैं कि मुनाफा कमाना बड़ा लक्ष्य है, वे अक्सर घाटा खाते हैं, जबकि भावों की भाषा को पढ़ने वाले कुल मिलाकर फायदे में रहते हैं, क्योंकि किसी भी शेयर के भावों में ही छिपा रहता है उसका भूत, वर्तमान और भविष्य, बस इसे पढ़ने के लिए सधी और पैनी नजर चाहिए। अब सवाल है कि भावों की भाषा पढ़ी कैसे जाए। इसका एक प्रमुख माध्यम है टेक्निकल एनालिसिस।

टेक्निकल एनालिसिस का क्या है अर्थ

टेक्निकल एनालिसिस का अर्थ है किसी स्टॉक के मार्केट डाटा का सूक्ष्म अध्ययन करके उसकी संभावित कीमत का अनुमान लगाना। इसमें मुख्य रूप से दो बातों पर गौर किया जाता है। भाव और ट्रेडिंग की मात्रा यानी वॉल्यूम। सरल शब्दों में कहा जाए तो टेक्निकल एनालिसिस के तहत देखा जाता है कि किसी खास समय अवधि में किसी स्टॉक की कीमत में कितना उतार-चढ़ाव आया। इस अवधि में इसकी ट्रेड की गई संख्या में क्या कभी कोई बड़ा उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

इक्विटी मार्केट में निवेश एक अनुशासन है। इसे तोड़ने पर जोखिम उठाना पड़ सकता है। लेकिन यह देखा गया है कि निवेश के फैसलों में अपवाद को नियम मान लेने की चूक कई लोगों करते हैं। मसलन, आम धारणा है कि इक्विटी फंड में एकमुश्त निवेश नहीं करना चाहिए। इक्विटी फंड में निवेश एसआईपी के जरिये करना चाहिए, ताकि समय के साथ लागत की एवरेजिंग होती रहे। ऐसा करने के कई फायदे हैं। फिर भी, कई लोगों के पोर्टफोलियो इस नियम का पालन नहीं करते हैं और वे इसकी वजहें भी बताते हैं कि मुझे एक बार में यह रकम मिली थी और किसी ने मुझे बताया कि इसे एकबार में ही इस फंड में लगा देना चाहिए या मुझे पता है कि सेक्टर फंड्स से अभी परहेज करना चाहिए, लेकिन यह तो साफ दिख रहा है कि इंफ्रास्ट्रक्चर का हाल बेहतर होने वाला है, तो मैंने इंफ्रा फंड में एक बार में ही मोटी रकम लगा दी या इक्विटी में उतार-चढ़ाव होता रहता है, लिहाजा मैंने एफडी में 10 साल के लिए यह रकम लगा दी। ये तो एफडी की तरह ही हैं। ये तमाम तर्क टिपिकल हैं और इनमें से ज्यादातर मामलों में निवेशक ने सोच-समझकर निवेश नियमों का उल्लंघन करने का निर्णय किया होता है। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे खुद को अपनी तर्क बुद्धि से या सलाहकार की मदद से यह समझा ले जाते हैं कि मौजूदा हालात में आम नियम का रास्ता छोड़ना फायदेमंद होगा।

ऐसे समझें

निवेश में अनुशासन व नियमों को समझने के लिए यहां एक उदाहरण पेश है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का एक डॉक्यूमेंट है। 'पावर ऑफ टेन' के नाम से। इसे नासा के कंप्यूटर साइंटिस्ट गेराड होल्जमैन ने तैयार किया था। इसमें सेफ्टी-क्रिटिकल सॉफ्टवेयर डिवप्प करने के 10 नियम बताए गए हैं। इसके रिसर्च के दौरान होल्जमैन ने पाया था कि अगर नियमों का पालन किया जाए, तो उन्हें कानून की तरह मानना होगा, न कि दिशानिर्देश की तरह। और कुछ ही नियमों का होना बेहतर है, जिनका कभी उल्लंघन न हो। निवेश पर यह उदाहरण बिल्कुल फिट बैठता है। कहने का मतलब कि निवेश के नियमों में अपवाद की कोई जगह नहीं है। हमेशा बुनियादी नियमों का पालन करना चाहिए। और यह नियम है कि इक्विटी में कभी भी एकमुश्त निवेश नहीं करें। न ही सीधे शेयर बाजार में और न ही म्यूचुअल फंड में। अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखें, एसआईपी अपनाएं, नियमित निवेश का पैटर्न अपनाएं। कभी कभार हो सकता है कि ऐसे हालात बनें, जिनमें निवेश के बुनियादी नियमों के उल्लंघन से बेहतर रिटर्न मिले, लेकिन ऐसे मामले नाममात्र के ही होते हैं।

ट्रेडिंग के जरूरी सूत्र

1. ट्रेडर के लिए सबसे अहम है भावों की भाषा
2. टेक्निकल एनालिसिस से समझें भावों की धड़कन
3. टेक्निकल एनालिसिस में चार्ट का अध्ययन अहम
4. ट्रेडर को प्राइस व वॉल्यूम का आकलन करना चाहिए
5. टेक्निकल एनालिसिस से ट्रेंड अनुमान लगा सकते हैं

टेक्निकल व फंडामेंटल एनालिसिस में अंतर

फंडामेंटल एनालिसिस में जहां हम लंबे निवेश के नजरिए से कंपनी के अतीत और वर्तमान को कसौटी पर कसने की कोशिश करते हैं, वहीं टेक्निकल एनालिसिस मूल रूप से भावों की तात्कालिक गणना पर आधारित पद्धति है। इसका उद्देश्य ट्रेडर की मदद करना होता है। फिर चाहे वह ट्रेडर इंट्रा डे हो या फिर शॉर्ट टर्म ट्रेडर। फंडामेंटल एनालिसिस में हम कंपनी की आय, उसके द्वारा दिए गए लाभांश और शोध जैसी बातों को अपने अध्ययन का आधार बना सकते हैं।

ऐसे करें एनालिसिस

टेक्निकल एनालिसिस में इनमें से कुछ संकेतकों का उपयोग किया जा सकता है लेकिन इसमें मुख्य रूप से कुछ विशेष टूल्स और तकनीक का इस्तेमाल किया जता है। इन विशेष साधनों में एक है चार्ट का अध्ययन। चार्टों के जरिए टेक्निकल एनालिसिस करने वाला ट्रेडर दो अहम चीजों पर ध्यान देता है- पहला प्राइस मूवमेंट और दूसरा शेयर का ट्रेंड। अगर कोई शेयर आपके द्वारा निर्धारित कीमत से दो फीसदी गिर भी जाता है तो मुमकिन है कि वह अपट्रेंड हो। यानी उसमें मुनाफा वसूली या किसी और वजह से थोड़े वक्त के लिए करेक्शन आया हो लेकिन वह जल्द ही फिर से रफ्तार पकड़ सकता है। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए हम समझने की कोशिश करते हैं कि किस सीमा के बाद कोई शेयर दिशा बदल सकता है।

कई तरह के चार्ट पैटर्न

टेक्निकल एनालिसिस में काम आने वाले चार्ट पैटर्न भी कई तरह के होते हैं। जैसे- हेड एंड शोल्डर, डबल टॉप या बॉटम वगैरह। इसके अलावा जो चीज टेक्निकल एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है, वह है मूविंग एवरेज। मूविंग एवरेज पर अलग से चर्चा करेंगे, फिलहाल हम आपको उसका एक परिचय देते चलें। मूविंग एवरेज का अर्थ है कि कोई शेयर किसी खास अवधि में किस औसत भाव के साथ मूव कर रहा था। इसका आकलन लगाने में हम कुछ और तकनीकी बिंदुओं पर गौर कर करते हैं, जैसे, सपोर्ट और रेजिस्टेंस। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए शेयर के भावों का अर्थशास्त्र समझने में मदद मिलती है।

शेयर बाजार में क्या है अपर सर्किट और लोअर सर्किट?

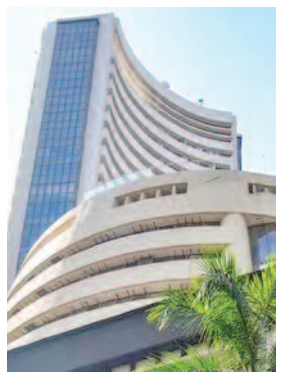

क्यों घटता-बढ़ता है शेयर का मूल्य?

सामान्य निवेशक इस बात को लेकर कभी कभी बहुत हैरान रहते हैं कि शेयर का मूल्य किस हिसाब से बढ़ता और घटता रहता है। शेयर का मूल्य दो कारणों से बढ़ता या घटता रहता है। पहला कारण शेयर की सप्लाई और डिमांड और दूसरा कारण कंपनी द्वारा मुनाफा कमाना या कंपनी का घाटा। लेकिन, अगर हम स्टॉक ट्रेडिंग में देखें तो शेयर की सप्लाई और डिमांड की वजह से अधिकतर शेयर का मूल्य घटता बढ़ता रहता है। जब भी शेयर की डिमांड बढ़ती है यानी ज्यादा लोग खरीदते हैं तो उसका दाम बढ़ जाता है। और, जब लोग शेयर को बेचना स्टार्ट कर देते हैं तब शेयर का मूल्य घटने लगता है यह इस तरह से काम करता है।

लोअर सर्किट को ऐसे समझें

मान लीजिए आपके पास किसी कंपनी का शेयर हैं। किसी वर्ष के दौरान उस कंपनी को किसी कारणवश घाटा लगना शुरू हो जाता है। ऐसे में आप उस कंपनी का शेयर बेचने लगेंगे। ऐसे ही बहुत से लोग जो उस कंपनी के शेयर को लिए होंगे वह भी बेचना शुरू कर देंगे। जब सब बेचना शुरू कर देंगे तो एक ही दिन में उस कंपनी का शेयर शून्य तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में शेयर का मूल्य एक निश्चित सीमा तक गिरे इसके लिए एमएसई तथा बीएसई स्टॉक एक्सचेंज ने कुछ नियम बनाए हैं। जिनके अंतर्गत जब किसी कंपनी में अचानक सब लोग शेयर बेचना शुरू कर दें तो एक निश्चित सीमा तक ही उस शेयर का मूल्य घटेगा।

पारिवारिक वसीयत में सही हिस्सा नहीं मिला?

जानें, क्या है कानून और कोर्ट में क्या माना जाता है सबूत

परिवार में वसीयत को लेकर झगड़े अक्सर रिश्तों को बिखेर देते हैं। अगर वसीयत में हिस्से बराबर न हों या लगे कि कोई बाहर से दखल दे रहा था, तो मामला और उलझ जाता है। लेकिन कानून के मुताबिक, सिर्फ असमानता देखकर वसीयत को चुनौती नहीं दी जा सकती। यहां बहुत मजबूत सबूत चाहिए। अगर परिवार पहले से ही सही कदम उठाएं, तो लंबी अदालती लड़ाई और पैसे की बर्बादी से बच सकते हैं। खैतान एंड कंपनी की पार्टनर ज्योति सिन्हा बताती हैं कि ऐसे मामलों में सही जानकारी होना जरूरी है, वरना छोटी-छोटी बातें नजरअंदाज हो जाती हैं।

छिपे हुए संकेत जो नजर नहीं आते

परिवार वाले अक्सर उन छोटे-छोटे इशारों को मिस कर देते हैं, जो वसीयत में गड़बड़ी की ओर इशारा करते हैं। सिन्हा कहती हैं कि अगर कोई फायदा उठाने वाला शख्स लंबे समय से टेस्टेटर (वसीयत बनाने वाला) के करीब रहा हो और फैसले प्रभावित करने की कोशिश करता दिखे, तो ये दबाव या अनुचित प्रभाव का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, वसीयत में हस्ताक्षर में कुछ असामान्य हो, जैसे डॉक्टर का सर्टिफिकेट न होना जो दिमागी हालत की पुष्टि करे, या जहां काट-पीट हुई हो वहां इनिशियल्स न हों, तो ये चेतावनी के घंटे हैं। ये चीजें खुद-ब-खुद वसीयत को अमान्य नहीं बनातीं, लेकिन जांच की जरूरत बताती हैं। सिन्हा की सलाह है कि इन पर गौर करके जल्दी कदम उठाएं, क्योंकि वक्त बीतने पर सबूत गुम हो सकते हैं।

बिजनेस साइट

अष्टविनायक रियल्टीज के आवासीय प्रोजेक्ट 'महादेव विहार' को मिला शानदार रिस्पांस

रायपुर। अष्टविनायक रियल्टीज और महादेव वेंचर्स के आवासीय प्रोजेक्ट 'महादेव विहार' का तीन दिवसीय भव्य लॉन्च सेजबहार, ओल्ड धमतरी रोड पर जोर-शोर से जारी है। लॉन्च के दूसरे दिन भी ग्राहकों का उत्साह देखते ही बन रहा है। प्रोजेक्ट को अब तक 800 से अधिक विजिट्स मिले हैं, वहीं रिकॉर्ड 90 प्लॉट्स की बुकिंग दर्ज की जा चुकी है, जो रायपुर रियल एस्टेट मार्केट में एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है। अमर ग्रुप ऑफ कंपनीज के डायरेक्टर नरेंद्र राठी ने प्रोजेक्ट को मिल रहे जबरदस्त प्रतिक्रिया पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि महादेव विहार में ग्राहकों का यह अभूतपूर्व विश्वास प्रोजेक्ट की गुणवत्ता और सेजबहार क्षेत्र की प्राइम लोकेशन का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि पहले दिन की तुलना में दूसरे दिन बुकिंग में आए उछाल से यह स्पष्ट है कि लोग इस वेल-प्लान्ड टाउनशिप की सुविधाओं, भविष्य की संभावनाओं और निवेश मूल्य को बखूबी पहचान रहे हैं।

महादेव वेंचर्स के डायरेक्टर जगजीत सिंह भाटिया ने बढ़ती मांग को देखते हुए लॉन्च अवधि को एक दिन और बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि केवल दो दिनों में 90 प्लॉट बुक होना रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। ग्राहकों के उत्साह को देखते हुए अब लॉन्च इवेंट सोमवार, 1 दिसंबर 2025 तक चलेगा, जिससे अधिक लोग प्रोजेक्ट विजिट कर बुकिंग का लाभ उठा सकेंगे। अष्टविनायक रियल्टीज के सीएमडी संतोष लोहाना (विक्की) ने भी ग्राहकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 800 से अधिक विजिटर्स का आंकड़ा कंपनी के प्रति लोगों के भरोसे और पारदर्शिता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि कई ग्राहक वीकेंड में व्यस्त थे, इसलिए उन्हें ध्यान में रखते हुए एक अतिरिक्त दिन दिया गया है। कंपनी ने सभी इच्छुक ग्राहकों को आमंत्रित किया है कि वे प्रोजेक्ट विजिट कर अपना पसंदीदा प्लॉट बुक करें और आकर्षक लकी ड्रॉ का हिस्सा बनें।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियालिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास
M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे
MS Ophthalmology
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण
• आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी,
• सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण)
• गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा निडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
24x7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स
क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

वुमेंस प्रीमियर लीग का शेड्यूल जारी, 2 शहर में 22 मुकाबले, मुंबई इंडियंस-आरसीबी के बीच पहला मैच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरुआत 9 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) और 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबले के साथ होगी। डब्ल्यूपीएल 2026 के शेड्यूल की जानकारी देते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि नवी मुंबई में दो डबल-हेडर मुकाबले होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 5 फरवरी को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में आयोजित होगा। विमेंस प्रीमियर लीग 2026 में 9-17 जनवरी के बीच मुकाबले नवी मुंबई में खेले जाएंगे। इस दौरान 11 मुकाबले आयोजित होंगे। इसके बाद शेष 11 मैच वडोदरा में होंगे। इनमें प्लेऑफ भी शामिल हैं।

वडोदरा लेग की शुरुआत गुजरात जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के साथ होगी। मुंबई इंडियंस डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर इस सीजन में उतर रही है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस खिताब को जीतने वाली दूसरी टीम है। गुजरात जायंट्स वडोदरा लेग की शुरुआत आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से करेगी, जिसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच 2025 के फाइनल का री-मैच होगा। 1 फरवरी को लीग स्टेज खत्म होने के बाद, एलिमिनेटर में दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें हिस्सा लेंगी। टेबल टॉपर सीधे 5 फरवरी को फाइनल में पहुंचेगी।

टाइम टेबल

नवी मुंबई लेग:
9 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स
10 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस
17 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा लेग:
19 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
1 फरवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
3 फरवरी: एलिमिनेटर
5 फरवरी: फाइनल

खबर संक्षेप

ओजस्विनी ने जीती डीजीसी लेडीज एमेच्योर ओपन गोल्फ चैंपियनशिप

नई दिल्ली। ओजस्विनी सारस्वत ने दिल्ली गोल्फ क्लब में 222 के कुल स्कोर के साथ 15वीं डीजीसी लेडीज एमेच्योर ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता। इस प्रतियोगिता में 115 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें सारस्वत ने 222 अंकों के साथ ट्रॉफी जीती, जबकि केया बडुगु (225) दूसरे और योग्या भल्ला (232) तीसरे स्थान पर रही। अन्य खिलाड़ियों में प्रतियोगिता के अंतिम दिन एशम अग्निश ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन किया।

शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब अदिति अवनि शीर्ष 20 में बनाई जगह

मलागा। गोल्फर अदिति अशोक एंडालुसिया कोस्टा डेल सोल ओपन डी एस्पाना में दूसरे राउंड के बाद शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब पहुंच गई जबकि अवनि प्रशांत ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 20 में जगह बना ली।

इस प्रतियोगिता की पूर्व विजेता अदिति ने दूसरे राउंड में दो अंडर 70 का स्कोर बनाया और अब वह पांच अंडर 139 के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गई है। अवनि ने दूसरे राउंड में तीन अंडर 69 का सर्वश्रेष्ठ कार्ड हासिल किया, जिससे उनका स्कोर चार अंडर हो गया और वह संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में प्रणवी उर्स (71) एक ओवर के कुल स्कोर पर 47वें स्थान पर जबकि हिताशी बख्शी (76) और दीक्षा डागर (75) दोनों संयुक्त 64वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड को ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले लगा झटका, मार्क वुड दूसरे मुकाबले से बाहर

पर्थ। इंग्लैंड क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले झटका लगा है। तेज गेंदबाज मार्क वुड ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। वह पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में खेले थे। इस मुकाबले में इंग्लैंड को दो दिन के अंदर सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। मार्क वुड का यह नौ महीनों के अंदर पहला प्रतिस्पर्धी मैच था।

गिल और अय्यर इंजरी के कारण बाहर, मैच दोपहर 1.30 से शुरू

आज से भारत-द.अफ्रीका वनडे सीरीज का आगाज, रोहित और कोहली की कड़ी परीक्षा

एजेंसी ▶▶| रांची

अब केवल वनडे में खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में आकर्षण का केंद्र होंगे, जिससे वह 2026 में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन इस श्रृंखला से चयन संबंधी समस्याओं का समाधान भी करना चाहेगा। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान चयन संबंधी मसलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा था। रोहित और कोहली दोनों अब केवल एक ही अंतरराष्ट्रीय प्रारुप में खेलते हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत के टेस्ट सीरीज हराने के बाद रोहित और कोहली की वनडे सीरीज जीतने के लिए कड़ी परीक्षा होगी। वहीं शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर दोनों इंजरी के कारण बाहर हैं।

केएल राहुल को कप्तानी की कमान

इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की कप्तान केएल राहुल के हाथों में सौंपी गई है। शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर दोनों इंजरी के कारण बाहर हैं। साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार रविंद्र जडेजा भी वनडे टीम में नजर आने वाले हैं। साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा होंगी। उनके ऊपर भी नजरें होंगी। क्योंकि साउथ अफ्रीका ने 10 साल से भारत में कोई भी वनडे सीरीज नहीं जीती है।

बुमराह और सिराज को आराम

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है, जबकि नियमित कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर चोटिल हैं। उनकी अनुपस्थिति न केवल टीम की बल्लेबाजी को कमजोर करती है, बल्कि कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल और मुख्य कोच गंभीर को भी अपनी भूमिकाएं और जिम्मेदारियां निभाने के लिए बाध्य करती है। मध्यक्रम की पहेली और भी नाजुक है। प्रबंधन को यह तय करना होगा कि ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को चुना जाए या फिर नीतीश कुमार रेड्डी को। तिलक वर्मा ने खुद को भरोसेमंद बल्लेबाज साबित किया है और टीम प्रबंधन उन्हें अंतिम एकादश में रखना चाहेगा।

विराट अपने नाम करेंगे खास रिकॉर्ड

कोहली ने द्विपक्षीय वनडे सीरीज के इतिहास में 196 पारियों में 9936 रन बनाए हैं। अगर कोहली इस मैच में 64 रन बना लेते हैं तो द्विपक्षीय वनडे सीरीज में 10 हजार रन पूरे कर लेंगे और ऐसा करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन जाएंगे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर एमएस धोनी हैं, जिन्होंने 201 पारियों में 7669 रन बनाए हैं। बता दें कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोहली का वनडे रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने अभी तक साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में 65.39 की औसत से 1504 रन बनाए हैं, इस दौरान वह पांच शतक लगाने में कामयाब रहे हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे करने से सिर्फ 98 रन दूर रोहित

रोहित अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। इस सीरीज के पहले मैच में रोहित शर्मा के पास एक खास उपलब्धि को अपने नाम करने का मौका होगा। रोहित इंटरनेशनल क्रिकेट में 20 हजार रन पूरे करने से सिर्फ 98 रन दूर हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में अभी तक सिर्फ 13 खिलाड़ी ही इस उपलब्धि को अपने नाम कर पाए हैं। 98 रन बनाते ही वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 20000 रन बनाने वाले भारत के चौथे और दुनिया के 14वें क्रिकेटर बन जाएंगे। भारत के लिए यह कारनामा अभी तक सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ ने ही हासिल किया है।

टीमें इस प्रकार

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी , रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रायन।

पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी

मलेशिया, नीदरलैंड ने की जीत से शुरुआत

एजेंसी ▶▶| मदुरै

मलेशिया और नीदरलैंड ने पूल ई के मैचों में क्रमशः ऑस्ट्रिया और इंग्लैंड को हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। मलेशिया ने दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रिया को 5-1 से जबकि नीदरलैंड ने इंग्लैंड को 5-3 से हराया।

मलेशिया के लिए दानिश खैरिल (56वें और 57वें मिनट) ने दो जबकि हैरिस उस्मान (28वें मिनट), एडम जोहरी (47वें मिनट) और नवीनेश पनिकर (55वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। ऑस्ट्रिया का एकमात्र गोल 56वें मिनट में जूलियन कैसर ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले नीदरलैंड की इंग्लैंड पर जीत में जान वैनट लैंड (दूसरे और 49वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके अलावा कैस्पर वैन डेर वीन (26वें मिनट) ने भी एक मैदानी गोल किया, जबकि जोप्पे वोलबर्ट (39वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और डैनिलो ट्राइलिंग (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड के लिए गोल कैडेन ड्रेसी (11वें), माइकल रॉयडेन (29वें) और जॉर्ज फ्लेचर (49वें) ने किए।

विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति ने जीता गोल्ड

नई दिल्ली। शिवाजी यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहीं विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) के पांचवें दिन कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। पूल में ओलंपियन श्रीहरि नटराज और भव्या सचदेवा ने बेंगलुरु की जैन यूनिवर्सिटी को दबदबा बनाए रखने में मदद की, जिससे तैराकी स्पर्धा अभियान 27 स्वर्ण पदक के साथ खत्म हुआ। यूनिवर्सिटी ने तैराकी की नौ स्पर्धाओं में आखिरी दिन सात स्वर्ण पदक जीते।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
आंचलिक कार्यालय, रायपुर

कार्यालय परिसर के पट्टे के लिए निविदा आमंत्रण सूचना

इंडियन बैंक, एक सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक, नई शाखा खोलने के लिए निम्नलिखित केंद्रों में पट्टे के आधार पर (तैयार / निर्माणाधीन परिसर) की पेशकश करने के इच्छुक कार्यालय परिसर के मालिकों से 2 बोली प्रणाली (तकनीकी और वित्तीय बोली) के तहत निविदाएं आमंत्रित करता है।

स. क्र.	केन्द्र	जिला	राज्य	जनसंख्या श्रेणी	आवश्यक क्षेत्रफल (वर्गफुट में) (कुर्सी क्षेत्रफल)
1	रायपुर (सड्डू-विधानसभा रोड)	रायपुर	छत्तीसगढ़	मेट्रो	1100-1200

प्रस्तावित परिसर भूतल/प्रथम तल पर होना चाहिए जिसमें पार्किंग सुविधा हो और शाखा/कार्यालय स्थापित करने हेतु 15 वर्ष की लीज अवधि हो। निविदा प्रपत्र **इंडियन बैंक, आंचलिक कार्यालय, 18/1421, प्रथम तल, कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, रायपुर, 492007, छत्तीसगढ़ से 02.12.2025, प्रातः 10:00 बजे से 17.12.2025, दोपहर 3:00 बजे तक** रु. 250/- (वापसी योग्य नहीं) का भुगतान इंडियन बैंक के पक्ष में डीडी/आईओआई के माध्यम से करके प्राप्त किए जा सकते हैं। बिड जमा करने की अंतिम तिथि **17.12.2025, शाम 5:00 बजे** है। निविदा और निविदा प्रपत्रों का विवरण हमारी वेबसाइट: www.indianbank.in/tenders से प्राप्त किया जा सकता है।
निर्धारित प्रारूप में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र, आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेजों के साथ, वेबसाइट 'विज्ञापन' में दिए गए विवरण के अनुसार, सीलबंद लिफाफे में, **दिनांक 17.12.2025 को सायं 5:00 बजे तक,** आंचलिक कार्यालय रायपुर में जमा किए जाने चाहिए।
बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
उप महाप्रबंधक, इंडियन बैंक, आंचलिक कार्यालय, रायपुर

श्रीकांत, त्रीसा-गायत्री खिताब के करीब

लखनऊ। पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत और गत चैंपियन त्रीसा जॉली तथा गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्रमशः पुरुष एकल और महिला युगल फाइनल में जगह बनाई। वर्ष 2016 में यहां खिताब जीतने वाले 32 साल के श्रीकांत ने कड़े मुकाबले में हमवतन और 2023 के राष्ट्रीय चैंपियन मिथुन मंजूनाथन को सेमीफाइनल में 21-15, 19-21, 21-13 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावन और जापान के मिनोरु कोगा के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। श्रीकांत की जीत से पहले त्रीसा और गायत्री की दुनिया की 14वें नंबर की जोड़ी ने ओंग शिन यी और कारमेन टिंग की मलेशिया की दुनिया की 33वें नंबर की जोड़ी को सीधे गेम में 21-11, 21-15 ये हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

सुल्तान अजलन शाह हॉकी के फाइनल में भारत, कनाडा को 14-3 से हराया

एजेंसी ▶▶| तइपोह

जुगराज सिंह के चार गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बड़े स्कोर वाले मुकाबले में कनाडा को 14-3 से हराकर पूल तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर सुल्तान अजलन शाह कप के फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अभी तक सिर्फ बेल्जियम से एक गोल से हार मिली लेकिन पिछले मैच में न्यूजीलैंड पर 3-2 की शानदार जीत के बाद खिलाड़ी आत्मविश्वास से ओतप्रोत थे। भारतीय टीम रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी। नीलकांत शर्मा ने मैच की शुरुआत चौथे मिनट में गोल दागकर की, जिसके बाद सीनियर टीम में पदार्पण करने के बाद अच्छी फॉर्म में चल रहे राजिंदर सिंह ने 10वें मिनट में गोल कर दिया। यह रोमांचक शुरूआत रही। कनाडा ने शुरुआती गोल का जवाब पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके उसे गोल में बदलकर दिया। 11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। फिर अगले कुछ मिनटों में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने क्रमशः 12वें और 15वें मिनट में गोल कर किए, जिससे भारत की बढ़त 4-1 हो गई। इस टूर्नामेंट के लिए टीम के सीनियर स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया गया था इसलिए बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी और उन्होंने कनाडा के डिफेंस को दबाव में रखकर अच्छा प्रदर्शन किया।

दिल्ली कैपिटल्स ने 10 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा

दीया बनीं 16 की उम्र में लीग की सबसे युवा खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में 14 वर्षीय खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने अपना डेब्यू करके इतिहास रचा था। उस सीजन शतक लगाने के बाद इस खिलाड़ी ने मुड़कर नहीं देखा। अब वह इंडिया ए और इंडिया अंडर 19 का भी हिस्सा हैं।

वहीं अब उनकी तरह ही वुमेंस प्रीमियर लीग 2026 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में एक 16 वर्षीय खिलाड़ी का नाम सामने आया है। इस खिलाड़ी का नाम दीया यादव है। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने 10 लाख के बेस प्राइस पर अपने साथ जोड़ा है।

कॅरियर का टर्निंग प्वॉइंट थी यह पारी

दिल्ली कैपिटल्स के दीया पर बोली लगाने के बाद शेफाली वर्मा ने इंस्टाग्राम पर उन्हें बधाई भी दी थी। दीया तीन साल से शेफाली के साथ खेलती आ रही हैं। उनका खेलना का स्टाइल भी ठीक भारतीय ओपनर की तरह है। उन्होंने अंडर 15 वुमेंस वनडे कप में त्रिपुरा के खिलाफ 125 गेंद पर 213 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस पारी के बाद दीया ने कहा भी कि इससे पहले उन्हें कोई नहीं जानता था। यह पारी उनके कॅरियर का टर्निंग प्वॉइंट थी।

शेफाली और जेमिमा के साथ खेलेंगी

गौरतलब है कि डब्ल्यूपीएल के मेगा ऑक्शन में 67 खिलाड़ियों की बोली कुल पांच टीमों ने लगाई थी। इसमें दीया का नाम भी शामिल था। वह दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बनी हैं। इस टीम में पहले से शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स जैसी विश्व विजेता भारतीय बैटर शामिल हैं। शेफाली हाल ही में वर्ल्ड कप फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच भी रही थीं। खास बात यह है कि 16 वर्षीय दीया शेफाली को अपना रोल मॉडल भी मानती हैं। वह हरियाणा के लिए शेफाली के साथ खेल भी चुकी हैं।

HDFC BANK
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा: अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर, फोन : 0771-4243149/240
CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

मांग–सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम) की धारा 13 (2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ें। जबकि अधोहस्ताक्षरी प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश द्वारा अनुमोदित समामेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) का प्राधिकृत अधिकारी है। वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत मांग नोटिस जारी किए गए। , यहां नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों से संबंधित नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर संबंधित मांग नोटिस/नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान करने का आह्वान किया गया है। नीचे दिए गए विवरण के अनुसार. अधोहस्ताक्षरी ने इन नोटिसों को उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों के अंतिम ज्ञात संबंधित पते के परिसर में चिपकाया है। उक्त नोटिस की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि, यदि चाहें तो, किसी भी कार्य दिवस पर संबंधित प्रति अधोहस्ताक्षरी से प्राप्त कर सकते हैं। सामान्य कार्यालय समय.

उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों को नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर एचडीएफसी को भुगतान करें। यहां नीचे दी गई राशियां उनके संबंधित नामों में अतिरिक्त ब्याज के साथ दी गई हैं। जैसा कि उक्त डिमांड नोटिस में बताया गया है, नीचे कॉलम (सी) में उल्लिखित संबंधित तारीखों से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, ऋण समझौते और उक्त उधारकर्ता द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेजों/लेखों, यदि कोई हो, के साथ पढ़ा जाए। . ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित सुरक्षित संपत्ति को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा एचडीएफसी के पास गिरवी रखा गया है।

सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्रं.	ऋणी/जमानतदार का नाम एवं पता	बकाया राशि	मांग सूचना तिथि	बंधक संपति का विवरण
	(ब)	(स)	(द)	(इ)
01.	**उधारकर्ता:– श्रीमान चौबे अंशू** पिता श्री चौबे तारकेश्वर नाथ, मकान खसरा क्र. 512/15, खसरा क्रमांक–512/15, प.ह.नं. 37, मौजा गोंदवारा, वार्ड क्रमांक 4, यतियतन लाल वार्ड, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001. **उधारकर्ता:– श्रीमान चौबे अंशू** पिता श्री चौबे तारकेश्वर नाथ, जनता–397, जनता कॉलोनी रोड, कमेटी हॉल के पास, जनता कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492009. **उधारकर्ता:– श्रीमान चौबे अंशू** पिता श्री चौबे तारकेश्वर नाथ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमि. पहली मंजिल, ब्लॉक ए1, पुजारी चैंबर, एनएच–43, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001. **सह–उधारकर्ता:–श्रीमती चौबे जिज्ञासा,** पति श्री चौबे तारकेश्वर नाथ, मकान खसरा क्र. 512/15, खसरा क्रमांक–512/15, प.ह.नं. 37, मौजा गोंदवारा, वार्ड क्रमांक 4, यतियतन लाल वार्ड, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001. **सह–उधारकर्ता:–श्रीमती चौबे जिज्ञासा,** पति श्री चौबे तारकेश्वर नाथ, जनता–397, जनता कॉलोनी रोड, कमेटी हॉल के पास, जनता कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492009. **सह–उधारकर्ता:–श्री चौबे हनी** पिता स्व. श्री चौबे तारकेश्वर, मकान खसरा क्र. 512/15, खसरा क्रमांक–512/15, प.ह.नं. 37, मौजा गोंदवारा, वार्ड क्रमांक 4, यतियतन लाल वार्ड, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001. **सह–उधारकर्ता:–श्री चौबे हनी** पिता स्व. श्री चौबे तारकेश्वर, जनता–397, जनता कॉलोनी रोड, कमेटी हॉल के पास, जनता कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492009.	₹ 39,68,846/- as on 31-10-2025	14 नवम्बर-2025	समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली भूमि, अनुक्रमांक क्रमांक 631, खसरा क्रमांक 512/1, मौजा–गोंदवारा, वार्ड क्रमांक 04, यतियतन लाल वार्ड, प.ह.नं.–108/37, रानिमं–रायपुर–5, तह. एवं जिला–रायपुर, छत्तीसगढ़।
02.	**उधारकर्ता:– श्री आनंद अभिषेक,** पिता श्री आनंद विपिन, अविनाश वुड्स, ब्लॉक बी, फ्लैट–बी–106, फ्लोर–1, स.क्र., खसरा नंबर 26/7-8, मौजा–कांगोली, तह.–जगदलपुर, जिला–बस्तर, छत्तीसगढ़, 494001. **उधारकर्ता:– श्री आनंद अभिषेक,** पिता श्री आनंद विपिन, 32/ख, जैन घेरा, डॉ. अब्दुल कलाम वार्ड क्रमांक 40, बस्तर, जगदलपुर, छत्तीसगढ़, 494001. **उधारकर्ता:– श्री आनंद अभिषेक,** पिता श्री आनंद विपिन, मै. गर्व से कहो हम चटोरे है, बिनाका मॉल, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ 494001. **सह–उधारकर्ता:– श्रीमती आनंद मंजूषा,** पति श्री आनंद विपिन, अविनाश वुड्स, ब्लॉक बी, फ्लैट–बी–106, फ्लोर–1, स.क्र., खसरा नंबर 26/7-8, मौजा–कंगोली, तह.–जगदलपुर, जिला–बस्तर, छत्तीसगढ़, 494001. **सह–उधारकर्ता:– श्रीमती आनंद मंजूषा,** पति श्री आनंद विपिन, श्री आनंद विपिन, 32/ख, जैन घेरा, डॉ. अब्दुल कलाम वार्ड क्रमांक 40, बस्तर, जगदलपुर, छत्तीसगढ़, 494001.	₹ 27,57,810/- as on 31-10-2025	14 नवम्बर-2025	समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली अपार्टमेंट नंबर 106, ब्लॉक बी 'अविनाश वुड्स' प्रथम तल, मौजा–कांगोली, वार्ड नंबर 36, गुरु गोविंद सिंह वार्ड, पी.सी. नंबर 03, तहसील–जगदलपुर जिला–बस्तर, छत्तीसगढ़.
03.	**उधारकर्ता:– श्री जायसवाल नवनीत,** पिता श्री जायसवाल राजेंद्र, प्लॉट 03, खसरा 11/59, प.ह.नं. 15/20, मौजा कातुलबोड़, मकान नंबर 59, हरि नगर वार्ड, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491001. **उधारकर्ता:–श्री जायसवाल नवनीत,** पिता श्री जायसवाल राजेंद्र, प्लॉट नंबर 23, बाबा फरीद नगर, गायत्री नगर, नागपुर, महाराष्ट्र 440030. **उधारकर्ता:– श्री जायसवाल नवनीत,** पिता श्री जायसवाल राजेंद्र, स्पाइस मनी लिमिटेड, ए–22,ना, रेलवे स्टेशन, मोहन नगर, नागपुर, महाराष्ट्र 440030.	₹ 25,89,208/- as on 31-10-2025	14 नवम्बर-2025	समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली भूमि, प्लॉट नंबर 03, खसरा नंबर 11/59, मौजा–कातुलबोड़ वार्ड नंबर 59, प.ह.नं.–15/20, रानिमं–दुर्ग 1, तह. एवं जिला– दुर्ग, छत्तीसगढ़।

*अतिरिक्त ब्याज के साथ। भुगतान और/या वसूली की तारीख तक किए गए आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क जैसा लागू हो आदि।
यदि उक्त उधारकर्ता उपर्युक्त के अनुसार एचडीएफसी को भुगतान करने में विफल हो जाते हैं, तो एचडीएफसी उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जो पूरी तरह से जोखिम में है। उक्त उधारकर्ता(ओं)/कानूनी वारिस(ओं)/कानूनी प्रतिनिधियों(ओं) की लागत और परिणाम के बारे में।
उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि को उक्त अधिनियम के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है, चाहे वह बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से हो। एचडीएफसी की पूर्व लिखित सहमति। कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, वह अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।
स्थान : रायपुर, जगदलपुर, दुर्ग
दिनांक : 30.11.2025
पंजीकृत पता- एचडीएफसी बैंक हाऊस, सेनापती बापट मार्ग, लोवर परेल (पश्चिम), मुंबई–400020
कृते / प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

धरती का सबसे विषैला सांप, एक दंश में ले सकता है 100 लोगों की जान

एजेंसी ▶▶| पश्चिम चम्पारण

सांप एक ऐसी प्रजाति है जो बिना जहर से लेकर इतना जहरीला होता है कि अगर दंश कर ले तो जान बचाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे ही एक सांप के बारे बताने जा रहे हैं। वैसे तो दुनियाभर में सांपों की करीब 3900 प्रजातियां पाई जाती हैं, लेकिन आज हम आपको जिस सांप के बारे में बता रहे हैं उसे धरती का सबसे जानलेवा सांप माना जाता है। गनीमत इस बात की है कि यह सांप सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में ही पाया जाता है।

दुनियाभर में सांपों की करीब 3900 प्रजातियां

विशेषज्ञों की मानें तो यह सांप कोई और नहीं, बल्कि इन्लैंड टाइपेन है। पिछले 25 वर्षों से वाइल्ड लाइफ पर काम कर रहे एक्स्पर्ट अभिषेक बताते हैं कि इन्लैंड टाइपेन एक लंबे और पतले शरीर वाला सांप है। विषैले सांपों की सूची में सबसे ऊपर रहने वाले इस सांप को अंतर्देशीय टाइपेन के नाम से भी जाना जाता है। इन्लैंड टाइपेन की विषाक्ता का अनुमान आप कुछ ऐसे लगा सकते हैं कि इसकी एक बाइट से निकलने वाली विष 100 लोगों की जान बड़ी आसानी से ले सकती है।इस सांप के विष की घातकता ज़मीन पर पाए जाने वाले अन्य सभी सांपों की तुलना में सबसे अधिक होती है।

न्यूरोटॉक्सिक और हीमोटॉक्सिक वेनम से लैस

बकौल अभिषेक, इन्लैंड टाइपेन के विषग्रंथों में न्यूरोटॉक्सिक और हीमोटॉक्सिक दोनों ही विष पाए जाते हैं। जहां न्यूरोटॉक्सिक खून में मिलते ही तंत्रिका तंत्र को डैमेज करने लगता है, वहीं हीमोटॉक्सिक खून में मिलते ही उसे जेली की तरह जमा कर थक्के बनाने लगता है। खून के थक्के बनने की वजह से शरीर अलग अलग हिस्सों से फटने लगता है और पीड़ित की बेहद दर्दनाक मौत हो जाती है।

10 मिनट में मौत पक्की

सबसे भयावह बात यह है कि इसके दंश के बाद इलाज के लिए पीड़ित को सिर्फ 10 मिनट का समय मिलता है।10 मिनट के बाद पीड़ित की स्थिति बिगड़ने लगती है और वह धीरे धीरे मौत के मुंह में चला जाता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन्लैंड टाइपेन अपने एक दंश में 44 से 45 मिलीग्राम तक विष छोड़ता है, जो भारत में पाए जाने वाले गेहूंवन और किंग कोबरा से बेहद कम होता है, लेकिन इसके विष की प्रबलता इतनी घातक होती है कि 15 मिनट से भी कम समय में पीड़ित की जान ले सकता है।

124 साल से हवा में लटककर चल रही यह ट्रेन, द्वितीय विश्व युद्ध के भारी हवाई हमलों के बाद भी नहीं रुकी

दुनिया में एक अनोखी ट्रेन ऐसी भी है जो जमीन पर नहीं, बल्कि हवा में लटककर चलती है। तकनीक और इंजीनियरिंग का ये कमाल आज भी लोगों को हैरान कर देता है। जर्मनी के वुप्पर्टल शहर में 1901 से चल रही श्वेबेबान दुनिया की सबसे पुरानी सस्पेंशन ट्रेन है जो पटरियों से नीचे लटककर हवा में तैरती हुई चलती है।

124 सालों से यह ट्रेन नदी और सड़कों के ऊपर से गुजरती है और पहिए ऊपर की पटरी को पकड़ते हैं जिससे उल्टी चलने का भ्रम होता है। कहते हैं कि 1880 के दशक में वुप्पर्टल कपड़ा उद्योग की वजह से तेजी से बढ़ रहा था लेकिन वुप्पर नदी की घाटी में पारंपरिक रेल या ट्राम बनाना नामुमकिन था। शहर को ऐसे ट्रांसपोर्ट की जरूरत थी जो जमीन पर जगह न ले इसलिए हवा में लटकाने का आइडिया आया।

श्वेबेबान ट्रेन किसने डिजाइन की?

इंजीनियर और व्यापारी यूजेन लैंगन ने यह अनोखा सस्पेंशन रेलवे आइडिया दिया जो पहले माल ढोने के लिए इस्तेमाल कर चुके थे। शहर ने तुरंत मंजूरी दी और 1898 में निर्माण शुरू होकर 1901 में ट्रेन जनता के लिए खोल दी गई। 1901 में जर्मनी के सम्राट विल्हेम द्वितीय ने अपनी पत्नी के साथ श्वेबेबान की पहली यात्रा की इसलिए शुरुआती डिब्बे को कैसरवेगन नाम दिया गया।

रोज 80 हजार यात्री करते हैं सफर

आज भी श्वेबेबान रोज 80 हजार से ज्यादा लोगों को ले जाती है और कई बार मॉडर्नाइजेशन के बाद भी मूल स्ट्रक्चर वही है। यह वुप्पर्टल शहर का प्रतीक है और टूरिस्ट्स के लिए सबसे बड़ा अट्रैक्शन बना हुआ है।

द्वितीय विश्व युद्ध में श्वेबेबान को क्या हुआ?

द्वितीय विश्व युद्ध में 1943-45 के भारी हवाई हमलों से नेटवर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ लेकिन 1946 के ईस्टर तक पूरा मार्ग फिर से चालू हो गया। यह इसकी जबरदस्त मजबूती और इंजीनियरिंग का कमाल दिखाता है।

श्वेबेबान कितने स्टेशन और कितनी स्पीड है?

यह ट्रेन 20 स्टेशनों को कवर करती है और पूरी यात्रा सिर्फ 35 मिनट में पूरी कर लेती है जबकि कुछ हिस्सों में जमीन से 30 फीट ऊपर चलती है। खिड़की से बाहर देखो तो पूरा शहर पोस्टकार्ड जैसा लगता है।

दुनिया में सस्पेंशन ट्रेन कहां कहां है?

आज दुनिया में सिर्फ जर्मनी और जापान जैसे कुछ देशों में सस्पेंशन रेलवे है लेकिन सबसे पुरानी और सबसे बेहतरीन वुपर्टल श्वेबेबान ही है। 124 साल बाद भी यह समय की हर कसौटी पर खरी उतर रही है।

इस सांप का नाम घोड़ा पछाड़ क्यों...! क्या यह सच में घोड़े से भी तेज भागता है ?

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के सबसे ज्यादा जहरीले जीव सांप है लेकिन क्या आपको पता है दुनिया में एक सांप ऐसा है जिसे घोड़ा पछाड़ नाम से जाना जाता है। घोड़ा पछाड़ का मतलब यह नहीं कि वह सांप को पछाड़ देता है बल्कि यह दौड़ में घोड़े को पीछे छोड़ देता है । यह सांप जहरीला तो बिल्कुल नहीं होती है, लेकिन घोड़े की स्पीड से भागता है।

दुनिया के सबसे जहरीले जीव : दुनियाभर में सांपों की 3500 हजार से ज्यादा प्रजाति मौजूद हैं। इनमें कई सांप बहुत जहरीले होते हैं, जिनके जहर से इंसान की कुछ ही समय के भीतर जान जा सकती हैं, लेकिन कुछ बिना जहर के भी सांप होते हैं।

घोड़े जैसी स्पीड वाला सांप : दुनिया के लगभग सभी सांपों का रंग और साइज अलग-अलग देखने को मिलता हैं लेकिन यहां एक ऐसे सांप के बारे में बता रहे है, जिसकी स्पीड का मुकाबला सीधा घोड़े से होता हैं।

क्या खाता है यह सांप

इन सांपों के पास तेज रफ्तार होने की वजह से लोग घोड़ा पछाड़ कहते हैं। इन सांपों की लंबाई लगभग 8 से लेकर 10 फीट होती है। लेकिन रेट स्नेक सांप बिल्कुल भी जहरीला नहीं होता है और यह चूहे या अन्य छोटे जीवों का अपना शिकार बनाते हैं। यह सांप अपने आसपास इंसानों की मौजूदगी का अहसास करने पर वहां से भाग जाते हैं। यह सांप अक्सर घरों, खेतों या जंगलो में आसानी से नजर आ जाते है। बारिश के दिनों घोड़ा पछाड़ सांप सबसे ज्यादा दिखते हैं।

घोड़ा पछाड़ सांप के बारे में

दुनिया के अनेक हिस्सों में पाए जाने वाले सांपों में से एक सांप को घोड़ा पछाड़ के नाम से जाना जाता है। यह सांप भारतीय उपमहाद्वीप में देखने को मिलता है। इसे लोकल स्तर पर धामन और वर्ल्डवाइड रेट स्नेक के नाम से लोग जानते हैं।

सांप का घोड़ा पछाड़ नाम क्यों?

हां, लेकिन क्या आपके मन सवाल आया है कि इन सांपों को घोड़ा पछाड़ क्यों कहां है? क्या इसका घोड़ों के साथ कोई कनेक्शन हैं? दरअसल, ये सांप भागते बहुत तेज स्पीड से है।

चर्चगेट में कौन सा गेट और गोरेगांव में कौन सा गांव...? जानिए मुंबई के इन स्टेशनों के अजीबोगरीब नाम की वजह

भारतीय रेल पूरी दुनिया में एक बड़े नेटवर्क के रूप में जाना जाता है। भारत में रेलवे स्टेशनों के नाम तो वैसे एक से बढ़कर एक और चौंकाने वाले, हंसाने वाले होते हैं लेकिन कई ऐसे स्टेशन हैं जिनका नाम तो है मगर जिस कारण से उनका नाम है वह प्रतीक नहीं है। अगर मुंबई की लोकल ट्रेन में कभी सफर किया है, तो यहां के स्टेशन के नाम जैसे कुर्ला, चर्नी रोड या माटुंगा तो सुने होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये नाम आखिर कैसे रखे गए? आइए इसकी कहानी जानते हैं।

गोरेगांव : इस स्टेशन का नाम गोरेगांव रखने की कई वजह बताई जाती है। जिनमें से कुछ लोगों मानना है कि यह जगह प्राचीन काल में एक बड़ा दूध उत्पादन केंद्र थी। यही वजह है कि गोरेगांव नाम रखा गया है।

वी. नालासोपारा : इसका नाम पुराने बंदरगाह शूर्परका या सोपारा के स्थान पर रखा गया है जिन्हें भारत का सबसे पुराने बंदरगाह शहरों में से एक माना जाता है। जिनका इतिहास 1000 साल से भी ज्यादा पुराना है।

कांदिवली : कांदिवली जिसे पहले कभी खंडोली के नाम से जाना जाता है। यह रेलवे स्टेशन 1907 में चालू हुआ था। माना जाता है कि इसका खंड से आया है। जिसका मतलब होता है चट्टान का टॉप पार्ट, क्योंकि यहां पत्थर की खदानें थी।

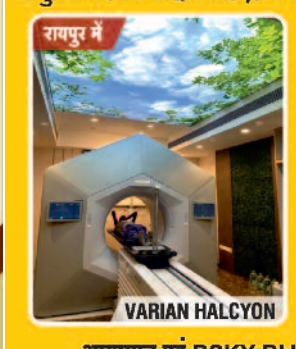

चर्चगेट रेलवे स्टेशन : मुंबई के सबसे एक्टिव स्टेशनों में से एक, चर्चगेट का नाम 1860 के दशक के मध्य में ध्वस्त किए गए पुराने चर्च गेट के नाम पर रखा गया था। यह उस जगह पर चर्च का एंट्री गेट था जहां आज फ्लोरा फाउंटेन स्थित है।

माटुंगा : माटुंगा शब्द मराठी शब्द मतंग या हाथी से लिया गया है, ऐसा कहा जाता है कि राजा भीमदेव की सेना के हाथी 12वीं शताब्दी के आसपास इस इलाके में तैनात थे। इसके साथ ही ब्रिटिश राज के वक्त माटुंगा एक तोपखाना स्टेशन हुआ करता था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com